रूसी तेल पर अमेरिकी जुर्माने से 9-11 अरब डॉलर तक बढ़ सकता है भारत का आयात बिल - 12

नीट-पीजी की परीक्षा 301 शहरों में ढाई लाख से अधिक अभ्यर्थी हुए शामिल - 12

यूक्रेनी ड्रोन हमले से रूस के तेल डिपो में भीषण आग - 13

बुक और रूट के शतक से इंग्लैंड जीत के करीब - 14

आज का मौसम
29.0° अधिकतम तापमान
27.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.36
सूर्यास्त 07.01

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

श्रावण शुक्ल पक्ष दशमी 11:42 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2082

सोमवार, 4 अगस्त 2025, वर्ष 6, अंक 255, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

आस्था का ज्वार...

सावन के आखिरी सोमवार को जलाभिषेक के लिए मुरादाबाद के दिल्ली रोड पर रविवार को ही आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। बृजघाट से गंगाजल लेकर लौट रहे शिवभक्तों के हुजूम से माहौल शिवमय हो गया। हर ओर भोले के भक्त ही दिख रहे थे।

पुलिस में जल्द होगी 30 हजार और कार्मिकों की भर्ती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री ने की घोषणा, भर्ती बोर्ड जल्द शुरू करेगा प्रक्रिया
- पुलिस भर्ती में 20 % अग्निवीरों को भी शामिल किया जाएगा
- 1,494 पुलिसकर्मियों को योगी ने बांटे नियुक्ति पत्र

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऐलान किया कि पुलिस बल में जल्द ही 30 हजार और कार्मिकों की भर्ती की जाएगी। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड जल्द ही भर्ती की प्रक्रिया शुरू करेगा।

पुलिस में भर्ती होने वाले कार्मिकों में 20 प्रतिशत अग्निवीरों को भी शामिल किया जाएगा। इससे हमें प्रशिक्षित कार्मिक मिल सकेंगे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में होने वाली भर्तियों में भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद हावी था। घूसखोरी और भेदभाव ने नौजवानों के भविष्य को अंधकारमय बना दिया था। इसका सीधा असर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर पड़ा। इससे दंगे, अराजकता, गुंडागर्दी, आतंकी घटनाएं बढ़ गईं और जनता में असुरक्षा का माहौल बन गया। मुख्यमंत्री रविवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित यूपी पुलिस दूरसंचार विभाग में चयनित 1,494 सहायक परिचालकों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में बोल रहे थे। योगी ने कहा कि कभी अयोध्या, काशी और लखनऊ की कचहरी समेत जगह-जगह आतंकी हमले होते थे। इस दौरान सीआरपीएफ कैंप रामपुर को भी निशाना बनाया गया। वहीं, वर्ष 2017 में आई डबल इंजन की सरकार ने सबसे पहले भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए बड़े कदम उठाए। इसके तहत पुलिस भर्ती बोर्ड का सुदृढ़ीकरण किया गया। इसी का परिणाम है कि 2 लाख 17 हजार 500 से अधिक कार्मिकों की निष्पक्ष और पारदर्शी भर्ती की जा चुकी है, जो देश में सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसी तरह बीते आठ साल में भाजपा सरकार ने 8.5 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी है जो पूरे देश में सबसे बड़ा आंकड़ा है।

भर्तियों में पारदर्शिता से निवेश भी बढ़ा

मुख्यमंत्री ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता आने के बाद निवेश भी बढ़ा, जिससे करीब 2 करोड़ युवाओं को अपने जिले में ही रोजगार के अवसर मिले हैं। वहीं, आउटसोर्सिंग, टेक्नोलॉजी और नीति-निर्माण के सहयोग से देश में यूपी सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था बना है।

दूरसंचार पुलिस की जिम्मेदारी काफी अहम

मुख्यमंत्री योगी ने महाकुंभ में दूरसंचार विभाग के उत्कृष्ट कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि संचार व्यवस्था किसी भी पुलिस फोर्स की रीढ़ होती है। 25 करोड़ की आबादी वाले प्रदेश में कम्युनिकेशन और टेलीकॉम पुलिस की जिम्मेदारी कहीं कम नहीं होती। कहा कि पिछले आठ वर्षों में प्रदेश में पुलिस लाइन, पुलिस मुख्यालय और आवासीय सुविधाओं का विस्तार हुआ है। 7 नए पुलिस कमिश्नरेट बनाए गए हैं।

ब्रीफ न्यूज

राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी

अयोध्या। राम मंदिर को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद अयोध्या में सतर्कता बढ़ा दी गई है। महाराष्ट्र के बीड जिले के शिरूर कसार इलाके के युवक को सोशल मीडिया पर राम मंदिर उड़ाने की धमकी मिली है। एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया कि अयोध्या में सुरक्षाकर्मी अलर्ट मोड पर है।

आईईडी में विस्फोट होने से रेलकर्मी की मौत

भुवनेश्वर। ओडिशा-झारखंड सीमा पर सुंदरगढ़ जिले में रेलवे पटरी पर हुए आईईडी विस्फोट में एक रेलवेकर्मी की मौत हो गई। मृतक इतुआ ओराम की मैन के पद पर कार्यरत था।

अंदर देखें ... व्हील्स

नदियों में उफान से 17 जिलों में बाढ़ का कहर, एक लाख लोग प्रभावित

वाराणसी-प्रयागराज के मोहल्लों में घुसा पानी, सहायता को लगीं नाव- मोटरबोट

- अयोध्या, बांदा और इटावा में शुरू किए गए रेस्क्यू ऑपरेशन, निचले इलाकों के लिए अलर्ट जारी
- कई जिलों में लगातार भारी बारिश और बांधों से छोड़े गए पानी की वजह से नदियां उफान पर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

प्रयागराज के राजापुर मोहल्ले में घुसा गंगा नदी का पानी।

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश बाढ़ के कहर से जूझ रहा है। राज्य के 17 जिलों में करीब एक लाख लोग इससे प्रभावित हैं। वाराणसी-प्रयागराज जिलों के रिहायशी इलाकों में पानी घुस गया है। वहीं, मिर्जापुर, गाजीपुर, बलिया भी बाढ़ की चपेट में हैं। अयोध्या, बांदा और इटावा में भी प्रशासन ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरु कर दिया है। जलमग्न क्षेत्रों में प्रभावित लोगों की सहायता को नाव और मोटरबोट लगाई गई हैं। राहत सामाग्रियों का वितरण किया जा रहा है। कुल 4015.99 हेक्टेयर के क्षेत्रफल में जलभराव है।

दरअसल, मध्य प्रदेश से आने वाली सहायक नदियों के पानी से गंगा और यमुना नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है। इसका असर प्रयागराज से लेकर बंगाल की खाड़ी तक देखा जा रहा है। प्रदेश के कई जिलों में लगातार भारी बारिश और बांधों से छोड़े गए पानी से नदियां उफान पर हैं। सरयू नदी अलर्ट लेवल से 56 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है और हर तीन घंटे में जलस्तर दो सेमी बढ़ रहा है। निचले इलाकों में अलर्ट जारी किया गया है। सरयू के अलावा केन, यमुना और चंबल जैसी नदियां खतरे के निशान पर या ऊपर बह रही हैं। बाढ़ प्रभावित 17 जिलों में प्रयागराज, वाराणसी, बलिया, जालौन, आगरा, मिर्जापुर, कानपुर नगर, कानपुर देहात, हमीरपुर, बांदा, इटावा, औरैया, फतेहपुर और चित्रकूट शामिल हैं। प्रयागराज, वाराणसी की स्थिति ज्यादा गंभीर है। यहां ग्रामीण क्षेत्रों के अलावा शहरी निचले इलाकों में पानी आ गया है। दोनों ही शहरों में गंगा खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। जलस्तर में बढ़ोतरी जारी है। तटवर्ती क्षेत्रों से लोगों को नावों से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। बाढ़ प्रभावित जिलों में अब तक कुल 383 मकानों को नुकसान हुआ है। प्रभावित जिलों में 905 शरण स्थल बनाए गए हैं। अब तक 17 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित जगहों पर शिफ्ट किया गया है। वहीं, भारत मौसम विभाग ने एक सप्ताह तक पूर्वोत्तर एवं आसपास के क्षेत्रों में भारी वर्षा का अनुमान जताया है।

करंट से दो दोस्तों की मौत

बाराबंकी। लोधेश्वर महादेवा मंदिर मेला में रविवार को पुलिस चौकी के निकट विद्युत पोल में उतरे करंट से दो दोस्तों की मौत हो गई। परिजनों को आर्थिक सहायता देने की घोषणा की गई है। बाजार में ही फोटो स्टूडियो संचालित करने वाला संजय निवासी ग्राम गोबरहा अपने दोस्त हौसला पुत्र दशरथ निवासी ग्राम गुलरिहा थाना मसौली के साथ बैठा था। हौसला दुकान से बाहर निकल रहा था कि उसे करंट लग गया। बचाने दौड़ा संजय भी करंट की चपेट में आ गया। अस्पताल में दोनों को मृत घोषित कर दिया।

पहाड़ से मैदान तक भारी बारिश

देहरादून/हल्द्वानी। उत्तराखंड में पहाड़ से लेकर मैदानी इलाकों में भारी बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं। बाढ़ जैसे हालात हैं। ऑरेन्ज अलर्ट को देखते हुए आज नैनीताल, चम्पावत और पिथौरागढ़ में कक्षा 12 तक के सभी विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों में अवकाश घोषित किया गया है। देहरादून, नैनीताल, चम्पावत, बागेश्वर, पौड़ी और ऊधमसिंह नगर में सोमवार को भारी वर्षा होने की संभावना है।

जलाभिषेक के लिए बाबा पृथ्वीनाथ मंदिर जा रहे थे श्रद्धालु

नहर में गिरी बोलेरो 11 लोगों की गई जान

संवाददाता, गोंडा

- बोलेरो में सवार थे कुल 16 लोग आठ वर्षीय बच्ची लापता
- इटियाथोक थाना क्षेत्र के रेहरा पुलिया के पास हुआ हादसा

अमृत विचार : रविवार सुबह दस बजे के करीब जिले में एक भीषण हादसे में 11 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। हादसा इटियाथोक थाना क्षेत्र के बेलवा बहुता गांव के रेहरा पुलिया के समीप उस वक्त हुआ जब एक बोलेरो सरयू नहर में जा गिरी। बोलेरो में कुल 16 लोग सवार बताए जा रहे हैं। आठ साल की बच्ची रचना लापता है। वहीं 4 लोगों को पुलिस ने ग्रामीणों की सहायता से रेस्क्यू कर लिया। घायल लोग सीएचसी इटियाथोक में भर्ती हैं। बोलेरो सवार जिले के मोतीगंज थाना क्षेत्र के सीहागांव के रहने वाले हैं और वह जलाभिषेक के लिए बाबा पृथ्वीनाथ मंदिर जा रहे थे।

सीहागांव निवासी संजय गुप्ता व राजेश ने बताया कि सुबह आठ बजे गांव से बोलेरो पर सवार होकर जलाभिषेक के लिए निकले बीना (38), काजल (20), महक (17), रामकरन उर्फ पहलवान (40), ललिता (32), सौम्या (9), शंभू (7), दुर्गा (30), अमित (12), संजू (26), अंजू वर्मा उर्फ गुड़िया (12) निवासी राजापुर परसौरा की हादसे में मौत हो गई जबकि रचना (8) पुत्री ननकन की खोज जारी है। राम ललन (32), अभिषेक (12), पिंकी कसौंधन (17) तथा वाहन चालक सीतासरन (25) को बचा लिया गया। इन्हें इलाज के लिए सीएचसी इटियाथोक में भर्ती कराया गया है। कमिश्नर शशिभूषण लाल सुशील, डीएम प्रियंका निरंजन, आईजी अमित पाठक, एसपी विनीत जायसवाल ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

मोदी-योगी ने व्यक्त की संवेदना, मदद की घोषणा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की और मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख तथा घायलों के परिजनों को 50-50 हजार रुपये सहायता के रूप में देने की घोषणा की है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मृतकों व घायलों के प्रति संवेदना जताई और मृतक आश्रितों को पांच-पांच लाख तथा घायलों के बेहतर इलाज के निर्देश दिए हैं।

सरकार ने घटाए 35 जरूरी दवाओं के दाम

नई दिल्ली, एजेंसी

- डायबिटीज से लेकर हार्ट के रोगियों तक को बड़ी राहत
- नए दाम बिना जीएसटी के तय किए गए

मरीजों को बड़ी राहत देते हुए नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एनपीपीए) ने 35 जरूरी दवाओं के दाम घटा दिए हैं। ये दवाएं कई बड़ी फार्मा कंपनियों द्वारा बेची जाती हैं और इनमें एंटी-इंफ्लेमेटरी, हार्ट, एंटीबायोटिक, डायबिटीज और साइकिएट्रिक जैसी अहम दवाएं शामिल हैं। केमिकल्स और फर्टिलाइजर्स मंत्रालय ने एनपीपीए के प्राइस रेगुलेशन के आधार पर यह अधिसूचना जारी की। नए दाम लागू होने के बाद गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को फायदा मिलेगा।

नोटिफिकेशन के मुताबिक, जिन प्रमुख फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन्स की कीमतें घटाई गई हैं, उनमें एसिक्लोफेनैक-पैरेसिटामॉल-ट्रिप्सिन काइमोट्रिप्सिन, एमॉक्सीसिलिन और पोटैशियम क्लेवुलानेट, एटोरवास्टेटिन कॉम्बिनेशन्स और नए ओरल एंटी-डायबिटिक कॉम्बिनेशन्स जैसे एंपाग्लिफ्लोजिन, सिटाग्लिप्टिन और मेटफॉर्मिन शामिल हैं।

नए प्राइस जीएसटी के बिना तय किए गए हैं और निर्माता कंपनियों को इन कीमतों के अनुसार अपडेटेड लिस्ट फॉर्म- 5 में अपलोड करनी होगी। यह जानकारी एनपीपीए और राज्य औषधि नियंत्रकों को भी भेजनी होगी। इस नोटिफिकेशन के लागू होते ही पहले जारी किए गए सभी पुराने प्राइस ऑर्डर रद्द माने जाएंगे। एनपीपीए, जो केमिकल्स और फर्टिलाइजर्स मंत्रालय के तहत काम करता है, देश में दवा कीमतों को तय और मॉनिटर करने वाली प्रमुख संस्था है।

बच्चों और क्रिटिकल पेशेंट्स को भी राहत

हार्ट पेशेंट्स के लिए अहम मानी जाने वाली एटोरवास्टेटिन 40 एमजी और क्लोपिडोग्रेल 75 एमजी की टैबलेट का दाम अब 25.61 रुपये तय किया गया है। बच्चों के लिए सीफिक्साइम-पैरेसिटामॉल ओरल सस्पेंशन भी इस लिस्ट में है। वहीं, विटामिन डी की जरूरत पूरी करने के लिए कोलेकैल्सीफेरॉल ड्रॉप्स और दर्द एवं सूजन के लिए डाइक्लोफेनैक इंजेक्शन (31.77 रुपये प्रति मिली) को भी शामिल किया गया है। एनपीपीए ने कहा कि सभी रिटेलर्स और डीलर्स को अपने स्टोर पर नई प्राइस लिस्ट स्पष्ट रूप से डिस्प्ले करनी होगी। तय कीमतों से ज्यादा चार्ज लेने पर कार्रवाई हो सकती है।

सेना के अफसर ने स्पाइसजेट कर्मियों को पीटा

नई दिल्ली, एजेंसी

- एक की रीढ़ की हड्डी टूटी एक का जबड़ा
- अतिरिक्त सामान का पैसा मांगने पर विवाद

सेना के एक अधिकारी ने श्रीनगर हवाई अड्डे पर स्पाइसजेट एयरलाइन के जमीनी रखरखाव करने वाले चार कर्मचारियों के साथ मारपीट की, जिसमें एक कर्मचारी की रीढ़ की हड्डी टूट गई जबकि दूसरे का जबड़ा।

सेना के अधिकारी को दिल्ली की उड़ान में सवार होना था। 26 जुलाई को हुई इस घटना की रविवार को जानकारी देते हुए एयरलाइन ने कहा कि स्थानीय पुलिस में प्राथमिकी दर्ज की गई है और नागर विमानन नियमों के अनुसार यात्री को नो-फ्लाई सूची में डालने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। एयरलाइन ने बताया कि यह मारपीट तब हुई जब यात्री से अतिरिक्त सामान के लिए भुगतान करने को कहा गया। सोशल मीडिया पर साझा किए गए घटना के वीडियो में यात्री को कर्मचारियों पर हमला करते हुए और उनमें से एक पर हवाई अड्डे पर रखे जाने वाले स्टैंड से हमला करते हुए दिखाया गया है। तीनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। स्पाइसजेट ने कहा कि 26 जुलाई, 2025 को श्रीनगर से दिल्ली जाने वाली उड़ान संख्या एसजी-386 के बोर्डिंग गेट पर एक यात्री ने स्पाइसजेट के चार कर्मचारियों पर गंभीर हमला किया।

घूंसे, बार-बार लात मारने और कतार में रखे जाने वाले स्टैंड से हमला किए जाने से हमारे एक कर्मचारी की रीढ़ की हड्डी टूट गई और जबड़े में गंभीर चोटें आईं।

हादसे के बाद बोलेरो को नहर से रेस्क्यू करती पुलिस टीम और स्थानीय ग्रामीण।

प्रश्नपत्र लीक मामले में बीएसई उपाध्यक्ष गिरफ्तार

कटक। पुलिस ने रविवार को ओडिशा शिक्षक पात्रता परीक्षा (ओटीईटी)-2025 के प्रश्नपत्र लीक में संलिप्तता के लिए माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (बीएसई) के उपाध्यक्ष को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने बताया कि बीएसई को 20 जुलाई को विशेष ओटीईटी-2025 आयोजित करनी थी। हालांकि, एक दिन पहले सोशल मीडिया पर उत्तरों के साथ एक हस्तलिखित प्रश्नपत्र वायरल होने के बाद बोर्ड को परीक्षा स्थगित करने के लिए मजबूर होना पड़ा। डीजीपी (अपराध शाखा) विनयतोष मिश्रा ने कहा कि जांच के दौरान बीएसई के उपाध्यक्ष निहार मोहंती की लापरवाही पाई गई।

कसा शिकंजा

मुख्यमंत्री योगी हुए सख्त, बिना अनुमति ड्रोन संचालन पर लगाया प्रतिबंध

ड्रोन से दहशत फैलाने वालों पर लगेगा गैंगस्टर, एनएसए

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रमुख सचिव गृह व डीजीपी को सभी जिलों की समीक्षा कर कार्रवाई करने के निर्देश

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तमाम जिलों में ड्रोन से नदियों और गांवों की मैपिंग के बीच अराजकतत्वों की ओर से अनाधिकृत ड्रोन से दहशत और अफवाहें फैलाने की घटनाओं पर सख्त रूख अपनाया है। उन्होंने रविवार को प्रमुख सचिव गृह व डीजीपी को हर जिले में ड्रोन संचालन की गहराई से समीक्षा कर कार्रवाई के निर्देश दिए। कहा कि ऐसे तत्वों पर गैंगेस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की जाए और जरूरत पड़े तो राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) भी लगाया जाए।

नदियों के पुनरोद्धार और गांवों में आबादी, कृषि भूमि आदि की जीओ टैगिंग के लिए राज्य के तमाम जिलों में ड्रोन से कई कंपनियां सर्वे कार्य करा रही हैं। इसी बीच अराजकतत्वों ने बीते माह से अफवाहें फैलानी शुरू कर दी, फिर पुलिस-प्रशासन ने स्थितियां साफ की, तो कई ऐसे मामले सामने आए कि रात में ड्रोन उड़ाकर कुछ अराजकतत्व दहशत फैला रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी खूब अफवाहें उड़ने लगीं। इसके बाद हाल ही में डीजीपी ने सभी निजी ड्रोन धारकों के थाने में रजिस्टर बनवाकर इंट्री अनिवार्य करा दी। फिर भी अफवाह व दहशत फैलाने का सिलसिला थमा नहीं तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को गंभीरता से लिया और सख्त निर्देश जारी किए। साथ,ही कानून-व्यवस्था की समीक्षा बैठक में पुलिस-प्रशासन के सभी फील्ड अधिकारियों से वीसी के जरिए सख्त निर्देश जारी किए।

लोगों में भय पैदा करने की कोशिश बर्दाश्त नहीं

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि ड्रोन से दहशत फैलाने वालों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत केस दर्ज करें। जरूरत पड़ी तो एनएसए भी लगाने की कार्रवाई करें। निर्देश दिया कि बिना अनुमति ड्रोन संचालन पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी। कहा कि अफवाह फैलाने या डर पैदा करने की कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। योगी ने ड्रोन के दुरुपयोग पर सख्ती बरतने और ड्रोन मॉनीटरिंग सिस्टम लागू कर कड़ी निगरानी के निर्देश दिए। कहा कि सुरक्षा के लिए जिलों में नियमित पेट्रोलिंग सुनिश्चित करें जिससे आमजन में विश्वास बना रहे। चेतावनी दी कि तकनीक का गलत इस्तेमाल करने वालों से सरकार सख्ती से निपटेगी। प्रदेश में ड्रोन संचालन के जरिए कानून व्यवस्था से खिलवाड़ स्वीकार नहीं होगा।

अमृत विचार

बरेली, सोमवार, 4 अगस्त 2025

शाहजहांपुर

न्यूज ब्रीफ

बीएड में वंशिका को मिला प्रथम स्थान

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जीएफ कॉलेज बीएड द्वितीय वर्ष के समस्त छात्र-छात्राओं ने वार्षिक परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया है, जिनमें से ज्यादातर छात्र-छात्राओं ने 75 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। बीएड द्वितीय वर्ष की छात्रा वंशिका शर्मा ने 81.93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर महाविद्यालय में प्रथम स्थान, इल्मा ख़ान और नाज़ ने 80.64 फीसदी अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से दूसरा तथा सांत्वना मिश्रा ने 80.50 फीसदी अंक हासिल कर कॉलेज में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। प्राचार्य प्रो. मोहसिन हसन ख़ान ने उत्कृष्ट अंक लाने वाले छात्रों को बधाई दी।

अफसरों की सख्ती के बाद मिली खाद

खुटार, अमृत विचार : एक ओर यूरिया के लिए किसान भटकने को मजबूर हैं, दूसरी ओर सहकारी समितियों के कर्मियों के व्यवहार से परेशान है। समिति पर यूरिया होने के बावजूद भी कर्मचारी किसानों से लगातार चक्कर लगवा रहे हैं। चांदपुर किसान सहकारी समिति पर 3 दिन से खाद लेने के लिए चक्कर काट रहे किसानों ने शनिवार को प्रदर्शन किया था। जिससे मामला अधिकारियों के संज्ञान में पहुंचा। जिस पर एआर कोऑपरेटिव अखिलेश सिंह की फटकार के बाद किसान सहकारी समिति चांदपुर में रविवार को समिति के लिपिक रामबाबू दीक्षित ने 35 - 40 किसानों को खाद बांटी, जबकि खाद लेने सैकड़ों किसान पहुंचे थे।

कांवड़ियों के लिए फूलों से सजा सुभाष चौराहा

शाहजहांपुर, अमृत विचार : कांवड़ियों के स्वागत के लिए सुभाष चंद्र बोस चौराहा को सजाया गया और विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया। जिसमें राहगीर कांवड़ियों पर फूल बरसाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में महापौर अर्चना वर्मा, नगर आयुक्त डॉ. बिपिन कुमार मिश्र, पूर्व जिपं अध्यक्ष वीरेंद्र पाल सिंह यादव, एडीएम न्यायिक राशिद खां, जेल अधीक्षक मिजाजी लाल, अनिल बाजपेई समेत कई लोग मौजूद रहे।

बाबा का श्रृंगार आज

शाहजहांपुर, अमृत विचार : पुवायां स्थित कबीर दान बाबा मंदिर श्री बाबा अर्धनारीश्वर नाथ धाम में सोमवार को बाबा का श्रृंगार, महाआरती व प्रसाद वितरण किया जाएगा। साथ ही बाबा की कीर्तन का गुणगान शाम 7 बजे से सिया सिस्टर्स, विष्णु सक्सेना व विकास शर्मा करेंगे।

सावन की फुहारों में शिवभक्ति की धार

सावन के चौथे सोमवार को सुरक्षा के दृष्टिगत मजिस्ट्रेट और पुलिसकर्मी रहे अलर्ट

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: सावन माह के चौथे सोमवार से एक दिन पहले रविवार को जिले की सड़कों पर भगवान शिव के भक्तों एवं कांवड़ियों में आस्था- उमंग का अनूठा नजारा देखने को मिला। सावन की फुहारों के बीच फर्रुखाबाद से छोटी काशी गोला गोकर्णनाथ बाबा शिव शंकर को जलाभिषेक को चले कावंड़ियों का जोश और उत्साह तेज बारिश में भी कम न हुआ। यूं कहे कि सावन की फुहारों में सड़कों पर शिवभक्ति की धार बही, हर ओर बम बम भोले की गूंज से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

कांवड़ लेकर पैदल चल रहे शिवभक्तों की टोलियों ने पूरे इलाके को भक्ति और उल्लास के रंग में रंग दिया है। कांवड़ियों के जत्थे ढोल-नगाड़ों और डीजे की धुनों पर भगवा रंग में रंगे जोश देखने लायक है। नन्हें भोले से लेकर बुजुर्ग श्रद्धालु तक इस यात्रा में भाग ले रहे हैं। वहीं दूसरी ओर कांवड़ यात्रा के मार्ग में जगह-जगह भंडारे, सेवा शिविर और चिकित्सा केंद्र लगाए गए हैं। स्थानीय युवाओं और सामाजिक संगठनों ने कांवड़ियों के स्वागत के लिए विशेष व्यवस्था की है। पेयजल, फल, ठंडे दूध और प्राथमिक चिकित्सा की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। जिला प्रशासन की ओर से भी सुरक्षा, ट्रैफिक और स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर विशेष प्रबंध किए गए हैं। पुलिस बल के साथ होमगार्ड्स और स्वयंसेवकों को भी तैनात किया गया है।

भक्ति से सराबोर इस माहौल ने सावन को पूरी तरह शिवमय बना दिया है। मंदिरों में भी विशेष सजावट की गई है। मजिस्ट्रेटों द्वारा भी भ्रमणशील रहकर सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रखी जा रही है।

सुभाष चौराहा से गोला गोकर्णनाथ बारिश में भींगते हुए जाते कांवडिए।

नगर निकायों को सफाई के निर्देश

सावन के चौथे सोमवार के दृष्टिगत जिले के नगर निगम सहित सभी नगर निकायों के अधिकारियों को डीएम की ओर से निर्देशित किया गया है कि मंदिरों, शिवालयों के आसपास विशेष सफाई अभियान चलाया जाए। किसी तरह की दिक्कत मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को न आए, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। इसके साथ ही साथ पथ प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त रखने को बिजली विभाग को भी कहा गया है।

> शिवभक्तों एवं कांवड़ियों की सुविधा और सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन की ओर से व्यापक इंतजाम किए गए हैं। हमारे सभी मजिस्ट्रेट, पुलिसकर्मियों द्वारा अपने अपने ड्यूटी स्थल पर रहकर निगरानी की जा रही है। स्वयं निरीक्षण कर एक एक चीज पर नजर रख रहे हैं। साथ ही साथ सभी नगर निकायों के ईओ को निर्देशित किया कि शिवालयों व मंदिरों के आसपास साफ सफाई व्यवस्था दुरस्त रखी जाए और दोनों टाइम झाड़ू लगवाकर चूना छिड़काव भी कराया जाए। इसके फोटोग्राफ भी कराएं जा रहे हैं।
>
> - एडीएम प्रशासन **रजनीश कुमार मिश्रा**

कांवड़-कांवड़ियों पर आधुनिकता का रंग

संवाददाता, अल्हागंज

अमृत विचार: सावन मास के अंतिम चरण में अल्हागंज के पांचाल घाट गंगा तट पर कांवड़ यात्रा ने पारंपरिक भक्ति यात्रा से हटकर आधुनिक स्वरूप ग्रहण कर लिया है। इस बार कांवड़ियों की वेशभूषा, कांवड़ की सजावट और यात्रा की शैली में बड़ा बदलाव देखा गया। जहां पहले बांस की साधारण कांवड़ और पैरों में घुंघरू के साथ शिव भजनों की मधुर गूंज सुनाई देती थी, अब उसकी डीजे की धुन, चमचमाती कांवड़ और रंग-बिरंगे वस्त्रों में सजे कांवड़ियों ने ले ली है।

मुख्यमंत्री की ओर से डीजे पर लगी रोक हटाने और हेलीकॉप्टर से की गई पुष्पवर्षा ने कांवड़ियों के उत्साह को दोगुना कर दिया है। यात्रा में शामिल युवक-युवतियां ट्रैक्टर-ट्रालियों पर लगे डीजे पर 'बम बम भोले' की धुन पर नाचते-गाते आगे बढ़ रहे हैं। यह नजारा देखने के लिए सड़क किनारे भारी संख्या में लोग जुटते हैं।

पांचाल घाट पर जगह-जगह कांवड़ सज्जा के बाजार लग चुके हैं, जहां कारीगर विभिन्न रंगों, फूल-पत्तियों और सोलर लाइट से सजी आकर्षक कांवड़ें तैयार कर रहे हैं। कांवड़ियों की वेशभूषा में भी बदलाव देखने को मिला है 'जय महाकाल' प्रिंट वाली भगवा और काली शर्टें, हाफ नेकर, कमर में बेल्टनुमा पर्स और पैरों में घुंघरू पहने युवा आकर्षण का केंद्र बने हैं। यात्रा के दौरान श्रद्धालु केवल कांवड़ लेकर नहीं चल रहे, बल्कि भक्ति का प्रदर्शन भी कर रहे हैं। कुछ कांवरिया कीलों पर लेटकर जल चढ़ाने की कठिन साधना कर रहे हैं तो कुछ एक साथ कई जल कलश लेकर चल रहे हैं।

पांचाल घाट पर स्नान कर जल भरते आधुनिक शिव ध्वज के साथ कांवरिया।

डाक कांवड़ियों का पुष्पवर्षा से स्वागत

अल्हागंज, अमृत विचार : पांचाल घाट गंगा तट से जल लेकर लौट रहे डाक कांवड़ियों का नगर में भव्य स्वागत किया गया। कई स्थानों पर श्रद्धालुओं द्वारा भंडारे लगाए गए, जिनमें पूरी, सब्जी, हलवा, जलेबी, बिस्कुट, चाय और ठंडे पेयजल की उत्तम व्यवस्था की गई। थाना गेट के पास भाजपा जिला महामंत्री अनिल गुप्ता की ओर से आयोजित भंडारे में देर शाम तक डाक कांवरियों को जलपान एवं भोजन परोसा गया। इस दौरान उन पर पुष्प वर्षा भी की गई। कार्यक्रम में नगर पंचायत की पूर्व चेयरमैन एवं भाजपा ब्रज प्रांत की उपाध्यक्ष चंद्रेश गुप्ता सहित उदित गुप्ता, राजू राठौड़, अर्पित गुप्ता, युग गुप्ता, कृष्णा राठौड़, शुभम गुप्ता, अंकुर गुप्ता, जतिन गुप्ता, अजय गुप्ता, रामनरेश राठौड़, अनिकेत गुप्ता, नन्नकू गुप्ता, मुदित गुप्ता सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रामगंगा का जलस्तर बढ़ने से ग्रामीणों में चिंता

क्षतिग्रस्त तटबंध, जिसको लेकर ग्रामीण चिंतित हैं। ● अमृत विचार

परौर, अमृत विचार: ब्लॉक मिर्जापुर के कुंडरी गांव में रामगंगा नदी के किनारे बनी करोड़ों की लागत की ठोकरें (तटबंध) क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। ग्रामवासियों ने 5 जुलाई को कलान तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह को इस संबंध में प्रार्थना पत्र सौंपा था। डीएम ने सिंचाई विभाग के एक्सईएन को तत्काल जांच और मरम्मत का निर्देश भी दिया, लेकिन एक माह बीतने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब बारिश के चलते रामगंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे गांव को कटान का खतरा है। ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते मरम्मत होती तो खतरा टल सकता था। मौके पर पूर्व उप ब्लॉक प्रमुख आनंद देव मिश्रा सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे और अधिकारियों से शीघ्र कार्रवाई की मांग की।

जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक

शाहजहांपुर, अमृत विचार: जिला कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक कार्यालय राजीव भवन में हुई। संगठन सृजन अभियान के अंतिम चरण पर चर्चा हुई, जिसमें मंडल कमेटी और बूथ कमेटी के गठन पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। मंडल कमेटी का गठन प्रत्येक 20 बूथों पर किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक बूथ पर एक अध्यक्ष और दो बूथ लेवल एजेंट नियुक्त किए जाएंगे। इस कार्य को 15 अगस्त से पहले पूर्ण करने के लिए ब्लॉक अध्यक्षों और जिला कमेटी के पदाधिकारीयो को निर्देश दिए गए। जिलाध्यक्ष रजनीश गुप्ता ने कहा संगठन सृजन अभियान के अंतिम चरण में मंडल और बूथ स्तर पर मजबूत ढांचा तैयार करना हमारी प्राथमिकता है। निवर्तमान प्रदेश महासचिव एवं जिला कोऑर्डिनेटर कौशलेंद्र यादव ने कहा कि संगठन सृजन अभियान के तहत हम युवाओं, महिलाओं समेत सभी वर्गों को जोड़कर कांग्रेस को नई ऊर्जा देना चाहते हैं।

बारिश से जगह- जगह जलभराव

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: जिले में रविवार सुबह से हुई झमाझम बारिश ने जहां लोगों को गर्मी से राहत दी, वहीं नगर निगम की लापरवाह सफाई व्यवस्था की पोल भी खोल दी। बारिश के चलते शहर की मुख्य सड़कों, कॉलोनियों और बाजारों में भारी जलभराव हो गया, जिससे जनजीवन प्रभावित हो गया। बारिश शुरू होते ही रोडवेज बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन मार्ग, त्रिमूर्ति, लाल इमली चौराहा व हथौड़ा चौराहा पर नालियां चोक हो जाने से सड़कों पर पानी भर गया। कई क्षेत्रों में सड़कें जलमग्न हो गईं। जलभराव के कारण ट्रैफिक बाधित हुआ और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई जगह पैदल चलने वाले लोग फिसलते हुए नजर आए। इसके साथ साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में बारिश होने से गली मोहल्लों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई। जिसको लेकर नगर निकायों को लोगों ने फोन करके साफ सफाई कराने की बात कही। बारिश से खिरनीबाग के पास स्थित इस्लामिया इंटर कॉलेज की दीवार पर पेड़ गिर जाने से बिजली विभाग की लाइन टूट जाने से विद्युत आपूर्ति ठप हो गई। जिसके बाद बिजली कर्मियों ने कई घंटे मशक्कत कर सुचारू रूप से बिजली शुरू कर दी।

हथौड़ा चौराहा पर छाता लगाकर जाते दंपती। ● अमृत विचार

> जनपद में बारिश अच्छी हुई है, इससे मौसम में बदलाव आने की संभावना है। बीती रात 34 एमएम बारिश दर्ज की गई है, जबकि रविवार को भी ठीकठाक बारिश हुई है। अभी अगले दो तीन दिन और बारिश होने की संभावना है।
>
> - मौसम वैज्ञानिक **डा. मनमोहन सिंह।**

खेत-खलिहानों में भरा पानी: पिछले 24 घंटे से जनपद में हो रही बारिश से शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी खेत-खलिहान में पानी भर गया। लोगों ने पड़ रही गर्मी से राहत की सांस ली है, वही पेड़ बगैरह टूट जाने से ग्रामीण क्षेत्रों में कही कही बिजली व्यवस्था गड़बड़ा गई है। इसको सुचारू करने के लिए बिजली विभाग द्वारा कार्य किया जा रहा है।

जनशताब्दी की अलख जगाने आई टोली

शाहजहांपुर, अमृत विचार: अखिल विश्व गायत्री परिवार की ओर से संचालित गुरुधाम शांतिकुंज हरिद्वार से आई जनसंपर्क टोली ने गायत्री परिवार की संस्थापक माता भगवती देवी शर्मा एवं अखंड ज्योति पत्रिका की जन्म शताब्दी वर्ष 2026 की तैयारियों को लेकर जनपद में दो दिवसीय जनसंपर्क अभियान चलाया। अभियान के पहले दिन टोली ने गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मस्थली बंडा एवं गायत्री चेतना केंद्र पुवायां में संगोष्ठियों का आयोजन किया। बंडा की संगोष्ठी में शक्तिपीठ के मुख्य ट्रस्टी श्यामलाल मिश्रा की उपस्थिति में बंडा एवं खुटार के परिजन सम्मिलित हुए। वहीं पुवायां संगोष्ठी में प्रमोद गुप्ता की अगुवाई में पुवायां एवं आस-पास के क्षेत्रीय परिजनों ने भागीदारी की। संगोष्ठियों में टोली नायक डीपी सिंह ने अपनों से गुरुदेव की बात विषय पर प्रेरणादायी विचार साझा किए। द्वितीय दिवस पर संगोष्ठियां गायत्री शक्तिपीठ गौहरपुरा एवं निगोही में संपन्न हुई।

मंदिर की भूमि पर कब्जे को लेकर प्रशासन सख्त

खबर का असर

संवाददाता, बंडा

- 146 एकड़ जमीन पर कब्जे में एक ट्रस्ट भी शामिल
- जांच में जुटा प्रशासन, तहसील में दस्तावेजों की होगी पेशी

थाने में बातचीत करतीं एसडीएम चित्रा निर्वाल व मौजूद अन्य। ● अमृत विचार

अमृत विचार: सुनासीर नाथ मंदिर की भूमि पर अवैध कब्जे की लगातार खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासन सक्रिय हुआ है। रविवार को बंडा थाने में एसडीएम, सीओ और नायब तहसीलदार ने दोनों पक्षों को थाने बुलाया और वार्ता की।

सुनासीर नाथ मंदिर की 146 एकड़ भूमि पर कब्जे की खबर को अमृत विचार प्रमुखता से प्रकाशित करता आ रहा है। अब प्रशासन ने इसको लेकर सक्रियता दिखाई। लगाए गए आरोपों की जांच करने के लिए रविवार शाम एसडीएम पुवायां चित्रा निर्वाल, सीओ प्रवीण मलिक और नायब तहसीलदार पंकज कुमार बंडा थाने पहुंचे। उन्होंने दोनों पक्षों को बंडा थाने बुलाया और बातचीत की। इस दौरान हिंदू युवा संगठन (अ) के तहसील प्रभारी अजय द्विवेदी को भी बंडा थाने बुलाया गया और भूमि को लेकर ज्ञापन न देने और धरना प्रदर्शन न करने की बात कही गई। जिस पर उनकी तरफ से धरना प्रदर्शन न कर ज्ञापन देने की बात कही गई।

साथ ही हिंदू युवा संगठन (अ) के संस्थापक अध्यक्ष अवनीश मिश्रा भी अब इस मुहिम में अपने सभी कार्यकर्ताओं के साथ जुड़ गए हैं। सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट परिसर में वह पहुंचकर अपने कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर सुनासीर नाथ मंदिर की भूमि पर कब्जे और अन्य कई मुद्दों पर जिलाधिकारी को ज्ञापन देने के लिए पहुंच रहे हैं। इस दौरान संस्था के संस्थापक अध्यक्ष अवनीश मिश्रा ने कहा मंदिर की भूमि भगवान शिव की भूमि है लोगों को चाहिए उस मंदिर की भूमि को बचाकर रखें और उसकी देखभाल करें। वहीं मंदिर के पुजारी सर्वेश गिरी ने बताया थाने में बातचीत के दौरान मुख्य बातचीत ट्रस्ट को लेकर हुई। आरोप है ट्रस्ट से जुड़े लोग जबरन मंदिर की भूमि पर कब्जा करके उसे अपने दायरे में लेना चाहते हैं। वह लोग उससे अपना व्यापार चला रहे हैं जबकि मंदिर में लगने वाले मेले के लिए जगह तक नहीं बची है। वहीं इस मामले में दोनों पक्षों की बातों को सुनने के बाद एसडीएम पुवायां चित्रा निर्वाल ने दोनों पक्षों को मंगलवार को तहसील परिसर में बुलाया है और अपने अपने दस्तावेज दिखाने की बात कही है। जबकि सीओ प्रवीण मलिक ने बताया कि दोनों पक्ष सीमांकन होने तक शांति व्यवस्था बनाए रखेंगे।

चार लोगों पर धोखाधड़ी का केस

खुटार, अमृत विचार: क्षेत्र के गांव मुरादपुर निविया खेड़ा निवासी फिरोजी बेगम ने थाने में तहरीर देकर बताया उसकी तीन बीघा जमीन मुरादपुर निविया खेड़ा गांव में है। उस जमीन को गांव के ही चार लोगों ने धोखे बैनामा करा लिया था।

पीड़िता के अनुसार जब्बार, शरमीन और नन्हे उसे पेंशन दिलाने के बहाने पुवायां तहसील ले गए, जहां पहले से मौजूद गुरुधिया गांव निवासी राजकमल मिश्रा ने तीन बीघा जमीन बैनामा करा ली और कोई भुगतान नहीं किया। जब पीड़िता को इसकी जानकारी हुई, तो उसने पूछताछ की, जिस पर राजकमल ने बैनामा वापस करने का समझौता किया, लेकिन बाद में न तो पैसा दिया और न ही बैनामा वापस किया। पुलिस ने आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

न्यूज डायरी

अंतिम सोमवार पर उमड़े कांवड़िया

जलालाबाद, अमृत विचार : सावन के अंतिम सोमवार के चलते रविवार को फर्रुखाबाद एवं ढाईघाट से गंगाजल लेकर गोला गोकर्णनाथ जाने वाले डाक कांवड़ियों की भीड़ उमड़ पड़ी। रास्ते में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने सेवा भाव से भंडारों का आयोजन किया और पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। याकूबपुर चौराहे पर प्रदीप शर्मा, विपिन मैथिल और विशाल ने भंडारा लगाकर जलपान व पेयजल की व्यवस्था की। नगरिया बुजुर्ग में बंटी सिंह ने तीन दिवसीय भंडारा आयोजित किया। कालतरगंज में आदर्श गुप्ता उर्फ शानू ने श्रद्धालुओं की सेवा में भंडारा चलाया। इसके आगे उबरिया मंदिर पर छविनाथ कुशवाहा द्वारा भव्य भंडारा लगाया गया, जहां आने-जाने वाले हर कांवरिये का स्वागत किया गया।

कांवड़ियों से गुलजार रहीं सड़कें, जगह-जगह भंडारे

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जिले भर में शिवभक्तों के लिए जगह -जगह लोगों ने भंडारे आयोजित किए। कहीं जन प्रतिनिधियों ने पहुंचकर कांवड़ियों की सेवा की तो कहीं पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया गया। महानगर क्षेत्र में पड़ने वाले कांवड़ रुटों में बरेली मोड़ पर साउथ सिटी गेट पर भी सुबह से ही शिवभक्तों द्वारा भंडारा आयोजित कर कांवडियों को प्रसाद ग्रहण कराया गया। इसी क्रम में पुत्तूलाल चौराहा, हरदोई बाईपास, बाबा त्रिलोकीनाथ मंदिर, निगोही रोड, रोजा बस स्टैंड के पास भी भंडारे आयोजित किए गए हैं। सुबह 11 बजे से शुरू हुआ भंडारा देर शाम तक चलता रहा। जिसमें हजारों कांवडियों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर अशोक कुमार सक्सेना, जय, योगेंद्र, गोपाल, लक्ष्मण सक्सेना, अंशुमन, अन्चैरा, अरुण सक्सेना, सूरज आदि मौजूद रहे।

सहयोग संस्था ने कराया भंडारा कांवड़ियों पर बरसाए फूल

शाहजहांपुर, अमृत विचार : समाजसेवी सहयोग संस्था ने सुभाष चंद्र बोस चौराहे पर भंडारा कराया। इसके साथ ही कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचीं मेयर अर्चना वर्मा, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष वीरेंद्र पाल सिंह यादव, एडीएम राशिद खां, नगर आयुक्त विपिन मिश्रा, जेल अधीक्षक मिजाजी लाल, पूर्व नगर अध्यक्ष अनिल वाजपेई ने भी कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा करते हुए प्रसाद बांटे। संस्था के संरक्षक अनिल गुप्ता प्रधान ने बताया कि जन सहयोग के जितने भी कार्य हैं। जनपद में कहीं पर भी कोई समस्या है तो हमारी संस्था मदद करने की पूरी कोशिश करेगी। संस्था की अध्यक्ष रजनी गुप्ता व महासचिव विकास सक्सेना ने कहा कि पुष्प वर्षा का कार्यक्रम बहुत ही सुंदर रहा। इस दौरान निखिल महेंद्रु, अमित मिश्रा, आशीष शुक्ला, सैय्यद अनवर, डॉ. पुनीत मनीषी, शालू यादव समेत अन्य मौजूद रहे।

अष्टमुखी शिवलिंग पर जलाभिषेक के लिए उमड़े भक्त

कलान, अमृत विचार : दैत्यगुरु शुक्राचार्य की तपोभूमि पटना देवकली शिव मंदिर पर रविवार को शिवभक्तों और कांवड़ियों की भीड़ उमड़ी। सावन के आखिरी सोमवार के चलते रविवार को ही हजारों की संख्या में श्रद्धालु मंदिर परिसर में जलाभिषेक के लिए पहुंच गए, जिससे पुलिस बल कम पड़ गया। स्टेट हाईवे मुरादाबाद-फर्रुखाबाद तक कांवड़ियाऔर श्रद्धालु घंटों कतारों में खड़े नजर आए। मंदिर परिसर में अष्टमुखी शिवलिंग सहित अन्य शिवलिंगों पर भक्तों ने जलाभिषेक किया और पूजा-अर्चना करते हुए मनौतियां मांगीं। कलान थाना प्रभारी प्रभाष चंद्र ने तत्काल अन्य पुलिसकर्मियों को मंदिर परिसर भेजा, तब कहीं जाकर भीड़ को नियंत्रित किया जा सका और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित हो पाई।

सौगात | वित्त मंत्री सुरेश खन्ना और सांसद अरुण सागर ने किया सड़कों का लोकार्पण

जनता को बुनियादी सुविधाएं देना सरकार की प्राथमिकता

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

शिलान्यास करते वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, साथ में सांसद व पार्षद। ● अमृत विचार

अमृत विचार: नगर निगम वार्ड संख्या तीन मोहल्ला लोधीपुर में बहुप्रतीक्षित सड़कों के लोकार्पण समारोह का आयोजन रविवार को हुआ। कार्यक्रम में वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना और सांसद अरुण कुमार सागर ने विधिवत उद्घाटन किया।

समारोह में वार्ड पार्षद रूपेश वर्मा 'अन्नू', नगर आयुक्त, अपर नगर आयुक्त, नगर निगम अभियंता सहित तमाम वरिष्ठ अधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

इस मौके पर क्षेत्र के लोगों ने फूल मालाओं और नारों के साथ जनप्रतिनिधियों का स्वागत किया। उद्घाटन समारोह के दौरान मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा प्रदेश सरकार का उद्देश्य जनता को सुगम जीवन और गुणवत्तापूर्ण बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा किलोधीपुर में सड़कों का यह निर्माण क्षेत्र के विकास की दिशा में अहम कड़ी है, जिससे यहां के नागरिकों को वर्षों से हो रही परेशानी से राहत मिलेगी। पार्षद रूपेश वर्मा ने कहा कि यह लोकार्पण सिर्फ एक सड़क का नहीं, बल्कि नागरिकों के लंबे संघर्ष और विकास की उम्मीद का प्रतीक है। आगे भी लोधीपुर क्षेत्र में और विकास कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराए जाएंगे।" स्थानीय नागरिकों ने नई सड़कों के निर्माण पर खुशी जताते हुए कहा कि इससे न सिर्फ यातायात की स्थिति सुधरेगी, बल्कि जलभराव व गंदगी जैसी समस्याओं से भी राहत मिलेगी। उन्होंने पार्षद अन्नू और नगर निगम प्रशासन का आभार जताया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ और अंत में प्रसाद वितरण भी किया गया।

मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय कजरी नूरपुर निगोही का भूमि पूजन

शाहजहांपुर, अमृत विचार : मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय कजरी नूरपुर निगोही के निर्माण कार्य लागत 2412.65 लाख की धनराशि से निर्मित भूमि का शिलान्यास एवं भूमि पूजन रविवार को किया गया। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना भूमिपूजन कराया। उक्त मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय को कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश समाज कल्याण निगम लिमिटेड की ओर से बनवाया जाएगा। इस अवसर पर वित्त मंत्री ने कहा कि मॉडल कंपोजिट विद्यालय बनने से अच्छा शिक्षा बच्चों को मिल सकेगी और क्षेत्र की तरक्की होगी। सांसद अरुण सागर ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की ओर से बच्चों की शिक्षा के लिए किए जा रहे, कामकाजों को गिनाया। कार्यक्रम में सांसद अरुण कुमार सागर, विधायक सलोना कुशवाहा बतौर, ब्लाक प्रमुख भानुप्रताप, पूर्व जिपं अध्यक्ष अजय प्रताप यादव, डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह, सीडीओ डॉ. अपराजिता सिंह, बीएसए दिव्या गुप्ता समेत अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

सिटी ब्रीफ

घर से कोचिंग पढ़ने गया छात्र लापता

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सदर बाजार थाना क्षेत्र के मोहल्ला गदियाना निवासी जितेंद्र सक्सेना ने बताया उनका 15 वर्षीय बेटा जितेश सक्सेना एसपी कॉलेज में कक्षा 9 में पढ़ता है। 31 जुलाई को उसका बेटा कोचिंग पढ़ने गया था। वह देर रात वापस घर नहीं आया। उन्होंने बेटे की तलाश की और पता नहीं चला। शिकायत पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज किशोर की तलाश में जुटे हुए है।

हादसे में मृत महिला की हुई शिनाख्त

शाहजहांपुर, अमृत विचार : रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से कटकर मरी महिला के शव की शिनाख्त हो गई है। वह शहर के मोहल्ला बाडुजई प्रथम की रहने वाली थी। शनिवार सुबह 8 बजे स्टेशन पर प्लेटफार्म तीन पर राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आने से महिला की मौत हो गई। रविवार को उसकी पहचान सदर बाजार थाना क्षेत्र के मोहल्ला बाडुजई प्रथम निवासी मंसूर खां पत्नी रईसा के रुप में की। जीआरपी ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया।

पॉक्सो एक्ट का आरोपी गिरफ्तार

निगोही, अमृत विचार : पॉक्सो एक्ट के वांछित को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार ने बताया आरोपी मुलायम निवासी निगोही 17 मई को किशोरी को अगवा करके ले गया था। पुलिस ने उसे बरामद कर लिया था। आरोपी फरार था, पुलिस ने उसे शनिवार को गिरफ्तार करके कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया गया।

घर में घुसकर महिला से की मारपीट, घायल

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सदर बाजार थाना क्षेत्र के मोहल्ला मामूड़ी निवासी जीशान ने बताया 31 जुलाई की रात 11 बजे पड़ोसी शोएब, अरबाज खां, शैजी खां, नोमान खां, यासीन, सुहेल अंजीम, नाजिम, सहजीम, रौजी, फैसल आदि उसके घर के बाहर गालियां दे रहे थे। जीशान की भाभी दरवाजा खोलकर बाहर देखने लगी। इसी बीच आरोपियों ने उन पर हमला कर दिया तो वह जान बचाकर घर में घुसी तो पीछे से आरोपी घुस आए उन्हें पीटकर घायल कर दिया। लोगों के जुटने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए।

औद्योगिक कॉरिडोर खोलेगा निवेश के द्वार

जलालाबाद गुलड़िया में गंगा एक्सप्रेस-वे किनारे कराया जा रहा विकास कार्य

प्रभाकर मिश्रा ,शाहजहांपुर

अमृत विचार : जिले में कभी कटरी कहे जाने वाले बीहड़ जलालाबाद तहसील की तस्वीर-तकदीर बदलने जा रही है। मेरठ से प्रयागराज तक बनाएं जा रहे, गंगा एक्सप्रेस-वे के कार्य लगभग जिले में पूर्ण हो चुका है। इसके साथ ही जलालाबाद की गुलड़िया गांव में विकसित किए जा रहे, औद्योगिक कॉरिडोर से वहां पर तरक्की के द्वार खुलेंगे और बाहरी निवेशकों के आने की संभावना बढ़ेगी। इसके साथ ही साथ बेरोजगारों को भी रोजगार के अवसर पैदा होगे। कॉरिडोर का कार्य लगभग 80-85 फीसदी पूरा हो चुका है, सब कुछ ठीक ठाक रहा तो इस वर्ष के अंत तक जनपदवासियों औद्योगिक कॉरिडोर की सौगात मिल सकती है। इसको लेकर जिला प्रशासन व यूपीडा की ओर से तेजी से कार्य कराया जा रहा है। जिले में गंगा एक्सप्रेसवे 44 गांवों से होकर गुजर रहा है। यहां इसकी लंबाई करीब 42 किमी है। अधिकतर स्थानों पर एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। कुल 12 जिलों को कवर करेगा। जिसमें मेरठ के बाद एक्सप्रेस वे हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ से होते हुए प्रयागराज पहुंचेगा।

एडीएम प्रशासन रजनीश कुमार मिश्रा कलेक्ट्रेट स्थित अपने दफ्तर में कामकाज करते हुए। ● अमृत विचार

- संभल, हापुड़, बदायूं, मेरठ उन्नाव में इंडस्ट्रीज लगाने को आने लगे उद्यमियों के आवेदन

उद्यमियों के आने की जगी उम्मीद

गंगा एक्सप्रेस वे निकलने से जहां वाहन रफ्तार भरेंगें, वहीं उद्योग धंधों की दृष्टि से जलालाबाद औद्योगिक क्षेत्र का हब बनकर उभरेगा। जहां-जहां गंगा एक्सप्रेस वे बन रहा है, वहां औद्योगिक कॉरिडोर भी विकसित हो रहे हैं। संभल, बदायूं, हापुड़, मेरठ, उन्नाव में कॉरिडोर में इंडस्ट्रीज लगाने को बाहर से उद्यमी आकर आवेदन करने लगे हैं। इससे शाहजहांपुर को भी उम्मीद जगी हैं यहां भी जल्द ही उद्योग बगैरह लगाने के लिए आवेदन आने शुरू हो जाएंगे। जिला उद्योग केंद्र की ओर नियुक्त उद्यमी मित्र द्वारा भी इंडस्ट्रीज लगाने वालों से संपर्क साधा जा रहा है।

> औद्योगिक कॉरिडोर का जिले में 80-85 फीसदी कार्य पूर्ण कर लिया गया है। लगातार हम लोग प्रोसेस कर रहे हैं कि जल्द से जल्द कॉरिडोर कार्य पूर्ण हो। इस संबंध में 6 अगस्त को कलेक्ट्रेट में सभी कॉरिडोर से जुड़े अधिकारियों, कार्यदायी संस्था के जिम्मेदारों को बुलाया गया है। जिनके साथ बैठक कर दिशा निर्देश जारी किए जाएंगे। गंगा एक्सप्रेस वे किनारे कॉरिडोर निर्माण होने से जिला को औद्योगिक दृष्टि से एक अच्छा प्लेटफॉर्म मिलेगा। इससे तरक्की के द्वार खुलेगे और रोजगार के अवसर पैदा होगे।
>
> **-रजनीश कुमार मिश्रा,** नोडल अधिकारी एवं एडीएम प्रशासन।

जिले में बनाया जा रहा औद्योगिक कॉरिडोर

जिले की जलालाबाद तहसील के अंतर्गत गुलड़िया गांव से होकर निकलने वाले गंगा एक्सप्रेस-वे के किनारे औद्योगिक कॉरिडोर 102.0199 हेक्टेयर में कार्यदायी संस्था यूपीडा की ओर से बनाया जा रहा है। इसमें निजी क्षेत्रों से किसानों से 99.0239 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया गया है। जिसमें लगभग 95 फीसदी अधिग्रहण पूरा कर लिया गया है, इसमें 830 किसानों से जमीन ली गई है। 292 बैनामा भी कराएं जा चुके हैं और कुल किसानों की संख्या 738 है। अब तक किसानों से भूमि अधिग्रहण 93.5528 हेक्टेयर हो चुका है और शेष कार्यवाही का प्रोसेस तेजी से किया जा रहा है। बता दें कि कराएं गये बैनामों के सापेक्ष किसानों को 79.42 करोड़ रुपए का भुगतान भी हो चुका है।

अब चांदपुर में दो बकरियों को बाघ ने बनाया निवाला

संवाददाता, खुटार

अमृत विचार: क्षेत्र के अलग-अलग गांवों में बाघ लगातार पालतू जानवरों को शिकार बना रहा है। जिससे ग्रामीण डरे हुए हैं। दूसरी ओर वन विभाग बाघ को खदेड़ने के नाम पर खाना पूर्ति करते हुए इति श्री कर लेते है।शनिवार रात गांव चांदपुर निवासी लालता प्रसाद का छप्परदार घर बना हुआ है। रात में वह परिवार के साथ सो रहा था और उसकी बकरियां दरवाजे के सामने पड़े छप्पर में बंधी हुई थी, तभी रात किसी समय बाघ उसकी दो बकरियों को खींचकर बाहर लेकर चला गया और दोनों बकरियों को निवाला बना डाला। सुबह होने पर पता चला लालता की दो बकरिया गायब थी। उसने इधर-उधर बकरियों को तलाश किया तो एक बकरी का अधखाया शव झाड़ियो में पड़ा मिला, जबकि दूसरी बकरी गायब थी। जिस पर ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी सूचना के बावजूद भी कोई वनकर्मी मौके पर नहीं पहुंचा। बताते चलें लगभग एक सप्ताह से दर्जनों बकरियों को अपना निवाला बना चुका है। जिसमें हरिहरपुर, बरगदिया, चतुरपुर, हरिपुर सहित कई गांव के ग्रामीण बाघ की दहशत में है। उधर चांदपुर व चतुरपुर के ग्रामीणों ने बताया कि वह लोग बाघ की दहशत से खेतों में काम करने से भी डर रहे हैं। बाघ लगातार गांव के समीप ही चहलकदमी करता हुआ नजर आ रहा है। जबकि वन विभाग के कर्मचारी दूसरे तीसरे दिन गांव व खेत के चक्कर लगाकर वापस चले जाते हैं और ग्रामीणों को सचेत रहने की सलाह देते है। उधर ग्रामीणों का वन विभाग के प्रति काफी रोष व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग कोई बड़ी अप्रिय घटना का इंतजार कर रहा है।

> बाघ को खदेड़ने और निगरानी के लिए कैमरे लगाए गए हैं और तीन टीमें कांबिग करने के लिए लगाई गई हैं। टीमें लगातार बाघ की लोकेशन ट्रेस कर रही हैं। जल्द ही बाघ को जंगल की तरफ खदेड़ा जाएगा।
>
> **-विनोद कुमार,** डीएफओ शाहजहांपुर

स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में पानी भरने से यात्रियों को परेशानी

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में जगह-जगह गड्ढे है। बारिश का पानी गड्ढों में भरने से यात्रियों को काफी दिक्कत होती है, यात्री ठोकर खाकर गिर जाते है। रेलवे स्टेशन रोड का बारिश का पानी सर्कुलेटिंग एरिया में आकर भर जाता है। स्थानीय रेलवे स्टेशन ए श्रेणी में आता है। सर्कुलेटिंग एरिया में मुख्य गेट प्रथम के सामने साइकिल स्टैंड के निकट जगह-जगह गड्ढे है। इसके अलावा स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वार के पास एक गड्ढा है। स्टेशन रोड ऊंचा होने के कारण बारिश का पानी सर्कुलेटिंग एरिया में आकर भर जाता है। गड्ढों में पानी भर जाने से यात्रियों को पता नहीं चलता है कि यहां पर गड्ढा है। यात्री ठोकर खाकर गिर जाते है। इसी प्रकार स्टेशन के प्लेटफार्म एक के निकास द्वार के पास दो डिवाइडरों के बीच बारिश का पानी भर जाता है। जिस कारण कीचड़ हो जाती है। इसी प्रकार पार्सल घर के सामने एक बहुत बड़ा गड्ढा है। जरा सी बारिश में नाली का पानी प्रथम श्रेणी प्रतीक्षालय के शौचालय और बाथरुम के पास आकर भर जाता है। यात्रियों ने कई बार इस संबंध में शिकायत की है। पूर्व डीआरएम राजकुमार सिंह ने सरकुलेटिंग एरिया में साइकिल स्टैंड के सामने गड्ढों को बंद करने के निर्देश दिए थे और आदेश का कोई पालन नहीं हुआ है।

इसी प्रकार जीआरपी और चाय स्टाल के पड़ोस में बारिश का पानी पाइप टूटा होने पर प्लेटफार्म पर भर जाता है। यात्रियों को बैठना मुश्किल हो जाता है। यात्रियों ने इस संबंध में कई बार शिकायत कर चुके है। अधिकारी शिकायत को नजरदांज कर देते है।

- नाली का पानी शौचालय में भरने से यात्रियों को होती हैं परेशानी
- गड्ढों पानी भरा होने की वजह से राहगीर गिरकर हो रहे घायल

डीआरएम आज स्टेशन का करेंगे निरीक्षण

मुरादाबाद मंडल के डीआरएम संग्रह मौर्य पद भार ग्रहण करने के बाद सोमवार को शाहजहांपुर और रोजा रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करेंगे। डीआरएम मुरादाबाद से सुबह साढ़े सात बजे निरीक्षण यान से चलेंगे, जो यहां दोपहर को पहुंचेंगे। रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करेंगे। यहां पर निरीक्षण करने के बाद रोजा रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करेंगे। रोजा से शाम को निरीक्षण यान से मुरादाबाद वापस चले जाएगे। निरीक्षण को लेकर स्टेशन पर तैयारियां चल रही है।

बाइकों की भिड़ंत में तीन घायल

कलान, अमृत विचार : बाइकों की भिड़ंत में तीन युवक घायल हो गए। घायलों को एंबुलेंस से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कलान लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने तीनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर किया है।

बचऊ बदायूं के थाना कादर चौक अंतर्गत ग्राम बचऊ निवासी पुष्पेंद्र और जसवीर बाइक से बारा कला से रिश्तेदारी कलान क्षेत्र के ग्राम गजन नगला वापस आ रहा था। सामने से विकास निवासी धर्मपुर सथरा थाना कलान से पटना देवकली शिव मंदिर पर जलाभिषेक कर डाक कांवड़ लेकर जा रहा था। जैसे ही स्टेट हाईवे मुरादाबाद फर्रुखाबाद पर स्थित ग्राम जखिया के समीप पहुंचा, दोनों बाइकों की भिड़ंत हो गई। जिससे तीनों घायल हो गये। गंभीर हालत होने पर डॉक्टरों पुष्पेंद्र जसवीर को बदायूं एवं विकास को शाहजहांपुर जिला अस्पताल रेफर किया है।

सड़क दुर्घटनाओं में लोडर चालक समेत दो की मौत, दो लोग घायल

संवाददाता, तिलहर/शाहजहांपुर

अमृत विचार: अलग-अलग स्थानों पर सड़क दुर्घटनाओं में पिकअप चालक समेत दो की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हो गए। तिलहर में पिकअप और बस की टक्कर में चालक की मौत हो हुई है। इसके साथ ही बस सवार दो लोग घायल हो गए। हाईवे पर बंथरा गांव के सामने अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई।

सहारनपुर जिले के मोहल्ला भरता कायस्थ निवासी शोएब (22) पिकअप चालक है। रविवार की सुबह 4बजे आम लेकर रोजा जा रहा था। लखनऊ-राष्ट्रीय राजमार्ग पर सरऊ ओवरब्रिज पर श्रावस्ती से दिल्ली जा रही प्राइवेट बस ने पिकअप को टक्कर मार दी, जिससे चालक शोएब केबिन फंस गया। सूचना पर तिलहर पुलिस मौके पर पहुंची और पिकअप की बाडी तोड़कर चालक को बमुश्किल

शोएब।

सुमित।

से निकाला। घायल को मेडिकल कॉलेज भिजवाया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। दोनों वाहनों का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। इसके अलावा बस में सवार श्रावस्ती के महताब और बहराइच के गांव गौरी निवासी सिराज भी घायल हो गए थे। दोनों को सीएचसी पर भर्ती कराया गया था।

दोनों घायलों को मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। बस में 32 सवारियां थी। प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि पिकअप चालक की मौत हो गई और बस की दो सवारियां घायल हो गई है। बस की सवारियों को दूसरे वाहन से दिल्ली भेजा गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

- सरऊ में बस और पिकअप की हुई टक्कर, बंथरा में अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी टक्कर

इधर तिलहर थाना क्षेत्र के गांव बंथरा निवासी 22 वर्षीय सुमित की ससुराल सुनौरा गांव में है। शनिवार की रात 9 बजे वह ससुराल बाइक से जा रहे थे। राष्ट्रीय राजमार्ग पर बंथरा गांव के सामने अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार सुमित घायल हो गया। घायल को मेडिकल कालेज लाया गया। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर भाग गया। वह खेतीबाड़ी करता था। मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पिटाई से मृत व्यक्ति की नहीं हुई शिनाख्त

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : शहर के मोहल्ला बंगश में अज्ञात व्यक्ति के शव का पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया और उसके शरीर में कई चोटों के निशान पाए गए। उसकी सीने में चोट के कारण मौत हुई है। शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस ने मोहल्ले के एक युवक को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। मृतक की पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया वायरल हुआ था।

चौक कोतवाली के मोहल्ला बंगश में सड़क के किनारे शनिवार सुबह एक व्यक्ति का शव मिला था। मृतक की उम्र 50 साल थी। मृतक की पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। पिटाई का वीडियो शुक्रवार रात का था। वीडियो में दिख रहा एक युवक उसकी बेरहमी से पिटाई कर रहा था। पिटाई के बाद व्यक्ति जमीन पर गिर पड़ा था। वह रात भर सड़क के किनारे पड़ा रहा था। लोगों का आरोप है कि पुलिस मौके पर आई थी और उसे अस्पताल न भिजवाकर मौके पर छोड़कर चली गई थी। वह मानसिक रूप से विक्षिप्त था।

- पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मिले चोट के निशान, मारपीट करने वाला पुलिस हिरासत में

> बंगश मोहल्ले में एक व्यक्ति का शव मिला था, जो मानसिक रूप से विक्षिप्त था और भीख मांगा करता था। जानकारी हुई कि मोहल्ले के नितिन नामक युवक ने शुक्रवार की रात में उसे मारा पीटा था। आरोपी से पूछताछ की जा रही है।
>
> **- वीरेंद्र कुमार** एएसपी सिटी

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आया युवक, झुलसा

तिलहर, अमृत विचार: रविवार सुबह कपड़ा सुखाने के दौरान एक युवक हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। करंट लगने से वह छत पर ही बेहोश हो गया। परिजनों ने तत्काल सीएचसी पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

तिलहर थाना क्षेत्र के गांव जोगीपुर में बरेली के थाना अलीगंज के गांव गौरी खजुरी निवासी अरुण शनिवार को बुआ के घर आया था। रविवार सुबह वह छत पर कपड़ा डालने गया था। छत के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन में कपड़ा छू हो गया करंट लगने से वह बेहोश हो गया। परिजन उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टरों ने गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक इलाज के बाद राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

पानी भरने को लेकर मां बेटे से की मारपीट

पुवायां,अमृत विचार: गांव वीरमपुर निवासी मदनपाल ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया एक सप्ताह पहले दिन में पानी भरने को लेकर कहासुनी में गांव के ही कुछ लोगों ने उसकी पत्नी तारावती से मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। साथ ही बचाने आए उसके दिव्यांग बेटे अमित, शोभित और बच्चूलाल को मारपीट कर घायल कर दिया। जिसमें उसकी पत्नी का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। पीड़ित ने आरोपी ओमप्रकाश, पवन व राजू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

- गंभीर रुप से घायल महिला का जिला अस्पताल में चल रहा इलाज

कांवड़िया की मौत मामले में ट्रैक्टर चालक पर रिपोर्ट

पुवायां,अमृत विचार : तीन दिन पहले दुर्घटना में कांवड़िया की मौत के मामले में पिता ने ट्रैक्टर चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। थाना खुदागंज के गांव खेड़ा माझखेड़ा निवासी यशपाल सिंह बताया 30 जुलाई को उनका बेटा विजयवीर कांवड़ से वापस लौट रहा था रास्ते मे रक्षपाल ने ट्रैक्टर खड़ा कर दिया। उनका बेटा ट्रैक्टर से उतर कर खड़ा हो गया। नाश्ता करने के बाद कांवड़ियों के साथ ट्रैक्टर चालक रक्षपाल ने लापरवाही से ट्रैक्टर चला दिया। जिससे उसका बेटा गिरकर घायल हो गया। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद चालक ट्रैक्टर लेकर वहां से भाग गया। अंतिम संस्कार के बाद पीड़ित ने ट्रैक्टर चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

करंट लगने से युवक की मौत

बंडा, अमृत विचार: करंट लगने से युवक की मौत हो गई। परिवार वालों ने पुलिस को सूचना दिए बगैर अंतिम संस्कार कर दिया। बंडा के गांव रायपुर निवासी रामेश्वर के छोटे बेटे धर्मपाल (27) की करंट लगने से मौत हो गई।

शुक्रवार की रात करीब 12 बजे वह अपने बिस्तर से पेशाब करने के लिए उठा था और जानवरों से सुरक्षा के लिए लगाए गए तार में बरसात के कारण करंट उतर आया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिवार वाले कुछ समझ पाते, तब तक उसकी मौत हो गई। गहरे दुख में डूबे परिजनों ने उसका अंतिम संस्कार कर दिया और पुलिस को सूचना नहीं दी। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार धर्मपाल का माता-पिता से जमीन को लेकर विवाद चलता था। इस संबंध में थाना प्रभारी प्रदीप कुमार राय ने बताया कि इस मामले की जानकारी पुलिस को नहीं दी गई है।

घर में घुसकर किशोरी को उठा ले गए आरोपी

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: एक युवक दो साथियों के साथ मकान में घुस गया और किशोरी का अपहरण करके ले गए। विरोध करने पर किशोरी की मां को जान से मारने की धमकी दी थी। महिला का आरोप है आरोपियों ने उसकी बेटी को मार डाला या कहीं पर बेच दिया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

रोजा थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले की महिला ने बताया 31 जुलाई की रात 11 बजे अतुल दो साथियों के साथ उसके मकान में घुस आया। आरोपियों ने तमंचा दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। आरोप है उसकी 16 वर्षीय बेटी का अपहरण करके ले गए। पीड़िता ने बेटी को तलाश किया, लेकिन पता नहीं चला। उसकी बेटी के मोबाइल पर घंटी बज रही है, लेकिन फोन उठ नहीं रहा है। प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार ने बताया कि अतुल निवासी आईटीआई कालोनी व दो अज्ञात के खिलाफ विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। इधर इसी थाना क्षेत्र के एक गांव के व्यक्ति ने बताया कि उसकी 22 वर्षीय पुत्री को शनिवार को दिन में 11 बजे हरदोई जिले के अवनीश कुमार व सतीश कुगार अगवा करके ले गए है। उसकी बेटी घर से एक लाख 20 हजार रुपये और सोने के जेवर ले गयी है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

- पीड़ित मां ने आरोपियों के खिलाफ दर्ज कराई रिपोर्ट

खेती -किसानी खेती में नए प्रयोग कर बेहतर फसल उत्पादन के लिए जाने जाते हैं कौशल मिश्रा

किसान ने उगाया 14 फीट लंबा गन्ना, सीढ़ी लगाकर बांधा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: प्रगतिशील किसान कौशल मिश्रा खेती में नित नए प्रयोग कर औसत से ज्यादा उत्पादन लेने के लिए जाने जाते हैं। वह किसानों का मार्गदर्शन भी करते रहते हैं। इस बार उन्होंने 14 फीट लंबा गन्ना उगाया है और किसानों को इसकी वैरायटी आदि बताकर ज्यादा उपज लेने का सुझाव दिया है। कौशल ने बताया उन्होंने 23 अगस्त 2024 को रिंग पिट विधि से सीओ 98014 प्रजाति के गन्ने की बुवाई की थी। अब इसमें शानदार वृद्धि देखने को मिली है। एक-एक रिंग पिट में 24 डंडे तक गन्ना तैयार हो चुका है। खेत में 11 डंडों वाली सीढ़ी लगाकर गन्ने की बंधाई की गई। वर्तमान में गन्ने की औसतन लंबाई लगभग 14 फीट के आसपास पहुंच चुकी है। बता दें कि यूपी में सामान्य गन्ने की लंबाई ज्यादा से ज्यादा 10 फीट तक ही होती है।

यह गन्ना 14 फीट लंबा है, जो सामान्य से लगभग चार फीट ज्यादा है। कौशल मिश्रा ने बताया अगर बुवाई के समय से लेकर बंधाई तक सभी कृषि कार्य समय-समय पर पूरी तरह से किए जाएं, तो कम लागत में भी गन्ने की बेहतर पैदावार और अधिक चीनी परता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने सभी किसानों से आग्रह किया है कि यह समय गन्ने की बधाई के लिए उपयुक्त है। अगर फसल तैयार है तो गन्ने की बंधाई अवश्य करें। इससे गन्ना गिरने से बचेगा, पैदावार में वृद्धि होगी और चीनी की मात्रा भी अधिक निकलेगी। साथ ही, बधाई से पेड़ी की फसल को सबसे अधिक लाभ होगा।

- गन्ने की बंधाई से बढ़ेगा उत्पादन और शक्कर प्रतिशत
- समय पर देखभाल से कम लागत में अधिक पैदावार संभव

सीढ़ी लगाकर गन्ने की बंधाई करते किसान। ● अमृत विचार

साहित्यिक पत्रिका काव्यामृत का हुआ विमोचन

शाहजहांपुर, अमृत विचार: सेंट्रल बार एसोसिएशन के सभागार में प्रवाह साहित्यिक संस्थान के तत्वाधान में महाकवि तुलसी दास की जयंती पर संगोष्ठी हुई। जिसका शुभारंभ गीतकार ज्ञानेंद्र मोहन ज्ञान ने मां सरस्वती की वंदना किया। बीसलपुर के कवि डॉ. थम्मन लाल वर्मा की ओर से संपादित साहित्यिक पात्रिका काव्यामृत का कवियों ने विमोचन किया। आक्रोश कवि सुशील विचित्र, कवि ज्ञानेंद्र मोहन, कवि सरोज मिश्र, कवि डा प्रशांत अग्निहोत्री, व्यंगकार उमेश सिंह, कवि कुलदीपक दीपक, कवि चंद्र मोहन पाठक, कवि थम्मन लाल, युवा कवि विवेक व आदर्श कुशवाह ने काव्य पाठ किया। काव्य गोष्ठी की अध्यक्षता कवि चंद्र शेखर दीक्षित व संचालन उमेश चंद्र किया। संस्थान के अध्यक्ष सुशील विचित्र ने सभी का आभार व्यक्त किया।

आदर्श व्यापार मंडल की इकाई का गठन

शाहजहांपुर, अमृत विचार: उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल दिलाजाक इकाई का गठन जिलाध्यक्ष पंकज वर्मा की अध्यक्षता में किया गया। दिलाजाक इकाई के लिए सोनी राठौर-अध्यक्ष, अखिलेश राठौर-महामंत्री, आशीष अग्रवाल संयुक्त मंत्री, मोहम्मद रजी-कोषाध्यक्ष, उस्मान-वरिष्ठ उपाध्यक्ष, दिनेश श्रीवास्तव-उपाध्यक्ष,सौरभ राठौर, कृष्ण कुमार वरिष्ठ मंत्री, मोहम्मद अज्जम अली- संयुक्त मंत्री, धीरज गुप्ता, शिवम-संगठन मंत्री, प्रेम कुमार, मोहित राठौर- मंत्री सर्वसम्मति चुने गए। सभी पदाधिकारियों का माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर अनीस खान, मुदिस्सर शेख, शकील अहमद आदि मौजूद रहे।

शुभम मिश्रा को युवा मोर्चा का जिला उपाध्यक्ष नियुक्त

खुटार, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला बजरिया निवासी संतोष कुमार मिश्रा के पुत्र शुभम कुमार मिश्रा को अटल भाजपा सहयोगी मंच संगठन के बैनर तले युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया। यह मनोनयन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक मिश्रा युवा मोर्चा, राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संस्थापक वेद पांडे व सभी पदाधिकारियों की सर्वसम्मति से किया गया। मिश्रा को संगठन में अहम जिम्मेदारी सौंपे जाने पर सभी संगठन पदाधिकारी एवं शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

चाऊमीन विक्रेता पर हमला करने वाला गिरफ्तार

शाहजहांपुर, अमृत विचार: कटरा पुलिस ने चाऊमीन विक्रेता पर हमला करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

कटरा थाना क्षेत्र के मोहल्ला तहबरगंज निवासी आलोक और विवेक 25 जुलाई की शाम मुख्य बाजार में चाऊमीन की दुकान पर बैठे थे। इसी दौरान कस्बे के एक दर्जन लोग उसकी दुकान पर आए और दोनों भाइयों पर जान से मारने की नीयत से हमला कर दिया। पुलिस ने घायल भाइयों की तहरीर पर आठ नामजद और चार अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली थी। प्रभारी निरीक्षक जुगुल किशोर ने बताया कि एक आरोपी हिमांशु गुप्ता निवासी बाजार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

अमृत विचार

बरेली, सोमवार, 4 अगस्त 2025

शाहजहांपुर

शिक्षक संघ की ब्लॉक इकाइयों के निर्वाचन की तारीखें घोषित

ब्लॉक कमेटियों के चुनाव कराने को बनाई 15 सदस्यीय जिला निर्वाचन समिति

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की रविवार को हुई जिला बैठक में जिलाध्यक्ष ऋषिकान्त पाण्डेय ने कहा कि संघ में समय से खुला निर्वाचन होने से शिक्षकों में जागरूकता बढ़ती है और संगठन मजबूत होता है। इसलिए प्रत्येक ब्लॉक में सदस्यता अभियान लगातार जारी रखते हुए ब्लॉक में अधिक से अधिक शिक्षकों को संगठन से जोड़ा जाए और 17 अगस्त तक सदस्यता अभियान पूर्ण करके अंतिम सदस्य सूची बनाकर जिला निर्वाचन समिति के पास उपलब्ध करा दी जाए।

ब्लॉक कमेटी के चुनाव नियमानुसार कराने 15 सदस्यी जिला निर्वाचन समिति गठित कर दी गई है। जिसमें महेंद्र पाल चौहान, अरविन्द सिंह, रत्नाकर दीक्षित, अरुण सिंह भदौरिया, आदेश सिंह तोमर, भुवनेश गुप्ता, रिपुदमन सिंह यादव, नितिन मिश्रा, सचिन कुमार मिश्रा, कृष्ण कुमार सिंह, कौशलेन्द्र सिंह भदौरिया, विक्रांत मिश्रा, धीरज रस्तोगी, विनोद गुप्ता और दिनेश यादव सम्मिलित केक गए, जबकि ब्लॉक इकाइयों के चुनाव पूर्ण होने तक जिलाध्यक्ष ऋषिकांत पाण्डेय जिला निर्वाचन अधिकारी और राजकुमार सिंह चुनाव प्रभारी रहेंगे।

इसके साथ ही जिला महामंत्री सुनील मौर्या उप निर्वाचन अधिकारी बनाए गए। ब्लॉक इकाई समिति के चुनाव की घोषित तारीख में 20 अगस्त को ब्लॉक बंडा और खुटार, 21 को कटरा खुदागंज और जैतीपुर, 22 को निगोही और तिलहर, 25 को जलालाबाद और मदनापुर, 26 को कांट और ददरौल, 28 को भावलखेड़ा और नगर क्षेत्र, 29 अगस्त कों पुवायां और सिंधौली, 2 सितंबर को कलान और मिर्जापुर ब्लॉक में निर्वाचन कराया जाएगा।

प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक में मौजूद संघ पदाधिकारी। ● अमृत विचार

- 16 ब्लॉकों में आठ दिन में कराए जांएगे चुनाव

बैठक में विजय प्रताप सिंह, गौरव शुक्ला, प्रमोद चौहान, धर्मवीर सिंह, चंद्रभूषण शुक्ला, राजेश पाण्डेय, संजीव दीक्षित, जितेंद्र सिंह, अरविन्द वर्मा, संदीप मलिक, मनोज मलिक, उदय प्रताप सिंह, पल्लवी गुप्ता, सचिन अवस्थी, हरीशकांत भारद्वाज, नवनीत तिवारी, विनायक मिश्रा, लालमणि, हरिकिशोर दीक्षित, अरुण त्रिपाठी, नरेंद्र जायसवाल, देवेंद्र कुमार, वेद वर्मा आदि कई शिक्षक आदि मौजूद रहे।

खेत पर ट्रैक्टर पलटने से युवक की मौत

बीसलपुर, अमृत विचार: कस्बे की एक बंदूक की दुकान पर शस्त्र मरम्मत का काम करने वाले युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह खेत पर ट्रैक्टर लेकर गया था, अचानक ट्रैक्टर पलटने से जान चली गई। हादसे के बाद परिवार में चीख पुकार मच गई ।

तहसील मार्ग पर स्थित एक गन हाउस पर शाहजहांपुर के थाना निगोही क्षेत्र के ग्राम ऊनकलां निवासी जीशान उर्फ भूरा शस्त्रों की मरम्मत करते थे वह रोज की तरह शनिवार सुबह 11 बजे दुकान पर पहुंचे। दिनभर काम निपटाने के बाद शाम 5 बजे दुकान बंद करके गांव चले गए। घर पहुंचने के बाद वह ट्रैक्टर लेकर खेत पर गए। ट्रैक्टर मेढ़ पर चढ़ाते समय पलट गया जिसके नीचे वह दब गया। हादसे की सूचना पर पहुंचे परिजनों ने ग्रामीणों की मदद से उन्हें निकाला, लेकिन तब तक जीशान(27) की मौत हो गई। हादसे की सूचना पाते परिवार के सभी लोग मौके पर पहुंच गया। परिवार में कोहराम गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जानकारी की और शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

वरुण अर्जुन के शिविर में की मरीजों की निःशुल्क जांच

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल बंथरा द्वारा नगर पालिका टाउन हॉल तिलहर में निःशुल्क सामान्य रोग मेडिसिन चिकित्सा शिविर का आयोजन रविवार को किया गया, जिसमें मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

शिविर में मरीजों का निःशुल्क ब्लड प्रेशर, शुगर की जांच की गई। सामान्य दवाइयां भी निःशुल्क दी गई। जांचों ,सीटी स्कैन तथा एमआरआई के डिस्काउंट कूपन भी दिए गए। इसके अलावा शिविर से रोहिलखंड अस्पताल आने पर मरीजों की सीबीसी, केएफटी, एलएफटी एवं ईसीजी की जांचें निशुल्क की जाएंगी। अस्पताल के सामान्य रोग विभाग में टीएमटी, इको, खून की जांचें सस्ते दरों पर उपलब्ध, एमआरआई, सीटी स्कैन और अन्य जांचों पर भारी छूट, सामान्य रोग विभाग के समस्त गम्भीर रोगियों का इलाज व भर्ती की सुविधा विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में आईसीयू की सुविधा 24 घंटे सस्ते दर पर उपलब्ध है। अस्पताल में परिवार स्वास्थ्य कार्ड की सुविधा मात्र 200 में उपलब्ध है जो 1 वर्ष के लिए मान्य है। चिकित्सा शिविर में सामान्य रोग विभाग के विशेषज्ञ डॉ. अविनाश प्रताप सिंह की चिकित्सकीय टीम के साथ पैरामेडिकल स्टाफ और मेडिकल कॉलेज के पीआरओ रईसुद्दीन मौजूद रहे।

शिविर में जांच करते चिकित्सक।

घरों में पानी भरा, बीमारी फैलने की आशंका

मोहल्ला छोटा ककरा में सड़क घरों में भरा पानी । ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- नाली नहीं होने से सड़क पर भरता है पानी

अमृत विचार: शहर के मोहल्ला छोटा ककरा में खेड़ा वाली मस्जिद के निकट बारिश और घरों का गंदा पानी घरों में घुस गया है। यहां पर नालियां बनी है, सफाई नहीं होने से सड़क पर पानी भर गया है। लोग नरक जैसी जिंदगी जी रहे है। पार्षद से शिकायत के बाद भी नालियां बनाई गई है। मोहल्ले में संक्रमण फैलने की आशंका है।

शहर के मोहल्ला वार्ड संख्या 12 में ककरा खुर्द में खेड़ा वाली मस्जिद के पास 1500 घर है। यहां पर घरों के पानी के निकास के लिए नालियां नहीं है। घरों का गंदा पानी सड़क पर आकर बह जाता है। जरा सी बारिश में सड़क पर पानी भर जाता है। बारिश और गंदा पानी घरों में घुस जाता है। घरों में पानी भर जाने से लोगों को काफी दिक्कत होती है। सड़क पर एक-एक फुट पानी भरा हुआ है। यहां के पार्षद सईद खां है। क्षेत्र के बब्बू खां, भूरा कुरैशी आदि ने बताया कि मोहल्ले में नाली बनाने के लिए कई बार नगर निगम में प्रार्थना पत्र दिया। साथ ही वार्ड के पार्षद से भी नाली बनाने के लिए कई बार कहा गया। नगर निगम ओर पार्षद ने नाली बनाने के लिए कोई ध्यान नहीं दिया। क्षेत्र के वाशिंदों ने बताया कि जरा सी बारिश में सड़क पर पानी भर जाता है और बारिश का पानी घरों में घुस जाता है। नाली न बनने से लोगों में रोष व्याप्त है। गंदगी के कारण संक्रमण फैलने की आशंका बनी है। क्षेत्र के बाशिंदों ने नगर निगम से मांग की है कि नाली का निर्माण कराया जाए।

शिविर में 53 मरीजों का किया परीक्षण

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल बंथरा की ओर से संचालित ग्रामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र निकट पुलिस थाना नख़ासे के सामने मीरानपुर कटरा में रविवार को निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। शिविर में 53 मरीजों ने पंजीकरण कराया जिनमें से चार लोगों को मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया, जिनका ऑपरेशन रोहिलखंड अस्पताल में निःशुल्क किया जाएगा। मरीजों को निशुल्क आई ड्रॉप एवं दवाइयां दी गई। इस मौके पर डॉक्टरों ने लोगों को नियमित नेत्र परीक्षण के लिए जागरूक किया गया व अस्पताल के नेत्र रोग विभाग में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में बताया जैसे कि काला मोतियाबिंद की जांच व इलाज, कार्निया की बीमारी का इलाज, आंख के पर्दे की जांच व

शिविर में जांच करते चिकित्सक। ● अमृत विचार

- चार लोगों का मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए हुआ चयन

इलाज, मोतियाबिंद का ऑपरेशन चीरे विधि तथा फेको विधि द्वारा, भेंगापन, नासूर, नाखूना आदि का इलाज एवं ऑपरेशन की सुविधा, कंप्यूटर द्वारा चश्मा के नंबर व प्रमाणीकरण व जांच की सुविधा सस्ते दरो पर उपलब्ध है। वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल में परिवार स्वास्थ्य कार्ड की सुविधा मात्र 200 रुपये में उपलब्ध है जो की 1 वर्ष के लिए मान्य है। कैंप में मेडिकल कॉलेज के नेत्र रोग विभाग के चिकित्सक डॉ. पारुल, सामान्य रोग विभाग के चिकित्सक डॉ. नचिकेत, दंत रोग के चिकित्सक डॉ. पूजा भल्ला, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की चिकित्सक डॉ. नमिता गुप्ता व नेत्र टेक्नीशियन पैरामेडिकल स्टाफ एवं मेडिकल कॉलेज के एम एस डब्ल्यू जितेन्द्र गंगवार मौजूद रहे।

शिव-पार्वती विवाह का सुनाया प्रसंग

शिव-पार्वती विवाह प्रसंग सुन भावविभोर हुए श्रद्धालु

शाहजहांपुर, अमृत विचार : श्री स्कंद शिव महापुराण कथा के आठवें दिन कथा व्यास संत प्रशांत प्रभु महाराज ने शिव विवाह का प्रसंग सुनाया, जिसे सुन श्रोता भावविभोर हो गए । कथा वाचक ने बताया माता पार्वती जो पूर्व जन्म में सती के रूप में शिव की पत्नी थीं, उन्होंने पुनर्जन्म लेकर हिमालयराज की पुत्री बनकर शिव को पुन : पाने का संकल्प लिया। छोटे से आयु में ही उन्होंने योग का मार्ग अपना लिया। वन में कंद-मूल खाकर, कभी निर्जल रहकर, कभी अग्नि के मध्य बैठकर कठोर तपस्या की। शिवजी जो वैराग्य के परम आराध्य हैं, बार-बार पार्वती की परीक्षा लेते रहे। कथा में दीपक शर्मा, वरिष्ठ जेल अधीक्षक मिजाजी लाल, प्रणब वशिष्ठ, हरि शरण बाजपेई, अखिलेश सिंह, गौरव त्रिपाठी, विष्णु मिश्रा, पुरुषोतम गुप्ता, विश्व मोहन बाजपेई, नीरज वाजपेयी ने पहुंचकर शिव विवाह आरती में सहभागिता की और संतों का आशीर्वाद प्राप्त किया।

ओडीएफ प्लस योजना की संरचनाओं में तोड़फोड़

निगोही, अमृत विचार: ब्लॉक निगोही की ग्राम पंचायत कबीरपुर सोतुपुर में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत चयनित ओडीएफ प्लस योजना की संरचनाओं को असामाजिक तत्वों द्वारा बार-बार नुकसान पहुंचाया जा रहा है। पंचायत में योजना के मानकों के अनुसार मुख्य सड़क किनारे आरसीसी केंद्र, वर्मी कम्पोस्ट इकाई और टिन शेड युक्त बड़े गड्ढों का निर्माण कराया गया था, जो पहले से सुचारु रूप से संचालित था। हालांकि, कुछ दिनों से यह संरचनाएं असामाजिक तत्वों की तोड़फोड़ का शिकार हो रही हैं, जिससे सरकारी संपत्ति को निरंतर नुकसान हो रहा है। स्थानीय प्रतिनिधियों द्वारा कई बार मरम्मत कराई जा चुकी है, लेकिन हर बार उसे फिर से क्षतिग्रस्त कर दिया जाता है। इसके अलावा, कुछ ग्रामीण महिलाएं उक्त स्थल पर अपने डपले (उपले) रखकर ग्राम समाज की जमीन पर अतिक्रमण भी कर चुकी हैं, जिससे पंचायत की संपत्ति पर निजी कब्जा बढ़ता जा रहा है। स्थानीय लोगों व पंचायत प्रतिनिधियों ने प्रशासन से मांग की है उक्त स्थान की निगरानी हो तोड़फोड़ और अतिक्रमण पर रोक लगाई जाए, जिससे योजना के उद्देश्य व जनहित में स्थापित संरचनाएं सुरक्षित रह सकें।

- कबीरपुर सोतुपुर पंचायत में आरसीसी केंद्र बार-बार टूट रहे
- महिलाओं ने ग्राम समाज की भूमि पर थापे उपले

पहचान छिपाकर युवती को प्रेमजाल में फंसाया

अमरिया, अमृत विचार: एक शोहदे ने युवती को पहचान छिपाकर प्रेमजाल में फंसा लिया। उसे घुमाने के बहाने टनकपुर ले गया और फिर होटल में दुष्कर्म किया। धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाया। इन्कार करने पर युवती को जान से मारने की धमकी दी।

क्षेत्र की एक महिला ने बताया कि उसकी 21 वर्षीय पुत्री को सदर कोतवाली क्षेत्र के गुफरान ने अपना नाम रवि सिंह बताकर प्रेमजाल में फंसा लिया। इसके बाद टनकपुर उत्तराखंड घुमाने के बहाने ले गया। वहां होटल में शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया। बाद में पुत्री को आरोपी के असली नाम और धर्म के बारे में पता चला। आरोप है कि पुत्री पर धर्म परिवर्तन करने का भी दबाव बनाया गया और मना करने पर जान से मारने की धमकी दी गई। अमरिया पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कलान क्षेत्र पंचायत की टेंडर प्रक्रिया पर उठे सवाल

मिर्जापुर, अमृत विचार: कलान क्षेत्र पंचायत की टेंडर प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं का आरोप सामने आया है। बीडीसी सदस्य जवाहर यादव ने संपूर्ण समाधान दिवस में इसकी शिकायत दर्ज कराई और उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

शिकायत में आरोप है कि विकासखंड स्तर पर निविदाएं जान बूझकर गैर-जनपद के समाचार पत्रों में प्रकाशित की गईं, जिससे स्थानीय लोगों और ठेकेदारों को सूचना नहीं मिल सकी। इसके साथ ही निविदा का प्रकाशन 1 अगस्त को दिखाया गया, जबकि बिक्री 23 जुलाई से ही शुरू हो चुकी थी। इतना ही नहीं, जिन कार्यों को पहले ही पूर्ण किया जा चुका है, उनके लिए दोबारा टेंडर जारी किए गए हैं। इनमें लालपुर में अबरार से इम्तियाज के घर तक और मालव में शिवपाल से प्रकाश सक्सेना के घर तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य शामिल हैं, जिनके लिए क्रमशः 9.96 लाख और 8.89 लाख रुपये की निविदाएं दोबारा निकाली गईं। स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों ने इसे सरकारी धन का दुरुपयोग और पंचायती राज व्यवस्था की पारदर्शिता के सिद्धांतों का उल्लंघन बताया है। मामले पर प्रतिक्रिया के लिए खंड विकास अधिकारी रवि सिंह से कई बार संपर्क किया गया, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया।

- समाधान दिवस में उठा मामला पहले कराए गए कार्यों के लिए फिर से निकाली गई निविदाएं
- बीडीसी ने उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की

स्कूल वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

पूरनपुर, अमृत विचार: बेटे को स्कूल छोड़कर वापस लौट रहे बाइक सवार को स्कूल वाहन ने टक्कर मार दी। उसकी बरेली के एक अस्पताल में मौत हो गई।

कोतवाली क्षेत्र के गांव कढ़ेरचौरा के रहने वाले विवेक कुमार (28) पुत्र धर्मपाल का पुत्र पूरनपुर रोड पर स्थित एक स्कूल में पढ़ता है। बताते हैं कि शुक्रवार सुबह विवेक बेटे को स्कूल छोड़ने के बाद बाइक से लौट रहा था। गांव के पास यात्री शेड के सामने अनियंत्रित गति से आ रही स्कूल की बोलेरो ने विवेक की बाइक में टक्कर मार दी। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए। निजी अस्पताल से विवेक को बरेली रेफर कर दिया गया। बरेली के एक निजी अस्पताल में शनिवार को विवेक की मौत हो गई।

समस्या सड़क पर कीचड़ फैली होने से छात्रों को स्कूल आने- जाने में हो रही परेशानी

इंटरलॉकिंग रोड की मांग, गंदगी से लोग परेशान

कलान, अमृत विचार: ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम धर्मपुर सथरा निवासी जगदीश कश्यप ने शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस में गंदगी और जलभराव की गंभीर समस्या को उठाया है। उन्होंने बताया कि गढ़िया छवि मार्ग पर स्थित प्राथमिक विद्यालय के पास उनके घर से निकलने वाला रास्ता कई वर्षों से अधर में लटका हुआ है, जहां नाली निकासी नहीं होने के कारण जलभराव बना रहता है और भारी गंदगी जमा है।

पीड़ित ने रास्ते पर मिट्टी डालकर इंटरलॉकिंग रोड डलवाए जाने की मांग की है ताकि आवाजाही सुगम हो सके और बीमारियों से बचाव हो। उन्होंने यह भी बताया कि उसी रास्ते से विद्यालय में बच्चे भी प्रतिदिन आते हैं, जिनके स्वास्थ्य पर भी इसका बुरा असर पड़ सकता है।

रास्ते में इस तरह फैली है कीचड़।

मामले में उप जिलाधिकारी कलान अभिषेक प्रताप सिंह ने खंड विकास अधिकारी रवि सिंह राणा को रास्ते पर इंटरलॉकिंग कराए जाने हेतु कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

गनपतपुर में कीचड़ बना छात्रों की राह का रोड़ा

निगोही, अमृत विचार : ग्राम गनपतपुर में स्थित प्राथमिक विद्यालय तक पहुंचने के लिए स्कूली बच्चों को हर दिन कीचड़ और गंदगी से जूझना पड़ रहा है। बारिश के चलते रास्ते कीचड़मय हो गए हैं, जिससे बच्चों के लिए स्कूल पहुंचना किसी संघर्ष से कम नहीं रहा। स्थानीय लोगों के अनुसार, कीचड़ में बच्चे रोज गिरते हैं, जिससे उनके कपड़े और किताबें खराब हो जाती हैं। कई बार गंदगी के कारण उन्हें स्कूल भी छोड़ना पड़ता है। वहीं कीचड़ और जलजमाव से डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा भी मंडरा रहा है। हालात इतने खराब हैं कि गांव के जिम्मेदार लोगों ने अब तक इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस समस्या के स्थायी समाधान की मांग की है, ताकि बच्चों की शिक्षा बाधित न हो और ग्रामीणों को भी राहत मिल सके।

गनपतपुर में कीचड़ से भरे रास्ते से गुजरते स्कूली बच्चे। ● अमृत विचार

ग्लेन कैंसर सेन्टर एण्ड मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल

डा. रितु भुटानी
कैंसर रोग विशेषज्ञ
Ex. TATA MEMORIAL HOSPITAL, MUMBAI
Ex. RAJEEV GANDHI CANCER INSTITUTE, DELHI

कैंसर लाइलाज नहीं है
A PLACE OF HELP, HOPE AND UNDERSTANDING

24 घण्टे आई.सी.यू./ इमरजेंसी सुविधा उपलब्ध
02, शक्ति नगर, निकट रुहेलखण्ड यूनिवर्सिटी पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली
Contact Us:-
9311198889
9045599027
Email: bhutaniritu@gmail.com
Website: www.gleancancercentre.com

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

FOCUS नेत्रालय
RAJENDRA NAGAR, BAREILLY 731-098-7005
"ARTIFICIAL INTELLIGENCE" ASSISTED EYE SURGERIES
DR. KANUPRIYA AGARWAL
Fellow- Shroff Eye Hospital, New Delhi
Ex. Safdarjung Hospital, New Delhi
ALL MAJOR INSURANCE ACCEPTED
AYUSHMAN / ECHS / CGHS / TPA EMPANELLED

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्केन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
8077344353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन - 8979252222, 9457663289

न्यूज ब्रीफ

भगत सिंह चौराहे पर कराया भंडारा

बदायूं, अमृत विचार : भगत सिंह चौराहे पर रेस्टोरेंट की ओर से कांवड़ियों को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कछला से गंगाजल लेकर आ रहे कांवड़ियों को एक रेस्टोरेंट की ओर से भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें हजारों शिव भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। भगत सिंह चौराहे के समीप शिव भक्तों की सेवार्थ आयोजित भंडारे में श्रद्धालुओं ने छोले, आलू, पुलाव. पूड़ी पानी का वितरण कराया। यहां से गुजरने वाले हजारों शिव भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। सुबह से शाम तक चले विशाल भंडारे में शिव भक्त महिला पुरुषों ने प्रसाद ग्रहण किया। धर्मपाल माथुर, वीरू श्रीवास्तव, सौरभ श्रीवास्तव आरजू श्रीवास्तव दौलत कश्यप, भोला, राजा, राहुल, सुधांशु श्रीवास्तव प्रियांशु श्रीवास्तव, विकास, सोनू श्रीवास्तव, राहुल श्रीवास्तव, देव कश्यप, आदि लोग कांवड़ियों की सेवा में लगे रहे। इस मौके पर भाजपा नेता सुधीर श्रीवास्तव, युवा नेता विश्वजीत गुप्ता, अंकित मौर्य, मोनिका गांगवार, आदि भी मौजूद रहे।

महिला अस्पताल की सीएमएस बनीं शोभा

बदायूं, अमृत विचार : जिला महिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. इंदुकांत वर्मा 31 जुलाई को सेवानिवृत्त हो गए। इसके बाद एडी हेल्थ के निर्देश पर डॉ. शोभा को सीएमएस बना गया है। डॉ. शोभा ने शनिवार को अपना कार्यभार भी ग्रहण कर लिया। उनको अभी शासन स्तर से स्वीकृति नहीं मिली है, जबकि एडी हेल्थ ने उन्हें सीएमएस का कार्यभार संभालने के निर्देश दिए हैं।

हर-हर महादेव का जयकारा लगाते शिव धाम की ओर से जाते कांवड़िये। • अमृत विचार

कांवड़ियों के जत्थे में शामिल किशोरियां। • अमृत विचार

बरेली-मथुरा हाईवे पर वाहन से भोजन बांटते सेवार्थी। • अमृत विचार

केसरिया रंग में रंगा बरेली-मथुरा हाईवे, उमड़ा कांवड़ियों का रेला

कछला गंगा घाट पर कांवड़ भरने पहुंचे हजारों श्रद्धालु, शिवालयों में आज महादेव का जलाभिषेक करेंगे कांवड़िये, जगह-जगह पुलिस फोर्स तैनात

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : सावन के आखिरी सोमवार की वजह से कांवड़ियों का रेला हाईवे पर उमड़ पड़ा। बरेली-मथुरा हाईवे केसरिया रंग में रंगा नजर आया। कांवड़ियों की भीड़ को देखते हुए प्रशासन की ओर से हाईवे पर छोटे-बड़े सभी तरह के वाहनों के आने जाने पर रोक लगा दी गई है। ट्रक, डीसीएम, निजी व प्राइवेट बसों की तरह कार समेत अन्य छोटे वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से निकाले जा रहे हैं।

भगवान शिव का सोमवार को जलाभिषेक करने के लिए हजारों की संख्या में कांवड़ियों के जत्थे कछला गंगा घाट से जल लेकर शिवालयों की ओर रवाना हुए। उनके कदम तेजी के साथ शिव धामों की ओर बढ़ रहे हैं। वहीं हजारों की संख्या में कांवड़ियों के आगमन को लेकर मंदिर समिति द्वारा भी इंतजाम किए गए हैं। रविवार की शाम से ही शहर के बिरुआबाड़ी, हर प्रसाद और गौरी शंकर मंदिर में कांवड़ियों ने पहुंचकर डेरा जमा लिया है। वह सोमवार भोर में भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे। सोमवार को लाखों शिवभक्त भगवान भोले शंकर का जलाभिषेक करेंगे। कई जिलों के शिवभक्त गंगाजल लेने कछला घाट पहुंचे थे। वह अब अपने गंतव्य को लौट रहे हैं। चौथे सोमवार को लेकर शुक्रवार से ही बरेली मथुरा हाईवे पर कांवड़ियों की भीड़ जुटने लगी थी। इसके चलते पुलिस ने

कांवड़ यात्रा में शिव-पार्वती के स्वरूप में नृत्य करते कलाकार। • अमृत विचार

सुरक्षा व्यवस्था संभालती लालपुल पर तैनात पुलिस टीम। • अमृत विचार

• हाईवे पर जगह-जगह कांवड़ियों के लिए लगे शिविर

बरेली मथुरा हाईवे को वन-वे कर दिया था। इसके बाद शनिवार की दोपहर से निजी व रोडवेज बस, कंटेनर, ट्रक वह अन्य भारी वाहनों को डायवर्ट कर वैकल्पिक मार्गों से निकला जाने लगा। रविवार को कांवड़ियों की भीड़ में और इजाफा हुआ है। कांवड़ियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए पुलिस की ओर से जीरो ट्रैफिक कर दिया गया। एक के बाद एक कांवड़ियों के जत्थे हाईवे से होकर गुजरते। इसमें भगवान शिव की सुंदर झांकियां भी शामिल रहीं। डीजे पर बज रहे शिव भजनों पर उनके कदम तेजी के साथ शिव धामों की ओर बढ़े। कांवड़िया विभिन्न पोशाकों में कांधे पर कांवड़ रख हर हर महादेव का जयकारा लगाते हुए गुजरे।

हाईवे पर जाम की बनी स्थिति, राहगीर परेशान

कांवड़ियों की संख्या को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने शहर के मंदिरों में अन्य दिनों की अपेक्षा चौथे सोमवार को भारी पुलिस बल तैनात किया है। इसमें महिला पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। बिरुआबाड़ी मंदिर, हर प्रसाद और गौरी शंकर मंदिर पर सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। सावन के आखिरी सोमवार की वजह से हजारों की संख्या में श्रद्धालु कांवड़ लेकर शिव धामों की ओर निकले। कछला गंगा घाट से जल भर लाने वालों की संख्या इतनी अधिक थी कि रविवार को बरेली मथुरा हाईवे पर जाम की स्थिति बनी रही। एक के पीछे एक डीजे और कांवड़ियों के जत्थे निकल रहे थे। उनकी जुबां पर हर हर महादेव और बोल बम का नाम था। वातावरण शिवमय बना हुआ है।

कछला से लेकर शहर तक दर्जनों भंडारे आयोजित

सावन के चौथे सोमवार को हजारों की संख्या में शिवभक्त कांवड़ियों कांवड़ लेकर निकले। उनकी सेवा के लिए समाजसेवियों द्वारा भंडारे के लिए शिविर लगाए गए। कछला से लेकर शहर तक करीब दो सौ से अधिक स्थानों पर भंडारों का आयोजन हुआ। इसमें सेवादारों ने कांवड़ियों को भोजन, फल और पानी का वितरण किया।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने कछला पर कराया भंडारा

प्रसाद वितरित करते केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष वर्षा यादव व अन्य।

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : कछला स्थित अलीपुर मढ़ैया पर जिला पंचायत अध्यक्ष वर्षा यादव व पूर्व एमएलसी जितेंद्र यादव ने कांवड़ियों के लिए 11वें भंडारे का आयोजन किया। इसमें केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा बिल्सी विधायक हरीश शाक्य सहित अनेक दिग्गजों ने अपने हाथों से प्रसाद बांटा। प्रसाद बांटने वालों में पूर्व विधायक धर्मेंद्र शाक्य, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष दीपमाला गोयल, कछला चेयरमेन जगदीश लोनिया, रानी पुंडीर, जिला महामंत्री एमपी सिंह राजपूत, अशीष शाक्य, ब्लॉक प्रमुख विक्रांत यादव सहसवान, ब्लॉक प्रमुख इस्लाम नगर गजेंद्र यादव, ब्लॉक प्रमुख उझानी शीशपाल शाक्य एवं जिला पंचायत सदस्यआदि मौजूद रहे।

समाजसेवियों ने कांवड़ियों को खिलाया भंडारा

कादरचौक, अमृत विचार : गढ़िया सरेली में करणी सेना की ओर से शिवभक्त कांवड़ियों के लिए भंडारे का आयोजन किया। इस मौके पर शिव गुप्ता, दीपक गुप्ता, विपिन गुप्ता, विष्णु गुप्ता आदि लोग मौजूद रहे। वहीं गांव कादरचौक स्थिति समाजसेवियों ने भंडार का आयोजन किया। जिसमें महेश चन्द्र, पंकज मिश्रा, श्याम सुंदर उपाध्याय, ब्लॉक प्रमुख वीरेंद्र राजपूत, मनीष गुप्ता आदि का सहयोग रहा।

बच्चों में प्रसाद बांटते समाजसेवी।

पुलिसकर्मियों ने कांवड़ियों पर बरसाए फूल, कराया जलपान

कांवड़ियों पर फूल बरसाते पुलिसकर्मी। • अमृत विचार

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार : कछला-शाहाबाद हाईवे पर कछला गंगा घाट से जल भरकर लौट रहे कांवड़ियों पर कोतवाल मनोज कुमार सिंह ने पुलिस कर्मियों के साथ पुष्प वर्षा की। साथ ही उन्हें जलपान कराया।

सावन माह के आखिरी सोमवार को लेकर कांवड़ियों की खासी भीड़ उमड़ रही है। विभिन्न जगहों पर कांवड़ियों के लिए भंडारे का आयोजन किया गया। सुरक्षा की दृष्टि से अंबियापुर चौराहा, बदायूं चौराहा, रंजना तिराहा, सिरासोल स्टैंड पर पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है।

डीजे की धुन पर कांवड़िये झूमते हुए नजर आए। कोतवाल मनोज कुमार सिंह ने कहा मानव सेवा हर रूप में की जा सकती है, बस करने के लिए आप तैयार हो। इस मौके पर क्राइम इंस्पेक्टर बीके मौर्या, राममेहर सिंह, रामवीर सिंह, सुंदर आर्य, कुमार, मनोज सेंगर आदि मौजूद रहे।

डिग्री धारकों की दुकानों का होगा सत्यापन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : आयुर्वेद विभाग में शासन स्तर से अब अवैध रूप से प्रैक्टिस करने वालों पर शिकंजा कसा जाएगा। इसके लिए बीएएमएस की डिग्री धारकों की दुकानों का सत्यापन किया जाएगा। बिना डिग्री धारकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

जनपद में 156 बीएएमएस डिग्री धारक हैं जो अपना क्लीनिक चला रहे हैं। बीएएमएस की डिग्री लेने के बाद आयुर्वेदिक दवाओं की दुकान खोली जा सकती है। बीएएमएस डिग्री धारकों को अब शासन स्तर से सत्यापन करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके बाद 8 अगस्त से आयुर्वेद विभाग अभियान चला कर बीएएमएस डिग्री धारकों की दुकानों के कागज चेक करेगा। आयुर्वेदिक दवाओं की दुकानों का भी सत्यापन किया जाएगा। यदि उनके पास आयुर्वेदिक दवाएं बेचने का लाइसेंस है तो ठीक, बरना कार्रवाई की जाएगी। आयुर्वेद विभाग की ओर से बताया गया कि कुछ कस्बों में शिकायतें मिली हैं कि बीएमएस का बोर्ड लगा कर आयुर्वेद की दवाएं बेची जा रही हैं। आयुर्वेद के साथ ही एलोपैथिक की दवाएं भी बेचने की शिकायतें मिली हैं। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. योगेंद्र सिंह ने बताया कि शासन के निर्देश पर अब बीएएमएस डिग्री धारकों का सत्यापन किया जाएगा।

• आयुर्वेद विभाग को शासन से मिले कार्रवाई करने के निर्देश

आयुर्वेद विभाग के पास नहीं है कोई वाहन

राजकीय आयुर्वेदिक विभाग के पास सरकारी वाहन नहीं है। इससे विभाग के डॉक्टरों व अधिकारियों को दिक्कत होती है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि जिला अस्पताल के सीएमएस और जिला महिला अस्पताल के सीएमएस को सरकारी वाहन मिला है, जो अपने वाहनों से सरकारी कार्यों को आते जाते हैं, लेकिन आयुर्वेद विभाग में एक भी सरकारी वाहन नहीं है। ऐसे में बीएएमएस डॉक्टरों के सत्यापन को शुरू होने वाला अभियान कैसे चलाया जाएगा।

समाजसेवियों ने किया भंडारे का आयोजन

उसहैत, अमृत विचार : सावन माह के आखिरी सोमवार को श्रद्धालु शिव मंदिरों में भगवान शिव का जल से अभिषेक करेंगे। गंगा घाटों से जल भर लौट रहे कांवड़ियों के लिए समाजसेवियों ने भंडारे का आयोजन किया। वहीं अटेना, कटरा, भुंडी गंगा घाट से हजारों कांवड़िए स्नान व हवन-पूजन कर पटना दियोकली स्थित मंदिर की ओर लौट रहे हैं। कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए थाना प्रभारी विक्रम सिंह ने मय फोर्स के साथ गंगा घाटों का निरीक्षण किया। इधर चमोली देवी स्कूल संचालक अखिलेश गुप्ता के द्वारा कांवड़ियों के लिए भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमे ध्रुव देव गुप्ता, रामप्रकाश गुप्ता, रमेश गुप्ता आदि का सहयोग रहा।

कलेक्ट्रेट पर सफाईकर्मियों ने किया धरना-प्रदर्शन

• सहसवान, रुदायन और ककराला के सफाईकर्मियों का फूटा गुस्सा

• बर्खास्त कर्मचारी की जांच समेत अन्य मांगों को लेकर की नारेबाजी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी महासंघ ने रविवार को कलेक्ट्रेट पर धरना प्रदर्शन किया। सफाई कर्मचारियों ने रुदायन नगर पंचायत के बर्खास्त सफाई कर्मचारी को बहाल करने और जांच करा कर दोषी के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। इसके अलावा अन्य मांगों को लेकर सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा गया। सिटी मजिस्ट्रेट ने मामले की जांच कराने का आश्वासन दिया है।

रविवार को सहसवान, रुदायन और ककराला के नगर पंचायत सफाई कर्मियों ने कलेक्ट्रेट स्थित मालवीय आवास गृह पर धरना प्रदर्शन किया। सफाई कर्मियों ने कहा कि नगर पंचायत रुदायन में 19 साल पूर्व शासनादेश पर चयनित हुए संविदा सफाई कर्मचारी कालीचरण को जातिगत रंजिशन 2019 में बर्खास्त कर दिया गया था। उन्होंने कर्मचारी को बहाल करने और पूरा मानदेय देने की मांग की। सफाई कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि नगर पंचायत अध्यक्ष ने दो कर्मचारियों की नियुक्ति अवैध रूप से है। इसकी भी जांच होनी चाहिए। अधिशासी अभियंता द्वारा कराए गए कार्यों के घोटाले की जांच कराई जाए। सफाई कर्मियों ने कहा कि इसी तरह की अनेकों समस्याएं ककराला व सहसवान नगर पालिका में हैं। यहां पर सफाई कर्मियों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इस वजह से सफाई कर्मचारी परेशान हैं। सफाई कर्मचारियों ने करीब दो घंटे तक नारेबाजी की। सफाई कर्मचारियों की समस्या जानने को सिटी मजिस्ट्रेट सुरेश पाल मालवीय आवास गृह पर पहुंचे। सिटी मजिस्ट्रेट ने आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं पर ध्यान दिया जाएगा। प्रदर्शन करने वालों में अरुण वाल्मीकि, अमित कुमार वाल्मीकि, आकाश वाल्मीकि, नीरज कुमार, मोहित कुमार, बादाम सिंह सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन करते सफाई कर्मचारी। • अमृत विचार

बदायूं डायरी

प्रसाद देते बीएसए व शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष संजीव शर्मा।

बेसिक शिक्षा विभाग ने कार्यालय के बाहर कराया भंडारे का आयोजन

बदायूं, अमृत विचार : बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से उत्तर प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष व प्रांतीय प्रचार मंत्री संजीव शर्मा के नेतृत्व में कार्यालय के बाहर ओवरब्रिज के पास भंडारे का आयोजन किया। कांवड़ियों और राहगीरों को प्रसाद वितरित किया। बीएसए वीरेंद्र कुमार व जिलाध्यक्ष ने कांवड़ियों को प्रसाद बांटा। सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता, सीडीओ केशव कुमार, सिटी मजिस्ट्रेट सुरेश कुमार पाल, सीओ सिटी रजनीश उपाध्याय ने प्रसाद ग्रहण किया।

कांवड़ियों को प्रसाद देने के दौरान मौजूद भाजपा नेता।

कांवड़ियों के आने पर लगाए हर-हर महादेव के जयकारे

बदायूं, अमृत विचार : नवादा स्थित स्वाद रेस्टोरेंट पर भंडारे कराया गया। कछला से गंगा जल लेकर आए रेस्टोरेंट से गुजरने वाले कांवड़ियों को आलू, छोले, पूड़ी आदि वितरित किया। साथ ही कांवड़ियों के आने पर जय भोले की, हर हर बम बम के नारे लगाए। भाजपा नेता सुधीर श्रीवास्तव, युवा नेता विश्वजीत गुप्ता, अंकित मौर्य, धर्मपाल माथुर, वीरू श्रीवास्तव, गौरव श्रीवास्तव, सौरभ श्रीवास्तव, आरजू श्रीवास्तव, भोला, राजा, राहुल आदि ने कांवड़ियों की सेवा की।

कांवड़ियों की सेवा करते मुस्लिम समाज के लोग व अन्य।

अल्पसंख्यक मोर्चा ने लगाया शिविर, कांवड़ियों को बांटा प्रसाद

बदायूं, अमृत विचार : भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा क्षेत्रीय मंत्री अमन नकवी ने उझानी सब्जी मंडी के पास शिव भक्तों के लिए विशाल भंडारे का आयोजन कराया। मुख्य यजमान प्रदेश मंत्री भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा अरशद अल्वी रहे। उन्होंने कहा कि देश की एकता, अखंडता सांप्रदायिक सद्भाव के लिए सभी जाति समुदाय को एक होना होगा। ऐसे कार्यक्रम के आयोजन से देश में एकता और अखंडता को मजबूती मिलती है। अमन नकवी ने कहा भंडारा साम्प्रदायिक एकता का प्रतीक रहा है। जिला उपाध्यक्ष अधिवक्ता मोहम्मद शीराज आलम, नसीम खान, सौरभ, अजय किशन, धीरज, एजाज खान आदि उपस्थित रहे।

कांवड़िया को प्रसाद देते अली अल्वी।

श्रद्धालुओं के लिए निशुल्क किया वाटर पार्क, खूब की मौज मस्ती

बदायूं, अमृत विचार : बाबा वाटर पार्क पर शिविर लगाकर प्रसाद वितरित किया गया। साथ ही कांवड़ियों के लिए विश्राम गृह की व्यवस्था की गई। इसके अलावा आराम पाने के लिए वाटर पार्क को भी कांवड़ियों के लिए निशुल्क कर दिया गया। श्रद्धालुओं ने वाटर पार्क में खूब मस्ती की। इसके अलावा भोले बाबा का कीर्तन हुआ। इस मौके पर मुख्तार अहमद बाबा, अली अल्वी, मुकेश ठाकुर, अंजर खान, आदिल हुसैन, तेजसिंह सिंह, जीशान फारुकी, छोटे लाल, फिरोज, नरेश कुशवाहा, साधू सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

शिक्षा | परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक 4 अगस्त तक कर सकेंगे आवेदन

स्थानांतरण के लिए शिक्षा विभाग ने मांगे आवेदन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : 50 से कम संख्या वाले प्रदेश भर में हजारों परिषदीय स्कूलों का विलय किया गया है। जिले में 141 स्कूल दूसरे में विलय किए गए हैं। इनमें कार्यरत रहे शिक्षकों को दूसरे स्कूलों में स्थानांतरण किया जाएगा। शिक्षकों से आवेदन मांगे जा रहे हैं। चार अगस्त तक शिक्षक आवेदन कर सकेंगे।

विलय किए गए स्कूलों में पंजीकृत साढ़े पांच हजार से अधिक बच्चे नजदीक दूसरे स्कूल में पंजीकृत कर दिए गए हैं। 400 से अधिक शिक्षक उन्हीं स्कूलों में शिक्षण कार्य करा रहे हैं। इन शिक्षकों को अब दूसरे स्कूलों में भेजा जाएगा। शासन के आदेश पर बंद हुए स्कूलों के शिक्षकों से बेसिक शिक्षा अधिकारी ने आवेदन मांगे हैं। शिक्षक 4 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन करेंगे। इसके बाद शासन स्तर से ही उनका दूसरे स्कूलों में स्थानांतरण किया जाएगा। बता दें कि स्कूलों के मर्च होने पर शिक्षकों ने धरना-प्रदर्शन किया था। जगह-जगह प्रदर्शन के बाद संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन दिए गए थे।

• विलय किए स्कूलों के शिक्षकों का दूसरे सकूल में होगा तबादला

> विलय किए गए स्कूलों के शिक्षकों का समायोजन किया जाना है। आवेदन प्रक्रिया चल रही है। 4 अगस्त तक आवेदन मांगे हैं। बंद हुए स्कूल दोबारा से संचालित होंगे। इसके लिए सर्वे कराया जा रहा है। अगर स्कूल चालू होते हैं ऐसी दशा में शिक्षकों का स्थानांतरण निरस्त होगा या नहीं, इसके बारे में शासन से दिशा निर्देश मिलने के बाद ही कुछ कह पाना संभव होगा।
>
> – वीरेंद्र कुमार सिंह, बीएसए

शिक्षकों के बीच बनी असमंजस की स्थिति

शासन की ओर से एक किलोमीटर से अधिक दूरी और 50 से अधिक संख्या वाले बंद हुए स्कूलों को दोबारा से खोलने के आदेश दिए हैं। इसका असर परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों की चल रही तबादला प्रक्रिया पर पड़ेगा। जो स्कूल बंद हो चुके हैं उन स्कूलों के शिक्षक तबादले के लिए आवेदन कर रहे हैं। स्थानांतरण प्रक्रिया के तहत अगर शिक्षकों की तैनाती दूसरे स्कूलों हो जाए और बाद में उनका स्कूल फिर से संचालित होने लगे तो फिर उनमें कौन पढ़ाएगा। वहीं विलय हुए स्कूलों के साथ शिक्षकों का तबादला भी निरस्त हो पाएगा या नहीं इन सवालों के जवाब शिक्षा अधिकारियों के पास नहीं है। इसी बात को लेकर शिक्षक असमंजस की स्थिति में हैं।

भगवान शिव की पूजा कर कराया भंडारा

बदायूं, अमृत विचार : अंबियापुर ब्लॉक के गांव भरकुइयां स्थित शिव मंदिर में भक्तों ने मंत्रोच्चारण के बीच भगवान शिव की पूजा की। इसके बाद आयोजित भंडारे में प्रसाद का वितरण किया। गांव निवासी पंडित हरिमोहन शर्मा एवं कुणाल मोहन शर्मा दिल्ली में रहकर व्यवसाय करते हैं। उनके द्वारा गांव में शिव मंदिर का निर्माण कराया गया है। पिछले साल भी उनके द्वारा कई मंदिरों का निर्माण कराया गया था। सावन माह में पंडित हरिमोहन शर्मा एवं कुणाल मोहन शर्मा ने अपने पैतृक में आकर भगवान शिव की पूजा की। इसके बाद भंडारे का आयोजन किया। इस मौके पर कुमुद शर्मा, अनिल, महेश शर्मा, गौरव शर्मा, सुरेंद्र, रामबाबू, राकेश आदि उपस्थित रहे।

अमृत विचार

बरेली, सोमवार, 4 अगस्त 2025

न्यूज ब्रीफ

दुष्कर्म के वांछित दो आरोपी गिरफ्तार

बदायूं, अमृत विचार : थाना अलापुर और बिनावर पुलिस ने दुष्कर्म के अलग-अलग दो आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेजा है। अलापुर पुलिस ने दुष्कर्म और पाक्सो एक्ट में वांछित चल रहे ककराला कस्बा के वार्ड नौ निवासी हसनैन पुत्र छोटे और बिनावर पुलिस ने गांव जाटव गौटिया निवासी अनमोल पुत्र सतीश को गिरफ्तार किया।

टंकी पर चढ़कर बनाई रील, दी चेतावनी

बदायूं, अमृत विचार : रील बनाने के शौक में युवा अपनी जान खतरे में डाल रहे हैं। जो किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। दातागंज में एक भी ऐसा ही मामला सामने आया है। एक युवक रील बनाने के चक्कर में पानी की टंकी के ऊपर चढ़ गया। लोगों की सूचना पर पुलिस पहुंची और युवक को पकड़कर चेतावनी दी। कहा कि अगर दोबारा इस तरह की हरकत की तो कार्रवाई की जाएगी। बताया जा रहा है कि दो दिन पहले भी एक युवक पहले भी टंकी पर चढ़कर रील बना चुका है।

क्यूआर कोड लगा हुआ लाइसेंस जारी करेगा खाद्य सुरक्षा विभाग

नहीं हो सकेगा फर्जीवाड़ा, कोड स्कैन करने पर मिलेगी ग्राहक को पूरी जानकारी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- किसी तरह का फर्जीवाड़ा नहीं कर पाएंगे दुकानदार

एफएसएसएआई से जारी निर्देश पर ही खाद्य विक्रेताओं के लाइसेंस व पंजीकरण क्यूआर कोड के साथ जारी हो रहे हैं। इस नई प्रक्रिया से फर्जीवाड़े पर रोक लगा लग जाएगी। दुकान पर चस्पा क्यूआर कोड को स्कैन करने से विक्रेता के बारे में लोगों को आसानी से पूरी जानकारी मिल सकेगी।

- सीएल यादव, सहायक आयुक्त खाद्य

अमृत विचार : खाद्य व्यवसाय के लाइसेंस और पंजीकरण की प्रक्रिया को पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के लिए एफएसएसएआई ने नई व्यवस्था शुरू की है। फर्जी खाद्य विक्रेता लाइसेंस, पंजीकरण के मामलों पर अंकुश लगाने के लिए अब क्यूआर कोड लगे प्रमाणपत्र खाद्य सुरक्षा विभाग जारी कर रहा है। लाइसेंस पर अंकित क्यूआर कोड को स्कैन करने पर खाद्य विक्रेता के बारे में लोगों को पूरी जानकारी मिल जाएगी।

सहायक खाद्य सुरक्षा आयुक्त सीएल यादव ने बताया कि एफएसएसएआई के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा के लिए लाइसेंस और पंजीकरण क्यूआर कोड लगे जारी किए जा रहे हैं। लोग क्यूआर कोड के जरिये डाटा बेस में खाद्य व्यवसाय संचालक के लाइसेंस और पंजीकरण का विवरण स्कैन कर देख सकते हैं। क्यूआर कोड लगे लाइसेंस और पंजीकरण होने पर दुकानदार किसी तरह का फर्जीवाड़े नहीं कर पाएंगे। प्रमाणपत्र पर 14 अंकों का पंजीकरण नंबर के साथ क्यूआर कोड लाइसेंस पर अंकित है। साथ ही उस पर खाद्य विक्रेता की तस्वीर लगी हुई है। सहायक खाद्य आयुक्त ने बताया कि एफएसएसएआई ने फूड सेफ्टी कंप्लायंस सिस्टम पोर्टल भी लांच किया है। खाद्य कारोबारी व्यवसाय के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। पंजीकृत कारोबारी भी अपने खाद्य कारोबार की जानकारी प्राप्त कर पाएंगे।

दुकानों पर लगाए फूड सेफ्टी कनेक्ट एप

सहायक खाद्य आयुक्त ने बताया कि एफएसएसएआई ने फूड सेफ्टी कंप्लायंस सिस्टम पोर्टल भी लांच किया है। दुकानदार फूड सेफ्टी कनेक्ट एप दुकानों पर लगाएंगे। एफएसएसएआई की नई व्यवस्था शुरू होने से किसी प्रकार का फर्जीवाड़ा लोगों के साथ नहीं हो सकेगा। कई दुकानदार मिलावटखोरी करते हैं। उनके पास लाइसेंस तक नहीं होता है। ग्राहकों को जानकारी न होने पर वह मिलावटी सामान खरीद लेते हैं। अब इस प्रक्रिया से ग्राहक जागरूक तो होंगे। साथ ही किसी भी तरह की आशंका होने पर वह क्यूआर कोड स्कैन कर पूरी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। विभाग को शिकायत कर सकेंगे। इसके बाद विभाग तत्काल संबंधित पर कार्रवाई करेगा।

लापता मानसिक मंदित युवक का शव सड़क किनारे मिला

कादरचौक, अमृत विचार : लापता मानसिक मंदित युवक का शव सड़क किनारे मिला। शरीर की चोट के अनुसार सड़क हादसे में मौत की आशंका जताई गई। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। शिनाख्त करके पुलिस ने परिजनों को सूचित किया। परिजन पहुंचे ओर बताया कि युवक मानसिक मंदित था और बताए घर से निकल गया था। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

शनिवार रात सुबह थाना कादरचौक क्षेत्र में ककोड़ा मार्ग किनारे युवक का शव पड़ा था। शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भेजा गया। पुलिस ने मृतक का फोटो सोशल साइट्स पर वायरल किया। तब मृतक की शिनाख्त उझानी कोतवाली क्षेत्र के गांव मिलकपुर निवासी दिनेश (32) पुत्र प्रेमपाल के रूप में हुई। पोस्टमार्टम हाउस पर मृतक के भाई राजेश ने बताया कि दिनेश मानसिक मंदित थे। मौत के बाद परिजनों में कोहराम है।

अश्लीलता करने पर चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- रिपोर्ट दर्ज कराने की चेतावनी दी तो घर में घुस आए आरोपी
- तमंचा तानकर महिला को दी जान से मारने की धमकी

अमृत विचार : बेटियों से अश्लीला करने पर महिला ने आरोपियों को रिपोर्ट दर्ज कराने की चेतावनी दी। आरोपी महिला के घर मे घुस गए और तमंचा दिखाकर धमकाया। पीड़ित महिला की तहरीर पर तीन नामजद समेत चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

सदर कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ला निवासी महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनके तीन बेटे और एक बेटी पढ़ाई कर रही हैं। महिला के घर के पास शाहनबाज की दुकान है। आरोप है कि वहां दबंग बैठते हैं, जो छात्राओं और महिलाओं से अश्लील इशारे और गंदी फब्तियां कसते हैं। 28 जुलाई को शाहनबाज व साथी अमन ने महिला के बच्चों से भी अश्लील बात की। महिला ने नाराजगी व्यक्त की और भविष्य में ऐसी हरकत करने पर रिपोर्ट दर्ज कराने की धमकी दी। महिला ने मामला वहीं खत्म कर दिया था। इसके बाद 30 जुलाई की शाम साढ़े पांच बजे शाहनबाज व उसका भाई शामिन, अमन और एक अन्य लड़का महिला के घर में घुस गए और गाली गलौज करने लगे। महिला का हाथ पकड़ा और तमंचा निकालकर कहा कि उनका गिरोह है जो बहुत बड़ा है। वह चाहे तो जान से मार सकते हैं। महिला के चिल्लाने की आवाज सुनकर पड़ोस में रहने वाली महिला आ गई। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर चले गए। जाते समय कहा कि अगर रिपोर्ट दर्ज कराई तो अच्छा नहीं होगा। महिला की तहरीर पर पुलिस ने शाहनबाज, अमन, शामिन और एक अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली से भिड़ंत, पिकअप चालक की मौत

संवाददाता, सहसवान

- रविवार सुबह 8 बजे सहसवान थाना क्षेत्र में इकबाल लॉन के पास हुआ सड़क हादसा

अमृत विचार : बदायूं-मेरठ राजमार्ग स्थित इकबाल लॉन के पास रविवार सुबह 8 बजे ईंटों से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली और पिकअप की भिड़ंत हो गई। हादसे में पिकअप चालक की मौके पर मौत हो गई। ट्रॉली सड़क पर पलट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ट्रॉली को साइड में खड़ा कराकर वाहनों का आवागमन दुरुस्त कराया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

मृतक देवदीन कुशवाह।

मध्य प्रदेश के जिला छतरपुर के गांव रजौली निवासी देवदीन कुशवाह (25) पुत्र रामस्वरूप कुशवाह पिकअप चालक थे। वह पिकअप में सामान लोड कराकर ग्रेटर नोएडा से बरेली जा रहे थे। रविवार सुबह लगभग 8 बजे वह बदायूं-मेरठ राजमार्ग पर इकबाल लॉन के पास पहुंचे। गुन्नौर की ओर से आ रही ईंट लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली से उनकी पिकअप की भिड़ंत हो गई। हादसे में ट्रॉली राजमार्ग पर पलट गई। वहीं पिकअप का स्टेयरिंग चालक देवदीन कुशवाह के सीने में घुस गया। वह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। चालक को पिकअप से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने चालक को सहसवान के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। यहां चिकित्सक ने घायल को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के परिजन को सूचित करके शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। हादसे के बाद राजमार्ग पर वाहनों का आवागमन प्रभावित रहा। पुलिस ने टॉली राजमार्ग से हटवाकर आवागमन सही कराया। दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को पुलिस ने खड़ा करा लिया है।

हादसे के बाद बदायूं-मेरठ राजमार्ग पर पलटी ईंटों भरी टॉली। ● अमृत विचार

परिवार परामर्श केंद्र में दो परिवारों को टूटने से बचाया

बदायूं, अमृत विचार : रविवार को पुलिस लाइन में आयोजित परिवार परामर्श केंद्र में कुल 18 फाइलों में काउंसलिंग की गई। इनमें से दो मामलों में समझौता कराया गया। पांच फाइलें निरस्त की गई। 11 फाइलों में अग्रिम तिथि दी गई।

जिन दो फाइलों में समझौता कराया गया उसके दोनों पक्षों को काउंसलर्स द्वारा ध्यानपूर्वक सुना गया व उनकी बातों पर विचार किया गया। दोनों की आपसी सहमति से समझौता कराया गया। इनमें एक पक्ष मौजूद रहा उन्हें अग्रिम तिथि दी गई। दूसरे पक्ष को भी अग्रिम तिथि की सूचना दी गई। इस मौके पर काउंसलर प्यारे सिंह यादव, अशोक खुराना, ज्वाला प्रसाद गुप्ता, भीमसेन सागर, गिरधारी सिंह राठौर, एसडी शर्मा व सुषमा कथूरिया उपस्थित रहे।

बिजली कटौती होने से मरीज बेहाल

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

जिला अस्पताल में बिजली नहीं होने से हाथ से पंखा झलती महिला। ● अमृत विचार

- घंटों गुल रही बिजली, गर्मी और उमस से जूझते रहे मरीज

अमृत विचार : बिजली की अघोषित कटौती और ट्रिपिंग के चलते उपभोक्ता परेशान हैं। रविवार को जिला अस्पताल में घंटों बिजली गुल रही। इससे भारी गर्मी में मरीज और तीमारदार परेशान रहे। महिलाएं हाथ का पंखा झलती रहीं। मरीजों ने बताया कि सुबह से दोपहर तक करीब 10 बार ट्रिपिंग हो चुकी है।

रविवार को शहर में सुबह 8 से 9 बजे तक बिजली गुल रही। इससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इसके बाद जब सप्लाई शुरू हुई तो ट्रिपिंग होती रही। करीब 11 बजे से लेकर 1 बजे तक बिजली गुल रही। इससे जिला अस्पताल में मरीज भारी गर्मी में परेशान रहे। पुरानी इमरजेंसी वाले वार्ड में भर्ती मरीजों को गर्मी के कारण अधिक दिक्कत हुई। तीमारदार महिलाएं अपने मरीजों पर हाथ का पंखा झलती रही रहीं। दोपहर में गर्मी और उमस के कारण लोग परेशान रहे। रविवार होने के कारण एक्स रे और सीटी स्कैन, पैथोलॉजी लैब बंद रहे, लेकिन बिजली कटौती के कारण मरीज हलकान रहे। पंखे कूलर बंद रहे। जिससे स्टाफ को भी भारी दिक्कत हुई। उधर, जिला महिला अस्पताल में लो वोल्टेज के चलते पंखे नहीं चले। द्वितीय तल पर ऑपरेशन वार्ड में भर्ती महिला प्रसूताओं ने बताया कि यहां के पंखे तो चलते हैं मगर उनसे हवा नहीं लगती है। कुछ मरीजों ने अपने घर से लाकर फर्राटा लगाया जिससे महिलाओं को कुछ राहत मिली। महिला मरीजों ने बताया कि इस वार्ड में बिजली होना या न होना एक जैसा है। बिजली होने पर भी भारी उमस रहती है जिससे यहां रूक पाना मुश्किल होता है।

SEXOLOGIST

आखिर कब तक शर्माते रहोगे

हर उम्र में जबरदस्त ताकत व रुकावट प्राप्त करें

शीघ्रपतन, शुक्राणुओं की कमी

मैं नीरज कुमार, आंवला निवासी हूं मैनें बचपन में अपने हाथों से अपना जीवन खराब कर लिया था काफी जगह ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ फिर मेरे दोस्त ने डा. शेख के बारे में बताया वहां मैनें 40 दिन ईलाज कराया आज में पूरी तरह अपने वैवाहिक जीवन का आनंद उठा रहा हूं अगर आप भी नामर्दी, घात, स्वप्नदोष, शीघ्रपतन जैसी बिमारियों से परेशान हैं तो डाक्टर शेख से मिलकर बिमारियों से छुटकारा पायें।

मैं अकील खान, शाहजहांपुर निवासी हूं मुझे शीघ्रपतन की बिमारी थी। काफी नीम हकीमों से ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ मैं इस बिमारी के कारण अपनी घरवाली से भी आंख नहीं मिला पाता था। क्योंकि सेक्स के समय मेरा वीर्य एक या दो मिनट में ही निकल जाता था जिस कारण घरवाली संतुष्ट नहीं हो पाती थी। फिर मैंने डा.शेख से सम्पर्क किया आज मैं पूरी तरीके से ठीक हूं मेरा टाईम तकरीबन 15 से 20 मिनट बढ गया है।

मैं सतीस, उम्र 55 साल है मैं पीलीभीत निवासी हूं मुझे डायबिटीज है। डायबिटीज के कारण मेरा सेक्स पूरी तरह से खत्म हो गया था काफी ईलाज कराया कोई फायदा नहीं हुआ फिर मैं डा. शेख से मिला। डा.शेख ने शुगर के साथ मुझे मर्दाना कमजोरी की दवा भी दी। आज मेरी शुगर भी कंट्रोल है और मर्दाना ताकत भी पुनः वापस आ गई है। आज मैं फिर से जवान हो गया हूं।

क्या आप यौन समस्याओं से परेशान हैं और इधर उधर ईलाज कराकर थक चूके हैं और इन बिमारियों को लाईलाज समझ चूके हैं जैसे नामर्दी, धात, शीघ्रपतन, शुक्राणुओं की कमी, माहवारी का कम या ज्यादा आना, स्तनों का बैडोल होना, जोडों का दर्द, शुगर, पेट रोग, किडनी रोग, हृदय रोग, निःसंतान दम्पति डा. शेख से सम्पर्क करें। डा. शेख के नाम से हिन्दुस्तान में 50 दवाखाने चल रहे हैं डा.शेख अपने मरीजों के लिये दवायें खुद तैयार करते हैं दवायें सहार हर्बल फार्मेसी में तैयार की जाती है। दवायें देश विदेश में लाखों मरीजों पर आजमाई हुई हैं। डा.शेख को अच्छे ईलाज के लिए अनेकों अवार्ड मिल चूके है जैसे Gold Medelist, Best Sexologist in India, Pride of Country, Kohinoor A Tibb, Chikitasak Ratan, Asia's Best Sexual Health Clinic

भारत प्रसिद्ध YouTube पर Search करें गोल्ड मेडेलिस्ट

डा.शेख

Best Sexologist in india आयुर्वेदा

मिलें हर मंगलवार

ईसाईयों की पुलिया बरेली

निकट सैटेलाईट बस स्टैण्ड

9837023223

मछलियों की मौत मामले में आज होगी जांच

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

तालाब से निकाल कर बाहर डाली गईं मरी मछलियां। ● अमृत विचार

- मच्छर नाशक दवा के छिड़काव से मछलियों की मौत का मामला
- मलेरिया विभाग की टीम सोमवार को पहुंचेगी कल्लिया काजमपुर

अमृत विचार : कुंवरगांव क्षेत्र के गांव में डेंगू का लार्वा मारने को तालाब में डाली गई दवा से मछलियां मर गई। इससे गांव के लोगों में भारी रोष है। सोमवार को मलेरिया विभाग की टीम गांव पहुंच कर मामले की जांच करेगी।

क्षेत्र के ग्राम कल्लिया काजमपुर में गांव के निकट ही तालाब है। इस तालाब में गांव की नालियों का पानी आता है। इस कारण तालाब में गंदा पानी भरा है। पानी में डेंगू की लार्वा पैदा हो रहा है। गांव में मच्छर भी पनप रहे हैं। इसकी शिकायत मलेरिया विभाग से की गई थी। इसके बाद मलेरिया विभाग की टीम ने बीते शुक्रवार को गांव पहुंच कर नाली नालों में मच्छर नाशक दवा का छिड़काव किया। साथ ही टीम ने ग्राम प्रधान को दवा दी। इससे वह तालाब में दवा का छिड़काव करा सके। शनिवार को तालाब में मछलियां मरी हुई दिखीं। लोगों ने मौके पर पहुंच कर मछलियों को तालाब से निकाल कर एक जगह एकत्रित कर दिया।

शुक्रवार को गांव में की नाली व गलियों में मच्छर नाशक दवा टेमोफास का छिड़काव कराया था। प्रधान को भी कुछ दवा तालाब में डालने को दी गई। तालाब में किसी ने कुछ और जहरीली दवा मिला कर डाली होगी। टेमोफास से मछलियां नहीं मर सकती हैं। इसकी जांच करने को सोमवार को गांव पहुंचेगी।

- डॉ. योगेश कुमार सारस्वत, जिला मलेरिया अधिकारी

इसकी सूचना ब्लॉक के अधिकारियों को दी और ग्राम प्रधान को मौके पर बुला कर मामले की जांच कराने की मांग की गई। ग्रामीणों का आरोप है कि डेंगू का लार्वा नष्ट करने वाली दवा तालाब में डाली गई जिससे मछलियां मर गयीं। इस मामले की जांच की जानी चाहिए। ग्राम प्रधान उदयापल ने बताया कि इस मामले की शिकायत मुख्यमंत्री से की है और दोषी लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। सोमवार को टीम गांव पहुंचकर जांच करेगी। वहीं ग्रामीण तालाब में अपने पशु भी नहीं घुसने दे रहे हैं। इससे कोई गलती से भी तालाब की ओर न पहुंच सके।

बल्देव धाम में हुई बालाजी महाराज की आरती

बिसौली, अमृत विचार : बल्देव धाम गुधनी में संकटमोचन हनुमानजी का दरबार भक्तिभाव के साथ सजाया गया। महंत ललितेश्वर ने बालाजी महाराज की आरती उतारी। पूरा धाम जय श्रीराम और जय बालाजी के जयघोष से गूंज उठा। दूर-दराज से आए श्रद्धालु अपने दुखों और संकटों को लेकर दरबार में शामिल हुए। हजारों श्रद्धालु हर दिन यहां पहुंचकर बाबा के चरणों में शीश नवाते हैं। दरबार में भजन, कीर्तन, हनुमान चालीसा और आरती का ऐसा भक्तिमय माहौल बना कि हर कोई भावविभोर हो गया।

भक्तों से बात करते महंत ललितेश्वर।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को प्रभावी बनाने का प्रशिक्षण

प्रशिक्षण में लोगों को अपशिष्ट संबंधी जानकारी देते मास्टर ट्रेनर। ● अमृत विचार

संवाददाता, सहसवान

- सहसवान में 30 अगस्त तक चलेगा जागरुकता अभियान

अमृत विचार : स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत नगर पालिका परिषद सहसवान ने विकेंद्रीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से एक महीने तक चलने वाला प्रशिक्षण शुरू कर दिया है, जो हर वार्ड में चलेगा।

रविवार को नगर के वार्ड दो में प्रशिक्षण शिविर लगाया। स्थानीय लोगों को उनके घरों से निकलने वाले कूड़े-कचरे को स्रोत पर ही पृथक करने को प्रशिक्षित किया। मास्टर ट्रेनर्स ने बताया कि कूड़े को किस प्रकार तीन वर्गों गीला (हरित डिब्बा), सूखा (नीला डिब्बा) और स्वास्थ्य जोखिमयुक्त कचरा (लाल डिब्बा) में अलग-अलग कर सकते हैं। नगर पालिका अध्यक्ष ने बताया कि इस एक महीने के विशेष अभियान के माध्यम से नगर के हर वार्ड में नागरिकों को न केवल जागरूक कर रहे हैं, बल्कि उन्हें प्रशिक्षित भी कर रहे हैं। नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी और स्वच्छता निरीक्षकों की देखरेख में इस प्रशिक्षण शिविर में मोहल्ला समिति, स्वयंसेवी संस्थाएं और कर्मचारी भी मौजूद रहे।

गैरहाजिर होने पर नहीं कटेगा वेतन, गंवानी पड़ेगी सीएल

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- नए नियम से अवगत कराते हुए महानिदेशक शिक्षा ने बीएसए को दिए निर्देश

अमृत विचार : परिषदीय स्कूलों में कार्यरत शिक्षक अगर स्कूल में अनुपस्थित मिलते हैं तो उनका वेतन नहीं कटेगा। उनकी एक दिन की सीएल काट दी जाएगी। इसके निर्देश महानिदेशक शिक्षा ने बीएसए को दिए हैं। महानिदेशक का आदेश मिलने पर बीएसए ने खंड शिक्षा अधिकारियों को पालन करने के निर्देश दिए हैं।

परिषदीय स्कूलों का निरीक्षण करने के दौरान खंड शिक्षा अधिकारियों और बीएसए को शिक्षक अनुपस्थित मिलते हैं। निरीक्षण के दौरान शिक्षक के अनुपस्थित मिलने पर शिक्षा अधिकारियों के द्वारा अनुपस्थित दिन का वेतन काट लिया जाता है। देरी से स्कूल पहुंचने वाले शिक्षकों को अधिकारी अनुपस्थित दर्शाते हुए वेतन काटने के साथ स्पष्टीकरण मांग लेते हैं। जिसके कारण शिक्षकों को अधिक दिक्कत होती है। साथ ही उनके द्वारा समय समय पर विरोध भी जताया जाता है। शिक्षकों के हितों को ध्यान रखते हुए शासन ने अनुपस्थित दिन का वेतन न काटने का निर्णय लेते हुए बीएसए को निर्देश दिए हैं। महानिदेशक का आदेश आने के बाद बीएसए ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को पत्र जारी कर पालन करने के लिए निर्देशित किया है। बीएसए वीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि महानिदेशक शिक्षा का आदेश मिल गया है। इस आदेश से शिक्षकों को काफी राहत मिलेगी। महानिदेशक शिक्षा के आदेश से सभी बीईओ को अवगत करा दिया है। अनुपस्थित मिलने पर शिक्षकों का वेतन नहीं काटा जाएगा बल्कि सीएल काट दी जाएगी। शिक्षकों को अब आकस्मिक अवकाश लेने से बचना होगा।

मौसम

अधिकतम 33, न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया

आसमान में छाईं काली घटाएं, हुई रिमझिम बारिश

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

बारिश से बचने के लिए छाता लगाकर जाते लोग। ● अमृत विचार

- बारिश होने से मौसम बना सुहाना, सड़कों पर फैली कीचड़

अमृत विचार : पिछले कई दिनों से मानसून सक्रिय है। आसमान में काली घटाएं घिरी हुई है। रुक रुक कर बारिश हो रही है। रविवार को सुबह से ही रिमझिम फुहारें पड़ती रही। कभी हल्की तो कभी तेज बारिश का सिलसिला लगातार जारी है। बरस रही सावन की रिमझिम फुहारों से मौसम सुहाना बना हुआ है। तापमान में भी कमी दर्ज हुई है। अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस बना हुआ है। वहीं हल्की बारिश की वजह से शहर की सड़कें कीचड़ से भर गई हैं। उन पर लोगों के लिए चलना मुश्किल हो रहा है। मध्यम गति से हो रही बारिश से धान की फसल को फायदा हुआ है। उड़द की फसल को नुकसान होने की भी आशंका है।

रविवार सुबह से ही रिमझिम बारिश शुरू हो गई। यह सिलसिला शनिवार की रात से बना हुआ है। रात भर रुक-रुक कर बारिश हुई और मौसम ठंडा हो गया। रविवार की सुबह से ही आसमान में काली घटा छा जाने रिमझिम बारिश से मौसम सुहाना हो गया। कृषि विभाग के बारिश होने के बाद मौसम में गिरावट देखने को मिली है। तापमान 33 डिग्री सेल्सियस तक आ गया है।

कृषि विभाग की माने तो अगले दो से तीन दिनों तक ऐसे ही बारिश होने की संभावना है। वहीं रोडवेज बस स्टैंड परिसर में पानी भर गया है। पानी भर जाने से यात्रियों का असुविधा हो रही है। उन्हें बस में चढ़ने उतरने के लिए गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है। जिस कारण यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं बारिश होने से कई क्षेत्रों में जल भराव भी हो गया है। जिस कारण ग्रामीण भी परेशान है।

उड़द की फसल को हो सकता है नुकसान

बारिश होने से सड़कें गीली हो गई, रुक-रुक कर बारिश हो रही है। रुक-रुक कर हो रही बारिश से धान की फसल को काफी लाभ पहुंचा है। लेकिन उड़द की फसल को नुकसान हो सकता है। कृषि अधिकारियों के मुताबिक खेत में पानी भर जाने से नमी अधिक हो गई है। जिसकी वजह से उड़द का पौधा खराब हो सकता है। अगर बारिश नहीं रुकी तो उड़द की फसल नष्ट हो सकती है।

न्यूज ब्रीफ

चौकी इंचार्ज को किया लाइन हाजिर

बदायूं, अमृत विचार : एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह ने रविवार को वजीरगंज थाने की पुलिस चौकी बगरैन क इंचार्ज उपनिरीक्षक सुजीत कुमार सिंह को लाइनहाजिर कर दिया है।

बीमारी से पुलिसकर्मी की जान गई

उसहैत, अमृत विचार : उसहैत कस्बा के वार्ड एक निवासी नरेंद्र कुमार उर्फ बबलू पुत्र रामप्रकाश पुलिस विभाग में और बीसलपुर कोतवाली में तैनात थे। वह कुछ समय से बीमार चल रहे थे। उनका इलाज चल रहा था। रविवार को निजी अस्पताल में उनकी मौत हो गई। बीसलपुर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। परिजन शव कस्बा ले आए। सोमवार को अटेना गंगा घाट पर अंतिम संस्कार किया जाएगा।

पर्स चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार

बदायूं, अमृत विचार : वजीरगंज पुलिस ने पर्स चोरी करने के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी कस्बा सैदपुर के मोहल्ला नई बस्ती निवासी नासिर ने कस्बा में पर्स चोरी किया था। उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी। रविवार को आरोपी को जेल भेज दिया।

जलस्तर बढ़ने से नदियां उफान पर

नरौरा बैराज से 77 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा, उसहैत के कई गांवों तक पहुंचा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : हर दिन हो रही बारिश का असर अब गंगा में देखने को मिल रहा है। गंगा में अब ऊपर से बढ़ा हुआ पानी डिस्चार्ज किया जा रहा है। तटवर्ती गांवों में बाढ़ की आशंका के चलते ग्रामीणों ने सामान समेटना शुरू कर दिया है। गंगा का पानी आसपास के खेतों में भर गया है। जिससे फसलों को भारी नुकसान हो रहा है।

रविवार को नरौरा बैराज से गंगा में 77 हजार क्यूसेक से अधिक पानी छोड़ा गया। पिछले कई दिनों से गंगा में पानी अधिक छोड़ा जा रहा है। पहाड़ों पर झमाझम बारिश हो रही है जिसका पानी हरिद्वार और बिजनौर बैराज में आ रहा है। इधर मैदानी इलाकों में भी बारिश ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। हर दिन बारिश हो रही है। जिससे खेत खलिहान पानी से भर गए हैं। साथ ही बारिश का पानी गंगा नदी की ओर पहुंच रहा है जिससे गंगा में उफान आने से लोगों में भय व्याप्त हो गया है। पिछले दिनों से छोड़ा जा रहा पानी उसहैत के तटबंधों से टकरा रहा है। तटबंधों के बराबर तक पानी पहुंच चुका है। कुछ स्थानों पर पानी गंगा से निकल कर खेतों तक में पहुंच गया है। जटा गांव के खेतों में पानी भर गया है। असमिया रफतपुर में भी गंगा का बढ़ा हुआ पानी किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा रहा है। धान की फसल पानी में डूब रही है। यदि धान की फसल पूरी डूब गयी तो फसल नष्ट हो जाएगी। कमलू नगला और कटरा सआदतगंज में गंगा का पानी कई दिनो से कटान कर रहा है। जिससे किसान पहले से परेशान हैं। अब गंगा में फिर से उफान आ रहा है जो किसानों की धड़कने बढ़ रहा है।

सहसवान क्षेत्र के महावा नदी में भी उफान आने से स्थानीय किसानों में बाढ़ का खतरा बना हुआ है। किसानों का कहना है कि बांध के अंदर छह गांव हैं जिनमें खाकी नगला के पास पानी पहुंच चुका है। यदि पानी 24 घंटे तक बढ़ता रहा तो बाढ़ आ सकती है। कछला गंगा में पानी लगातार बढ़ रहा है जिससे आज गंगा का जलस्तर 161 मीटर गेज तक पहुंच चुका है। 162 मीटर पर गेज खतरे का निशान है। गंगा के दोनो ओर को पानी फैल रहा है जिससे गंगा किनारे के दुकानदारों की मुश्किलें बढ़ रही हैं।

उसहैत के जटा गांव की उफान पर गंगा। ● अमृत विचार

गंगा में रविवार को 77 हजार से अधिक पानी छोड़ा गया है। इससे उसहैत और हुसैनपुर इलाके में गंगा में उफान आ रहा है। गंगा में बढ़ा हुआ पानी पहुंचते ही आसपास के क्षेत्र में पानी परेशानी पैदा कर देगा। हालांकि बढ़ा हुआ पानी तेजी से कम भी होता है। यदि नरौरा से पानी इसी तरह छोड़ा गया तो स्थिति और बिगड़ सकती है। फिर भी अभी बाढ़ की आशंका नहीं है। बांधों की निगरानी बढ़ा दी गयी है।

– नेशपाल, सहायक अभियंता, बाढ़ खंड

खतरा : रामगंगा में भी बढ़ रहा जलस्तर

रामगंगा में तीन दिन से लगातार पानी बढ़ रहा है। इससे अब रामगंगा किनारे के गांवों में बाढ़ की संभावना जताई जा रही है। रसूलपुर गांव के खेतों में गंगा का पानी पहुंच चुका है। निचले इलाके में गंगा का पानी तीन दिन पहले से भरा हुआ है। इससे धान की फसल का नुकसान हो रहा है। हजरतपुर के आगे पुल के उस पार रामगंगा ने लगभग एक किमी तक फसलें जलमग्न कर दी हैं। कमले नगला गांव की ओर पानी बढ़ रहा है। ग्रामीणों ने अपने सामान को समेटने की तैयारी शुरू कर दी है।

प्राण प्रतिष्ठा के पहले किया जलाधिवास

बिल्सी, अमृत विचार: तहसील क्षेत्र के गांव बांस बरोलिया में रविवार को ऋषि आश्रम के ब्रह्मलीन महंत उमाशंकर शास्त्री की प्राण प्रतिष्ठा का अनावरण किया गया।

मध्य प्रदेश के शिवपुरी आए पंडित दीपक आनंद ने विधि विधान से गुरु माता एवं आश्रम के अध्यक्ष वेदव्यास शर्मा के सानिध्य में कार्यक्रम का आरंभ किया। पहले दिन जलाधिवास किया गया। कार्यक्रम के अंतिम दिन 7 जुलाई को यहां उनकी प्राण प्रतिष्ठा धूमधाम से की जाएगी। इसको लेकर यहां व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही है। इस मौके पर संतोष सक्सेना, जवाहर सिंह यादव, रजनी मिश्रा, जगदीश चंद्र तिवारी, मनोज शर्मा, प्रमोद सक्सेना, गोविंद शर्मा आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम संपन्न कराते पुरोहित।

वन विभाग के कर्मियों पर पेड़ कटवाने का आरोप

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : डीसीबी चेयरमैन जेके सक्सेना को वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा सागौन और आम के हरे पेड़ कटवाए जाने की सूचना मिली। चेयरमैन ने डीएफओ से बात करके नाराजगीय जाहिर करते हुए कार्रवाई करने को कहा। डीएफओ ने जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। जिसके रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वजीरगंज थाना क्षेत्र के गांव दूंगे में वन विभाग की जमीन पर शीशम, आम और सागौन के पेड़ लगे थे। आरोप है कि वन विभाग के कर्मचारी धीरे धीरे इन पेड़ों का कटान करा रहे थे। रविवार को भाजपा कार्यकर्ता ने डीसीबी चेयरमैन को फोन करके सूचना दी। चेयरमैन ने डीएफओ को फोन करके मामले से अवगत कराया। कहा क भाजपा के लोग पौधे लगाकर हरियाली लाने का काम कर रहे हैं और विभागीय कर्मचारी पेड़ों का कटान करा रहे हैं। उन्होंने वन मंत्री को भी फोन करके अवगत कराया। मंत्री ने संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की बात कही है। वहीं डीएफओ ने वनविद पुष्पेंद्र की अध्यक्षता में वन रक्षक कृष्ण कुमार यादव व शगुन पाराशर को एक सप्ताह में जांच करके आख्या सौंपने को निर्देशित किया है।

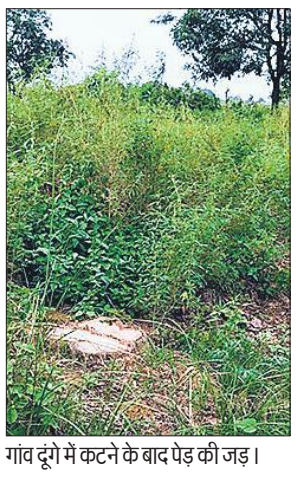

गांव दूंगे में कटने के बाद पेड़ की जड़।

● डीसीबी चेयरमैन की शिकायत पर डीएफओ ने जांच के लिए गठित की तीन सदस्यीय कमेटी

जेल में राखी बांधकर बंदियों को दिलाई एक बुराई छोड़ने की प्रतिज्ञा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सेवा केंद्र की प्रभारी ब्रह्माकुमारी अरुणा और किरन ने जिला कारागार बदायूं में बंदीजनों को रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में राखी बांधी। ब्रह्माकुमारी अरुणा ने रक्षाबंधन का आध्यात्मिक रहस्य बताया। बंदीजनों से अपनी एक-एक बुराई राखी के खर्च के रूप में देने की प्रतिज्ञा कराई।

ब्रह्मकुमारी अरुणा ने कहा कि रक्षाबंधन बहन और भाई के पवित्र प्रेम का प्रतीक है। संसार में प्राणी मात्र को प्रेम चाहिए लेकिन परमात्मा का सत्य परिचय न होने के कारण वह सांसारिक वस्तुओं और व्यक्तियों में सुख, शांति और प्रेम खोजता रहता है। इसलिए वह दुख और अशांति से भर जाता है। आज बहनें अपने आपको को असुरक्षित महसूस करती हैं, लेकिन व्यक्ति की सोच बहुत ही दूषित हो चुकी है। अगर सभी भाई अपनी बहन के प्रति जैसी पवित्र सोच रखते हैं वैसे सभी बहनों के प्रति पवित्र सोच रखें तो निश्चित रूप से रक्षाबंधन का पर्व सार्थक सिद्ध होगा।

हर भाई अपनी बहन की रक्षा करने में समर्थ होगा। जेल अधीक्षक राजेंद्र कुमार, जेलर रणंजय सिंह और स्टाफ को भी राखी बांधी। कार्यक्रम में सुरभि, कृष्णा, चारू, धर्मवीर, नंदराम, पंकज, मुन्नालाल शाक्य उपस्थित रहे।

बंदियों को राखी बांधतीं प्रजापति ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विवि की अरुणा व किरन।

● ब्रह्मकुमारी विश्वविद्यालय की ओर से जेल में मनाया रक्षाबंधन

दातागंज विधायक ने कांवड़ियों को बांटा प्रसाद

संवाददाता, म्याऊं

अमृत विचार : दातागंज विधानसभा से विधायक राजीव कुमार सिंह, दातागंज ब्लॉक प्रमुख अतेंद्र विक्रम सिंह और अंकित ने सावन के रविवार को क्षेत्र में अलग-अलग जगह पर दर्जनभर से अधिक कांवड़ शिविरों का उद्घाटन कर कांवड़ियों को प्रसाद बांटा।

म्याऊं स्थित टीएचआर फैक्टी पर शिवकुमार वर्मा के यहां पर कार्यक्रम आयोजित किया। दातागंज विधायक ने भंडारे में शिवभक्तों को प्रसाद खिलाया। विधायक के साथ डीसीबी चैयरमैन जितेंद्र सक्सेना, डीसीडीएफ चेयरमैन रविन्द्र पाल सिंह, ब्लॉक प्रमुख उसावां दिनेश कुमार सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष भावेश प्रताप सिंह, मंडल अध्यक्ष राहुल लोधी, जधुनाथ सिंह कमलेश मिश्रा, शारदाकांत, दातागंज उपजिलाधिकारी धर्मेंद्र कुमार सिंह, केके तिवारी, अलापुर थाना अध्यक्ष उदयवीर सिंह, उसावां थाना अध्यक्ष वीरपाल सिंह तोमर ने भंडारे में कावड़ियों को प्रसाद बांटा।

शिविर में कांवड़ियों को प्रसाद देते विधायक राजीव कुमार सिंह व अन्य।

गीतकार शकील बदायूंनी की मनाई जयंती

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : शकील बदायूंनी स्मृति क्लब और बदायूं गौरव क्लब संगठनों की ओर से देश के प्रख्यात गीतकार शकील बदायूंनी की जयंती मनाई। घंटाघर स्थित शकील बदायूंनी पार्क में सफाई अभियान चलाया। गीतकार की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया।

दोनों क्लब के सचिव अमन मयंक शर्मा के नेतृत्व में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने शकील बदायूंनी की प्रतिमा की धुलाई की। माल्यार्पण किया और पुष्प् अर्पित करके याद किया। सचिव ने कहा कि गीतकार शकील बदायूंनी ने पूरी दुनिया में बदायूं का नाम रोशन किया है। उनके गीत फिल्मी दुनिया में अलग ही पहचान बनाए हुए हैं। विश्व भर में संगीत प्रेमियों के दिलों पर राज किया। आज भी लोगों की जुबान पर वह गाने रहते हैं।

बदायूं गौरव क्लब के संरक्षक अहमद अमजदी ने कहा कि गीताकार के गीत हमेशा अगर रहेंगे। जब तक दुनिया है तब तक शकील बदायूंनी के गीत गाए जाएंगे।आर्टिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन के संस्थापक हिलाल बदायूंनी ने कहा कि शकील बदायूंनी जैसी शख्सियत सदियों में एक बार ही जन्म लेती हैं। उन्होंने लगातार तीन साल तक बॉलीबुड का सबसे बड़ा फिल्मफेयर अवार्ड जीता था। बदायूं गौरव क्लब के सहसचिव गौरव पाठक ने कहा कि शकील बदायूंनी की स्मृति में कार्यक्रम किया गया है। उनकी याद में नवंबर महीने में शकील कवि सम्मेलन व मुशायरा प्रस्तावित है। कुनाल सक्सेना, अच्छन खां, गौरव पाठक, रितेश उपाध्याय, विभांशु दत्त, नीरज शर्मा, शारिक, फैज आदि मौजूद रहे।

शकील बदायूंनी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते संगठनों के पदाधिकारी व अन्य।

● संगठनों के पदाधिकारियों ने घंटाघर स्थित पार्क में की सफाई प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

बारिश के बीच नरुऊ वासियों का धरना जारी

ग्रामीणों के साथ विरोध प्रदर्शन करते कांग्रेस के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : गांव नरुऊ में नगर पालिका उझानी के दूषित पानी को रोकने लिए ग्रामीणों के साथ कांग्रेस पदाधिकारी धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। धरने को 43 दिन हो चुके हैं, लेकिन जिम्मेदार उनकी समस्याओं की ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। बरसात के बीच रविवार को ग्रामीण धरना प्रदर्शन करते रहे।

रविवार को क्रमिक अनशन पर गांव निवासी मुन्ना लाल जाटव ,गुड्डू जाटव, सुरेश पाल जाटव, पूरन सिंह कश्यप आदि बैठे। शाम को कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष ओमकार सिंह ने अनशनकारियों को जूस पिलाकर अनशन तुड़वाया।

चेन स्नेचिंग के शक में कांवड़ियों ने युवक को पीटा

बदायूं, अमृत विचार : आखिरी सोमवार के चलते रविवार को बरेली-मथुरा राजमार्ग पर कांवड़ियों का रेला था। हजारों लोगों ने कछला स्थित भागीरथी घाट पहुंचकर स्नान किया और गंगा जल लेकर रवाना हो गए। दोपहर में लगभग तीन बजे कांवड़ियों ने कछला में एक युवक को पकड़ा और पीटने लगे। आरोप लगाया कि युवक मेडिकल स्टोर पर काम करता है उसने चेन स्नेचिंग की है। पीटने के दौरान युवक भीड़ का फायदा उठाकर भाग गया। सूचना पर पुलिस पहुंची। पुलिस ने कावड़ियों को समझाकर शांत कराया। पुलिस युवक की तलाश कर रही है।

आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनेगा एससी वर्ग

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

● बकरी पालन पर एससी वर्ग के लोगों को मिलेगा 54 हजार रुपये का अनुदान

● योजना के तहत निराश्रित महिलाओं को दी जाएगी विशेष वरियता

अमृत विचार : एससी वर्ग के लोगों को शासन स्तर से स्वावलंबी बनाने के लिए नई पहल शुरू की गई है। बकरी पालन योजना के तहत लाभार्थियों को 54 हजार रुपये का अनुदान दिया जाएगा। विशेष रूप से एससी वर्ग की निराश्रित व विधवा महिलाओं को वरीयता दिए जाने का प्रावधान है।

अनुसूचित जाति के लोग विकास में काफी पिछड़े हुए हैं। इनका विकास करने और आय में वृद्धि करने के लिए प्रदेश सरकार अनेक योजनाएं चला रही है। इसी दशा में पहल करते हुए अनुसूचित जाति के लोगों को मुख्यधारा में जोड़ने के लिए प्रदेश सरकार की ओर से बकरी पालन योजना शुरू की है। जो कि सिर्फ अनुसूचित जाति के लिए है। योजना का उद्देश्य पशुपालन के क्षेत्र में अनुसूचित जाति की भागीदारी को बढ़ावा देना है। सफल पशुपालक के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले लोगों को देखकर इस वर्ग के अन्य लोगों का रुझान भी इस ओर बढ़ेगा। योजना के तहत जनपद में 5 इकाइयों की स्थापना की जाएगी। प्रत्येक इकाई में एक बकरा व पांच बकरियां होंगी। योजना की कुल लागत 60 हजार रुपये हैं। लाभार्थी को 54 हजार रुपये अनुदान दिया जाएगा, जबकि लागत धनराशि का 10 प्रतिशत यानि 6 हजार रुपये लाभार्थी को स्वयं वहन करना होगा। आवेदक 10 अगस्त तक अपने नजदीकी राजकीय पशु चिकित्सालय अथवा विकास भवन स्थित पशु पालन विभाग में आवेदन कर सकते हैं। चयन प्रक्रिया में उपलब्धता के आधार पर 3 प्रतिशत दिव्यांगों को शामिल किया जाएगा। लाभार्थियों का चयन जिला स्तरीय कमेटी के माध्यम से किया जाएगा।

शासन ने बकरी पालन योजना शुरू की है। योजना का लाभ केवल एससी वर्ग के लोगों को दिया जाएगा। इसके तहत बकरी पालन करने वाले लोगों को 54 हजार रुपये का अनुदान मिलेगा। योजना के तहत आवेदन मांगे जाने लगे हैं।

– समदर्शी सरोज, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी

बीसलपुर में ट्रैक्टर पलटने से शस्त्र मैकेनिक की मौत

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार: कस्बे की एक बंदूक की दुकान पर शस्त्र मरम्मत का काम करने वाले युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह खेत पर ट्रैक्टर लेकर गया था, अचानक ट्रैक्टर पलटने से जान चली गई। हादसे के बाद परिवार में चीख पुकार मच गई ।

तहसील मार्ग पर स्थित एक गन हाउस पर शाहजहांपुर के थाना निगोही क्षेत्र के ग्राम ऊनकलां निवासी जीशान उर्फ भूरा शस्त्रों की मरम्मत करते थे वह रोज की तरह शनिवार सुबह 11 बजे दुकान पर पहुंचे। दिनभर काम निपटाने के बाद शाम 5 बजे दुकान बंद करके गांव चले गए। घर पहुंचने के बाद वह ट्रैक्टर लेकर खेत पर गए। ट्रैक्टर मेढ़ पर चढ़ाते समय पलट गया और ट्रैक्टर पलटने से वह दब गया। जिससे जीशान(27) की मौत हो गई। हादसे की सूचना पाते परिवार के सभी लोग मौके पर पहुंच गया। परिवार में कोहराम गया।

छात्रों के दो गुटों में जमकर मारपीट एक गंभीर घायल

पीलीभीत, अमृत विचार : कॉलेज में हुई कहासुनी का मामला इतना बढ़ गया कि छात्रों के दो गुट सड़क पर भिड़ गए। उनके बीच जमकर मारपीट हुई। मारपीट में एक छात्र गंभीर रुप से घायल हो गया।

घायल छात्र के पिता ने मामले की शिकायत पुलिस से की है। उन्होंने मारपीट के अलावा छात्रों पर जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने का भी आरोप लगाया है। पुलिस ने इस मामले में छह नामजद समेत 10 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के मोहल्ला नखासा निवासी धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि उसका पुत्र अंशराज शहर के एक निजी कॉलेज में कक्षा 11 का छात्र है। छुट्टी के बाद जब वह घर आ रहा था तो स्कूल से निकलते ही स्कूल के ही कक्षा 12 के छात्र कुछ छात्रों ने अपने चार- पांच अन्य साथियों के साथ उसे रोककर मारपीट की, जिससे वह घायल हो गया। आरोपी आए दिन उसके साथ मारपीट करते हुए जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हैं।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

7906732664, 8445507002

सूचना

मैंने अपने पुत्र चन्द्रेश शर्मा को 18 जून 2025 से उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उसे अपनी चल, अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार व वास्ता नहीं होगा। **कान्ती देवी पत्नी स्व. सुखदेव शर्मा निवासी ग्राम बसई परगना व तहसील बिसौली, जिला बदायूं।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी हाई स्कूल की सनद अनुक्रमांक 336821 वर्ष 1986 जोकि मुन्नालाल इंटर कॉलेज वजीरगंज जिला बदायूं से जारी की गई थी वास्तव में कहीं खो गई है जो तलाश करने के बाद भी नहीं मिली है। **श्रीकृष्णा शर्मा पुत्र रामऔतार शर्मा निवासी कुटुम्ब एन्क्लेव, पीलीभीत बाईपास रोड, थाना इज्जतनगर, बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

स्काउट भवन में हुआ शाम ए समीर

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : शायर व कलाकार मरहूम शराफत हुसैन समीर की याद में स्काउट भवन में शाम ए समीर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के महामंत्री फरहत हुसैन ने रूपरेखा प्रस्तुत की। बताया कि शराफत हुसैन को बदायूं का रसखान कहा जाता था। उन्होंने हमेशा एकता की बात की। अपनी शायरी में समाज को जोड़ने का काम किया।

शायर वसीम नादिर ने कहा कि मैं चाहूं दो कदम चल पाऊं लेकिन पांव मेरे हों, किसी भी हाल में बैसाखियां अच्छी नहीं लगती। सुप्रसिद्ध कवियत्री डॉ. सोनरूपा विशाल ने पढ़ा कि समझते थे जो समझाया गया है, हमें हम से मिलवाया गया है। खालिद अखलाक ने कहा कि जाने सितमगरी की ये कौन सी है मंजिल, संजीदा कर दिया है एक मसखरे को मैने। जाकिर अली ने पढ़ा कि तमाम जिंदगी मे इंतजार कर लूंगा, वो एक बार यह कह दे कि आ रहा हूं मैं। मुकेश कमल ने गीत पढ़ते हुए कहा कि लहर इक मुद्दतों के बाद आई, कोई बिजली सी चमकी है जहन में तुम्हारी याद आई याद आई। मुकेश कमल ने कहा कि हार गए हम तुम्हें ढूंढते ढूंढ़ते, न जाने कहां खो गए तुम। आबशार आदम ने कहा कि तमाम उम्र ठहर कर वहां मैं क्या करता, तुम्हारे शहर का मंजर ही खुशगवार न था। मूसारिफ हुसैन ने कहा कि इतनी कुरबत भी नहीं है के लिपट कर रोले, ऐसे बिछड़े भी नहीं है के करार आ जाए। इसके अलावा आकिब जावेद, अजहान जिया, अभिषेक अनंत, अहमद अमजदी, मोहम्मद राशिद कादरी, जमीर अहमद, तंजीर आदि ने शायरी पढ़ी। अध्यक्षता नेहरू इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य आलोक पाठक ने की।

कार्यक्रम को संबोधित करते शिक्षक संघ के महामंत्री फरहत हुसैन। ● अमृत विचार

● शायरी और गीतों के माध्यम से शराफत हुसैन को किया याद

हरिद्वार की फैक्ट्री में काम करने गए युवक की करंट से मौत

गजरौला, अमृत विचार: हरिद्वार उत्तराखंड की एक फैक्ट्री में काम करने गए क्षेत्र की युवक की करंट लगने से मौत हो गई। उत्तराखंड पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन को सौंप दिया। हादसे के बाद परिवार में चीख पुकार मच गई।

थाना क्षेत्र ग्राम अजीतपुर पटपरा निवासी प्रेमशंकर (27) हरिद्वार में करीब एक साल से फैक्ट्री में काम करके जीवन यापन कर रहे थे। शनिवार सुबह कारीब साढ़े ग्यारह बजे फैक्ट्री में हाइटेंशन लाइन की चपेट में आकर झुलस गए। इस हादसे में मौके पर ही मौत हो गई। जिसके बाद अफरा तफरी मच गई। सूचना मिलने पर उत्तराखंड पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी की। हादसे की सूचना मिलने पर मृतक के परिजन पहुंचे। जिनको पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव सुपुर्द कर दिया।

पहचान छिपाकर युवती को प्रेमजाल में फंसाया

संवाददाता, अमरिया

अमृत विचार: एक शोहदे ने युवती को पहचान छिपाकर प्रेमजाल में फंसा लिया। उसे घुमाने के बहाने उत्तराखंड के टनकपुर ले गया और फिर होटल में दुष्कर्म किया। धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाया। इन्कार करने पर युवती को जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया है।

क्षेत्र की एक महिला ने बताया कि उसकी 21 वर्षीय पुत्री को सदर कोतवाली क्षेत्र के गुफरान ने अपना नाम रवि सिंह बताकर प्रेमजाल में फंसा लिया। इसके बाद टनकपुर उत्तराखंड घुमाने के बहाने ले गया। वहां होटल में शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया। बाद में पुत्री को आरोपी के असली नाम और धर्म के बारे में पता चला। आरोप है कि पुत्री पर धर्म परिवर्तन करने का भी दबाव बनाया गया और मना करने पर जान से मारने की धमकी दी गई। अमरिया पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर प्रमेंद्र कुमार ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। आरोपी गुफरान को गिरफ्तार कर चालान कर कोर्ट में पेश करके जेल भेज दिया है।

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी।

● शादी का झांसा देकर किया दुष्कर्म, पुलिस ने किया गिरफ्तार

अमृत विचार

बरेली, सोमवार, 4 अगस्त 2025

न्यूज ब्रीफ

प्रदेश में बारिश के बाद भी नहीं थम रही बिजली की मांग

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में बारिश के बाद भी बिजली की मांग थम नहीं रही है। रविवार को अधिकतम मांग 28 हजार मेगावाट दर्ज की गई। इस बीच, कई उत्पादन इकाइयों के ठप होने से लगभग 2700 मेगावाट बिजली उत्पादन घट गया है। एनर्जी एक्सचेंज से बिजली आयात कर स्थिति काबू में की गई है। उप्र. पावर कॉरपोरेशन के सूत्रों के अनुसार, हरदुआगंज की 105 मेगावाट की सात नंबर इकाई, जवाहरपुर की 660 मेगावाट की एक व दो नंबर इकाई, ओबरा सी की 660 मेगावाट की एक नंबर व पनकी की इतनी ही क्षमता की एक इकाई ठप हैं। तकनीकी खराबी के कारण ठप इकाइयों को दोबारा चालू किये जाने के लिए प्रयास किये जा रहे हैं। एक-दो दिनों में इन इकाइयों के चालू होने की संभावना जताई जा रही है। कॉरपोरेशन के अधिकारियों का कहना है कि बारिश के बाद उमस से बचाव के लिए बिजली का उपभोग ज्यादा हो रहा है। इस कारण मांग में कमी नहीं आ रही है।

राशन कार्ड को आधार से जोड़ने को मिले 10 लाख

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में राशन कार्डों में दर्ज यूनिटों को आधार कार्ड से जोड़ा जाएगा। इसके लिए शासन द्वारा 10 लाख रुपये की स्वीकृति दी गयी है। उप्र. शासन के उप सचिव राज कुमार झा ने खाद्य एवं रसद विभाग के आयुक्त को वित्तीय स्वीकृति का पत्र जारी कर दिया है। मालूम हो कि राशन कार्ड में दर्ज यूनिट के आधार पर प्रति माह नागरिकों मुफ्त राशन मिलता है।

स्वास्थ्य मेले में बुखार के 11,336 मरीज आए

अमृत विचार, लखनऊ : रविवार को संपन्न 212वें मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले में 11 हजार 336 बुखार के मरीज आए, सभी सामान्य बुखार से पीड़ित थे, जिन्हें इलाज देकर भेज दिया गया है। इसके अलावा मेले में आए कुल एक लाख 83 हजार 83 मरीजों में 978 गंभीर मरीजों को प्राथमिक इलाज देकर बड़े अस्पतालों को रेफर किया गया है। मेले में 3145 गोल्डेन कार्ड वितरित किए गए।

हर घर तिरंगा अभियान को राष्ट्रभक्ति का बनाएं जनांदोलन : मुख्यमंत्री

योगी ने भाजपा की संगठनात्मक बैठक में कार्यकर्ताओं को दिया हर हाथ में स्वदेशी उत्पाद का मंत्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ में आयोजित भाजपा की संगठनात्मक बैठक में उपस्थित मुख्यमंत्री योगी, प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य व ब्रजेश पाठक और अन्य।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान केवल झंडा फहराने का आयोजन नहीं, बल्कि जन-जन में राष्ट्रभक्ति की भावना को जागृत करने का जनांदोलन है। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में लगातार चौथी बार अभियान शुरू हुआ है और इसने राष्ट्र चेतना को सशक्त अभिव्यक्ति दी है। उन्होंने हर हाथ में स्वदेशी उत्पाद का मंत्र और आत्मनिर्भर भारत की भावना को जमीन पर उतारने का भी आह्वान किया।

मुख्यमंत्री रविवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित भाजपा की संगठनात्मक बैठक में बोल रहे थे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अभियान से जुड़कर अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराएं, उसके साथ सेल्फी लें, लोगों को इससे जोड़ें और ओडीओपी जैसे स्वदेशी उत्पादों को अपनाकर स्थानीय शिल्प को प्रोत्साहन दें। यह भारत को आर्थिक रूप से मजबूत करके ब्लैकमेल करने वालों को करारा उत्तर देने का सबसे सशक्त तरीका है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि जब भाजपा सरकार जनकल्याण के लिए दिन-रात काम कर रही है, तब विपक्ष केवल झूठ और नकारात्मकता फैलाने में जुटा है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि 'हर घर तिरंगा' अभियान राष्ट्रभक्ति की जनक्रांति है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान राष्ट्रभक्ति की भावना को जीवंत करने का राष्ट्रीय पर्व है।

हर मंडल से शुरू होगी तिरंगा यात्रा

प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने कार्यकर्ताओं से कहा कि 10 से 12 अगस्त तक प्रत्येक मंडल में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाए। 12 से 14 अगस्त तक स्वतंत्रा संग्राम से जुड़े स्मारकों की सफाई और पुष्पांजलि अर्पित की जाए। 13 से 15 अगस्त तक सभी घरों और प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराना है। 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर सभी जिलों में मौन जुलूस निकालकर प्रभावित लोगों से भेंट एवं प्रदर्शनी का आयोजन होगा। हर-घर तिरंगा अभियान के राष्ट्रीय सह संयोजक व पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे हर घर तिरंगा अभियान को घर-घर तक पहुंचाकर देशभक्ति की भावना को जागृत करें।

बलिया के तीन प्रमुख धार्मिक स्थलों का होगा विकास

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) बलिया के तीन प्रमुख धार्मिक स्थलों को विकसित करेगा। पर्यटन विभाग ने विकास योजनाओं के लिए 163.53 लाख रुपये की स्वीकृति दे दी है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि राज्य सरकार बलिया जिले के सेवादास धाम मंदिर में 60.60 लाख रुपये से विकास कार्य कराएगी। मंदिर परिसर का सौंदर्यीकरण, बुनियादी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। बलिया में रामलीला मैदान का सौंदर्यीकरण कार्य जल्द शुरू किया जाएगा। इस कार्य पर 34.23 लाख रुपये की लागत आएगी। बांसडीह स्थित शिव मंदिर का पर्यटन विकास कार्य 68.70 लाख रुपये से किया जा रहा है।

बाढ़ पीड़ितों को राहत देने में जुटी सरकार

टीम 11 में शामिल सभी मंत्री प्रभावित जिलों में डटे, लगातार बारिश से 17 जिलों के 402 गांवों में बढ़ी निगरानी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

प्रयागराज में बाढ़ प्रभावितों को राहत सामग्री वितरित करते मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी।

बलिया में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण करते मंत्री दयाशंकर दयालु व अन्य।

अमृत विचार : लगातार बारिश ने अब राज्य के 17 जिलों के 402 गांवों को बाढ़ की चपेट में ले लिया है। इसके मद्देनजर मुख्यमंत्री की ओर से गठित टीम-11 के सभी मंत्री अपने-अपने जिलों में रविवार को पहुंच गए हैं। वे बाढ़ प्रभावित इलाकों का निरीक्षण कर राहत व बचाव की कमान संभाले हुए हैं। जिले में ही सभी का रात्रि विश्राम भी होगा। सरकार की ओर से अबतक 47,906 बाढ़ पीड़ितों को राहत राशि दी गई है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की मॉनीटरिंग कर रहे हैं। योगी के निर्देश पर मंत्री बाढ़ प्रभावित जिलों का ग्राउंड जीरो पर निरीक्षण कर रहे हैं। वर्तमान में प्रदेश के 17 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। इनमें कानपुर नगर, लखीमपुर खीरी, आगरा, औरैया, चित्रकूट, बलिया, बांदा, गाजीपुर, मीरजापुर, प्रयागराज, वाराणसी, चंदौली, जालौन, कानपुर देहात, हमीरपुर, इटावा और फतेहपुर शामिल हैं। इन सभी जिलों में राहत कार्य तेजी से चल रहे हैं। वहीं एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पीएसी के जवानों द्वारा पेट्रोलिंग की जा रही है।

- तैनात की गई एनडीआरएफ एसडीआरएफ व पीएसी की टीमें

राहत आयुक्त भानु चंद्र गोस्वामी ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश के 17 जिलों की 37 तहसीलें और 402 गांव बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। इन इलाकों में बाढ़ से 84,392 लोग प्रभावित हैं, जिनमें से 47,906 लोग ऐसे हैं, जिन्हें राहत सहायता प्रदान की गई है। वहीं बाढ़ की वजह से 2,759 मवेशियों को सुरक्षा स्थान पर शिफ्ट किया गया है। बाढ़ की चपेट में आने से अब तक 343 लोगों के मकानों को क्षति पहुंची है, जिनमें से 327 लोगों को सहायता राशि प्रदान की जा चुकी है। वहीं प्रदेश में 4,015 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल बाढ़ की चपेट में आया है। इन प्रभावित क्षेत्रों में 493 नावों और मोटरबोट्स की सहायता से राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। इन इलाकों में अब तक 6,536 खाद्यान्न पैकेट और 76,632 लंच पैकेट वितरित किए जा चुके हैं। वर्तमान में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 29 लंगर के जरिए पीड़ितों को भोजन की सुविधा दी जा रही है। 905 बाढ़ शरणालय में 11 हजार से अधिक लोगों को घर जैसी सुविधा दी जा रही है।

ग्राउंड जीरो पर उतरे मंत्री

मुख्यमंत्री के निर्देश पर मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' को प्रयागराज समेत मीरजापुर व बांदा, स्वतंत्र देव सिंह और संजय गंगवार को जालौन, स्वतंत्र देव सिंह और प्रतिभा शुक्ला को औरैया, रामकेश निषाद को हमीरपुर, जयवीर सिंह को आगरा, सुरेश खन्ना को वाराणसी, संजय निषाद को कानपुर देहात, धर्मवीर प्रजापति को इटावा, अजीत पाल को फतेहपुर और दयाशंकर 'दयालु' को बलिया में बाढ़ प्रभावित इलाकों में जाने और रात में रुकने को कहा गया है। ये मंत्री अपने-अपने इलाकों में निरीक्षण कर रहे हैं।

भाजपा के स्मार्ट सिटी बाढ़ में डूबे : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार ने स्मार्ट सिटी के नाम पर बजट का जमकर बंदरबांट किया है। स्मार्ट सिटी की संकल्पना पर पानी फेरने वाले भाजपाई अपनी नाव लेकर कहां गायब हो गये हैं। जगह-जगह गड्ढे और नालों में गिर कर लोगों की मौतें हो रही हैं। प्रयागराज में 20 हजार करोड़ खर्च हुए हैं, भ्रष्टाचार के गहरे गड्ढों में भरा पानी भाजपाई घपलों-घोटालों का भंडाफोड़ करता है।

सपा प्रमुख ने कहा कि राजधानी लखनऊ व प्रयागराज समेत भाजपा सरकार द्वारा घोषित स्मार्ट शहरों का बुरा हाल है। कई जिलों में बाढ़ की विस्फोटक स्थिति है। प्रयागराज से लेकर वाराणसी तक हजारों लोगों के घरों में पानी भरा है। बाढ़ से निपटने और बचाव तथा राहत के लिए सरकार की पहले से कोई तैयारी नहीं है। जनता बेहाल है। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश के दर्जनों जिले प्रयागराज, मिर्जापुर, बांदा, हमीरपुर, जालौन, औरैया, वाराणसी, आगरा, इटावा, फतेहपुर, कानपुर देहात, बलिया नदियों का जलस्तर बढ़ने और बारिश से बाढ़ की चपेट में है। किसानों की फसलें डूब कर नष्ट हो गयीं।

पीडीए पाठशाला को सपा बनाएगी 2027 में चुनावी हथियार

अमृत विचार : परिषदीय स्कूलों के विलय के बाद सपा द्वारा गांव स्तर पर शुरू की गयी पीडीए पाठशालाएं 2027 के विधान सभा चुनाव तक चलेंगी। पाठशालाओं के माध्यम से सपा गांव के घर-घर में दस्तक देगी यानी सपा पीडीए पाठशालाओं को मुख्य चुनावी हथियार के रूप में प्रयोग करेगी।

लखनऊ स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की उपस्थिति में सदस्यता ग्रहण करते छात्र नेता।

राजभवन से उन्नाव के लिए साइकिल रैली रवाना

अमृत विचार, लखनऊ : कस्तूरबा गांधी विद्यालयों में पौधारोपण व स्वच्छता अभियान 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' के तहत रविवार को राजभवन से उन्नाव के लिए दो दिवसीय साइकिल रैली को रवाना किया गया। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। अभियान के तहत राजभवन के अधिकारियों-कर्मचारियों की टीम उन्नाव के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में पौधारोपण व साफ-सफाई से संबंधित कार्यों में शामिल होगी। देर शाम राजभवन के अधिकारियों ने बताया कि टीम उन्नाव में गौरा कठेरवा, नवाबगंज व आदमपुर बरैठी हसनगंज स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय पहुंची व पौधरोपण व साफ-सफाई अभियान में शामिल हुई। कुल 100 पौधे रोपित किये गये। इन पौधों में जामुन, छितवन, मौलश्री, सहजन, नीम, बॉटल ब्रश, आंवला आदि शामिल हैं।

राजभवन से साइकिल जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करतीं राज्यपाल आनंदी बेन पटेल।

कई छात्र नेता कांग्रेस में शामिल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

युवाओं का भाजपा से मोहभंग : अजय राय

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि प्रदेश में युवाओं का भाजपा से मोहभंग हो गया है। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस पार्टी में शामिल हो रहे हैं, इससे यह साबित हो रहा है कि युवाओं का रूझान कांग्रेस की ओर तेजी से बढ़ रहा है और सत्ताधारी दल भाजपा से पूरी तरह मोह भंग हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं ने परिवर्तन का मन बना लिया है और आने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में निश्चित तौर पर भाजपा को प्रदेश की सत्ता से उखाड़ फेकेंगे और कांग्रेस पार्टी प्रदेश में सरकार बनाएगी।

अमृत विचार : इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कई छात्र नेता समेत कई युवा व व्यापारी रविवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की उपस्थिति में नेताओं को सदस्यता ग्रहण कराई गई।

प्रदेश कांग्रेस युवा कांग्रेस मध्य जोन के अध्यक्ष अंकित तिवारी के नेतृत्व में नेताओं ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता ग्रहण करने वालों में प्रमुख रूप से इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्र नेता पूर्व महामंत्री हिमांशु पांडेय, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य विक्रांत सिंह, समाजवादी छात्र सभा इलाहाबाद के नेता देवेश सिंह यादव, पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी स्वप्निल चौरसिया, व्यापारी राम सुमेर व राम स्नेही व गुड्डू यादव ने अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। इसके अलावा रजनीश सिंह, करन यादव, दीपक सरोज, हिमांशु शर्मा, आयुष सिंह, अभिषेक वर्मा, विशाल गुप्ता, अजय ओझा, अभिषेक रावत, धर्मेन्द्र कुमार प्रजापति, अचल यादव, गोविंद यादव, दीपेश यादव, शनि यादव, प्रशांत यादव आदि ने भी कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस के ज्वाइनिंग प्रभारी नितिन शर्मा, दीपक पांडेय, मुकेश अवस्थी, बद्री विशाल तिवारी, शमीम खान, राहुल शुक्ला, हिमांशु दुबे आदि शामिल रहे।

आंबेडकर तीर्थ-स्थल यात्रा योजना शुरू करे सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- रालोद अध्यक्ष ने योजना शुरू करने के लिए योगी को लिखा पत्र

अमृत विचार : केंद्रीय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से पत्र के माध्यम से 'आंबेडकर तीर्थ-स्थल यात्रा योजना' का प्रस्ताव भेजा है, साथ ही पत्र के जरिए अपेक्षा की है कि निःशुल्क भ्रमण शुरू होने से आर्थिक रूप से कमजोर लोगों अंबेडकर से जुड़े पंचतीर्थों का दर्शन मिल सकेगा। यह बाबा साहब के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि भी होगी।

रालोद प्रमुख द्वारा भेजे गए प्रस्ताव पर रालोद के महासचिव अनिल दुबे ने कहा कि इस योजना के अंतर्गत लोगों को बाबा साहब से जुड़े महु-जन्मभूमि, लंदन-शिक्षा भूमि, दिल्ली-महापरिनिर्वाण स्थल, नागपुर-दीक्षा भूमि और मुंबई-चैत्य भूमि का निःशुल्क भ्रमण आसानी से कराया जा सकेगा। उप्र. इसकी शुरुआत कर पूरे देश को दिशा दिखाएगा। प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय एवं प्रदेश अध्यक्ष व्यापार रोहित अग्रवाल ने कहा कि निःशुल्क यात्रा में यात्रियों के चयन के लिए सरल प्रक्रिया विकसित की जा सकती है।

निजीकरण पर रोक के लिए मुख्य सचिव को भेजा पत्र

अमृत विचार, लखनऊ : ऊर्जा निगमों के निजीकरण पर रोक की मांग को लेकर बिजली कर्मियों ने रविवार को मुख्य सचिव एसपी गोयल को पत्र भेजा। बिजली कर्मी 4 अगस्त को प्रदेश भर में विरोध प्रदर्शन करेंगे। मुख्य सचिव को भेजे गए पत्र में विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उप्र. के संयोजक शैलेंद्र दुबे ने कहा कि एनर्जी टास्क फोर्स के अध्यक्ष की हैसियत से मुख्य सचिव पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम व दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण की चल रही प्रक्रिया को तत्काल निरस्त करने की कार्रवाई करें।

नर्सिंग और पैरामेडिकल की वार्षिक परीक्षाएं 1 सितंबर से

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : नर्सिंग कॉलेज एवं पैरामेडिकल प्रशिक्षण केंद्रों में वार्षिक मुख्य परीक्षाएं 1 सितंबर से शुरू हो रही हैं। इसमें 8 सितंबर तक प्रयोगात्मक परीक्षाएं होंगी, तत्पश्चात 9 सितंबर से 26 सितंबर तक लिखित परीक्षाएं होंगी। विभिन्न पाठ्यक्रमों की वर्षवार परीक्षा समय सारिणी उप्र.स्टेट मेडिकल फैकल्टी द्वारा घोषित कर दी गयी है, फैकल्टी की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

उप्र. स्टेट मेडिकल फैकल्टी के सचिव डॉ.अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि जीएनएम की मुख्य लिखित परीक्षाओं में 9 सितंबर को एनाटोमी एंड फिजियोलॉजी एंड माइक्रोबाइलोजी, 10 सितंबर को साइकोलॉजी सोसालाजी, 11 सितंबर को फंडोमेंटल ऑफ नर्सिंग और कम्यूनिटी हेल्थ नर्सिंग प्रथम विषय की 12 सितंबर को संपन्न होगी। इसके अलावा द्वितीय वर्ष के छात्रों की 15 सितंबर से 19 सितंबर तृतीय वर्ष की 9 व 10 सितंबर को संपन्न होगी। इसके अलावा संस्थान द्वारा संपादित अंग्रेजी, कम्प्यूटर एजुकेशन आदि की परीक्षाएं 20 सितंबर से 23 सितंबर तक होंगी। इसी तरह पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं 9 से 12 सितंबर के मध्य होंगी। उन्होंने बताया कि फार्मेसी की परीक्षाएं 1-8 सितंबर तक प्रयोगात्मक और 9-26 सितंबर तक लिखित परीक्षाएं प्रस्तावित हैं।

सराहना

चयनित अभ्यर्थी बोले- हर योग्य को मिल रहा हक, हर मेहनत को मिल रहा फल

निष्पक्ष भर्तियों से अभ्यर्थियों में जागा नया विश्वास

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 1494 अभ्यर्थियों में 300 बेटियों का चयन, जताया उत्साह

अमृत विचार : प्रदेश में युवाओं के सपनों को पंख लग रहे हैं। यूपी पुलिस दूरसंचार विभाग में चयनित अभ्यर्थियों ने इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताया। कहा कि योगी के शासन में हर योग्य को उसकी मेहनत का फल मिल रहा है।

यह भर्ती उस ऐतिहासिक सिलसिले की अगली कड़ी है, जिसमें हाल ही में 60244 आरक्षियों की भर्ती पूरी पारदर्शिता से सम्पन्न हुई थी। इस बार चयनित 1494 अभ्यर्थियों में करीब 300 बेटियों का चयन आधी आबादी के लिए बेहद उत्साहजनक है।

योग्यता को मिल रहा पुरस्कार

शाहजहांपुर की संध्या सिंह सहायक परिचालक के पद पर नियुक्ति पत्र पाकर फूली नहीं समा रहीं थीं। खुशी साझा करते हुए कहा कि इस पारदर्शी प्रक्रिया के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हृदय से आभार जताती हूं। इस पद तक उनकी यात्रा भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता को प्राथमिकता दिए जाने के कारण सफल रही है।

यह भर्ती निष्पक्षता की प्रतीक

लखनऊ डालीगंज के ब्रजेश कुमार वाल्मीकि ने कहा कि यह भर्ती निष्पक्षता की प्रतीक रही है। मुख्यमंत्री योगी का ही नेतृत्व है, जो आज प्रदेश में योग्य युवाओं को उनकी मेहनत का सच्चा पुरस्कार मिल रहा है।

अब जाया नहीं जाती मेहनत

लखनऊ के कृष्णानगर की वैशाली गुप्ता भी इस नियुक्ति से अभिभूत हैं। उन्होंने कहा कि अब यूपी में मेहनत कभी जाया नहीं जाती। हर योग्य को अब अवसर मिल रहा है।

दो नियुक्तियां मेरे लिए गर्व

मुजफ्फरनगर की कंचन सैनी ने इसे डबल उपलब्धि करार देते हुए कहा कि पहले महिला कांस्टेबल और अब सहायक परिचालक ये दोनों नियुक्तियां मेरे लिए गर्व की बात हैं और मैं इसके लिए सीएम योगी की आभारी हूं।

साकार हुआ सपना

सहारनपुर की अंजुम परवीन ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों नियुक्ति पत्र पाना मेरे लिए सम्मान की बात है। भर्ती प्रक्रिया में निष्पक्षता और पारदर्शिता का तहेदिल से शुक्रिया अदा करती हूं।

सालों की मेहनत रही सफल

कार्यशाला कर्मचारी के पद पर चयनित अलीगढ़ के भूपेंद्र सिंह ने भी मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि हमारी वर्षों की मेहनत आज सफल हुई है और यह सबकुछ प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री के प्रयासों से ही संभव हो सका है।

चार दिन बंद रहेंगे स्कूल और सभी सरकारी कार्यालय

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 9, 14, 15 और 16 अगस्त को रहेगा अवकाश

अमृत विचार: अगस्त के इस महीने में कई त्योहारों के साथ छुट्टियां भी पड़ रही हैं। ऐसे में लोगों उत्सव मनाने का आनंद दोगुना होने वाला है। रक्षाबंधन, स्वतंत्रता दिवस, जन्माष्टमी और चेहल्लुम जैसे पर्व एक साथ पड़ रहे हैं, ऐसे में सरकारी दफ्तर, बैंक, स्कूल और कॉलेज कई दिनों तक बंद रहेंगे।

सबसे पहले 9 अगस्त को रक्षाबंधन मनाया जाएगा, जो इस बार शनिवार को पड़ रहा है। इसलिए शनिवार-रविवार के साथ मिलकर दो दिनों की छुट्टी स्वाभाविक रूप से मिल जाएगी। इसके बाद 14 अगस्त को चेहल्लुम का पर्व आएगा। हालांकि इस दिन स्कूल भले बंद हों, सरकारी दफ्तर और बैंक खुले रह सकते हैं। अगले दिन 15 अगस्त को देशभर में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा और 16 अगस्त को जन्माष्टमी का त्योहार आएगा। 15 और 16 अगस्त को भी छुट्टियां घोषित की गई हैं। वहीं, बैंक भी इस महीने कई दिन बंद रहेंगे। 9 अगस्त शनिवार को रक्षाबंधन की छुट्टी के साथ ही रविवार का अवकाश भी रहेगा, तो 15 अगस्त से लेकर 17 अगस्त तक बैंक तीन दिन तक बंद रहेंगे।

ऊर्जा निगमों का 15,569 करोड़ बकाया बिल अदा नहीं कर रहे सरकारी विभाग

अमृत विचार, लखनऊ : ऊर्जा निगमों का 15,569 करोड़ बकाया बिल सरकारी विभाग अदा नहीं कर रहे हैं। इनमें निजीकरण प्रक्रिया में शामिल दोनों निगमों पूर्वांचल व दक्षिणांचल विद्युत निगम का कुल सरकारी बकाया 8591 करोड़ है। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने खुलासा करते हुए कहा कि अगर सरकारी विभाग बकाया अदा कर दें, तो ऊर्जा निगम घाटे से ऊबर जाएंगे। घाटे के नाम पर शुरू की गई निजीकरण प्रक्रिया की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। उपभोक्ता परिषद की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले छह महीने का कुल सरकारी बकाया लगभग 4500 करोड़ है।

न्यूज ब्रीफ

किसान अब 14 तक करा सकेंगे फसल बीमा

बरेली, अमृत विचार : प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ फसलों धान, ज्वार, बाजरा, मक्का, उर्द, मूंग, अरहर, मूंगफली, सोयाबीन और तिल का बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई से बढ़ाकर अब 14 अगस्त कर दी गई है। उप कृषि निदेशक अभिनंदन सिंह ने बताया कि जनपद में 11,800 किसानों ने ही फसल बीमा के लिए आवेदन किए हैं। अब किसान 14 अगस्त तक अपनी अधिसूचित फसलों का बीमा कराकर योजना का लाभ प्राप्त करें। बीमा कराते समय वास्तविक फसल एवं भूमि का उल्लेख अवश्य करें, जिससे क्षति के बाद बीमा कंपनी और कर्मचारी को सर्वे के समय कोई विपरीत परिस्थिति उत्पन्न न हो। किसान फसल क्षति की सूचना 72 घंटे के भीतर नजदीकी फसल बीमा सेंटर, कृषि विभाग और फसल बीमा हेल्प लाइन नंबर के माध्यम से अवश्य करें, जिससे फसल बीमा का लाभ समय से प्राप्त हो सके। समस्त खरीफ फसलों के बीमा का प्रीमियम दो प्रतिशत किसान और शेष धनराशि का भुगतान केंद्र और राज्य सरकार वहन करती है।

नवजात के लिए मां का दूध अमृत के समान

बरेली, अमृत विचार : पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर मंडल के मंडल चिकित्सालय में विश्व स्तनपान सप्ताह के तहत रविवार को संगोष्ठी का आयोजन हुआ। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. यूएस नाग ने कहा कि मां का दूध शिशु के लिए सुरक्षित, संपूर्ण और सर्वसुलभ आहार है। जन्म के एक घंटे के भीतर और पहले छह माह तक केवल स्तनपान की सलाह देते हुए उन्होंने बताया कि प्रसव के बाद शुरुआती दूध कोलोस्ट्रम नवजात के लिए अमृत के समान होता है।

प्रधान और पूर्व प्रधान पक्ष में फायरिंग हमले में पांच पुलिस कर्मी हुए घायल

दो पक्षों में फायरिंग की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस को भी नहीं बख्शा

कार्यालय संवाददाता, बरेली/ फतेहगंज पूर्वी

अमृत विचार : फतेहगंज पूर्वी क्षेत्र में चोर का शोर होने की सूचना पर पहुंची पुलिस के सामने प्रधान और पूर्व प्रधान पक्ष के लोगों ने हवाई फायरिंग की। एक दूसरे के साथ मारपीट करते हुए पुलिस पर भी हमलावर हो गए। इसमें तीन दरोगा और दो सिपाहियों को भी चोटें आई हैं। हमलावरों ने पुलिस की जीप पर भी पथराव किया। पुलिस ने 22 आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर प्रधान, पूर्व प्रधान समेत तीन हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया।

थाना क्षेत्र में गांव नखी सिंधवा में शनिवार की आधी रात को चोर आने का शोर मचा। इस पर पूर्व प्रधान भगवान दास के भतीजे सुरजीत ने लाइसेंसी बंदूक से हवाई फायरिंग की। इस दौरान प्रधान देवेंद्र को लगा कि विपक्ष के लोग उन पर फायरिंग कर रहे हैं। देखते ही देखते दोनों तरफ से फायरिंग होने लगी। प्रधान की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन दोनों पक्ष एक दूसरे की बात मानने को तैयार नहीं थे। बीच-बचाव कर रही पुलिस टीम पर भी आरोपियों ने हमला कर दिया। इसमें तीन दरोगा भूपेंद्र सिंह, संजीव कुमार, सुरजीत सिंह, दो सिपाही शैलेन्द्र प्रताप सिंह व रविराज सिंह घायल हो गए। साथ ही पथराव में सरकारी जीप भी क्षतिग्रस्त हो गई।

पुलिस ने पूर्व प्रधान भगवान दास, प्रधान देवेंद्र सिंह और प्रधान पक्ष के रोहताश को मौके से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। फरीदपुर सीओ संदीप कुमार ने बताया कि मामले में 22 आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर तीन को गिरफ्तार किया गया है। फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

हिरासत में पुलिस पर हमला करने के आरोपी। ● अमृत विचार

समझाते रह गए थाना प्रभारी

थाना प्रभारी ने दोनों पक्षों को समझाते हुए सभी से थाने चलने के लिए कहा। इसी बात पर दोनों पक्ष उत्तेजित हो गए। प्रधान देवेन्द्र ने कहा कि वह मुकदमा नहीं लिखाएगा वह सुबह इस सबको स्वयं सबक सिखाएगा। इस बात पर दोनों पक्ष उग्र हो गए और लाठी-डंडों से हमला कर दिया।

बोला प्रधान : रिपोर्ट नहीं लिखाऊंगा, लूंगा बदला

बरेली, अमृत विचार : फतेहगंज पूर्वी क्षेत्र के गांव नखी सिंधवा में फायरिंग की सूचना पर पहुंचे थाना प्रभारी संतोष कुमार से आरोपी प्रधान देवेंद्र सिंह ने कहा कि वह रिपोर्ट दर्ज नहीं कराएगा। अगली सुबह सभी को देख लेगा और बदला लेगा। विरोध करने पर पुलिस पार्टी पर हमलावर हो गए। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर जमकर लाठी-डंडे चलाए। थाने में तैनात दरोगा भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि वह रोजाना की तरह हल्का नंबर तीन में गश्त कर रहे थे। इस दौरान थाना प्रभारी संतोष कुमार ने उन्हें बताया कि गांव नखी सिंधवा में फायरिंग होने की सूचना है। इस पर वह फौरन मौके पर पहुंचे। जहां पर प्रधान देवेन्द्र सिंह और उसके पक्ष के धर्मेन्द्र, लालू, रविन्द्र, रोहिताश ने बताया कि गांव के पूर्व प्रधान भगवान दास और उसके पक्ष के देश दीपक, अभिषेक, सुरजीत सिंह और गोलू ने प्रधान देवेन्द्र के ऊपर लाइसेंसी बन्दूक से फायरिंग की है। उधर, पूर्व प्रधान भगवानदास का कहना था कि गांव में चोर आने की सूचना पर उनके भतीजे सुरजीत ने बचाव के लिए हवाई फायरिंग की थी। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में गरमा गर्मी होने लगी। मामला बढ़ता देख मौके पर थाना प्रभारी भी टीम के साथ पहुंचे।

सरिया लदे जुगाड़ वाहन में लगी आग

बरेली, अमृत विचार : सुभाषनगर थाना क्षेत्र में बदायूं रोड पर बाजपेई तिराहा के पास सरिया लदे एक जुगाड़ वाहन में अचानक आग लग गई। पास में गैस सिलेंडर से लदी एक गाड़ी खड़ी थी। आसपास के लोगों ने सूझबूझ दिखाते हुए आग को बुझाया नहीं तो बड़ा हादसा हो जाता।

स्थानीय लोगों के मुताबिक सरिया लदे जुगाड़ वाहन में अचानक धुंआ उठने लगा और कुछ ही सेकंड में आग की लपटें उठने लगीं। आग देखकर वाहन चालक घबराया नहीं, बल्कि तुरंत पास की नाली से बाल्टी से पानी भरकर आग बुझाने में जुट गया। उसी वक्त आसपास के दुकानदार और राहगीर भी दौड़ पड़े और बाल्टी और मग्गों से पानी डालकर आग बुझाने में मदद की। इस हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने ट्रैफिक पुलिस की अनदेखी पर नाराजगी जताई।

उनका कहना है कि बिना पंजीकरण और सुरक्षा मानकों के विपरीत दौड़ते ये जुगाड़ वाहन न सिर्फ ट्रैफिक जाम का कारण बनते हैं, बल्कि लोगों के जान के लिए भी खतरा हैं।सुभाषनगर थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि रविवार सुबह 10:30 बजे हादसा हुआ। लोगों ने आग बुझा ली। आसपास के लोगों ने सूझबूझ दिखाते हुए आग को बुझाया नहीं तो बड़ा हादसा हो जाता। पुलिस का कहना है कि स्थिति काबू में है।

टेबल टेनिस स्टेट प्रतियोगिता में आरती व दिव्यांश चैंपियन

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : 12 वें श्रीराम मूर्ति मेमोरियल एवं तृतीय यूपी स्टेट रैंकिंग टेबल टेनिस टूर्नामेंट का रविवार को समापन हुआ। अंतिम दिन सेमीफाइनल और फाइनल खेले गए। महिला वर्ग में आरती चौधरी और पुरुष वर्ग में दिव्यांश चैंपियन बने। वहीं अंडर 19 बालक वर्ग में मौलिक चतुर्वेदी और अंडर 17 में आर्यन चैंपियन बने।

महिला वर्ग में प्रयागराज की आरती ने गाजियाबाद की अंकिता गुप्ता को 11-8, 12-14, 16-14, 9-11, 11-9 अंकों से पराजित किया है। पुरुष वर्ग में लखनऊ के दिव्यांश श्रीवास्तव ने गाजियाबाद के सार्थ मिश्रा को 12-10, 11-7, 8-11, 6-11, 13-11 सेटों से हराकर जीत हासिल की। युवा अंडर 19 बालक वर्ग में आगरा के मौलिक चतुर्वेदी ने कानपुर के अद्वित गुप्ता को 11-5, 11-8, 12-10 अंकों से और बालिका वर्ग में गाजियाबाद की दिशा ने गाजियाबाद की ही अंकिता गुप्ता को 4-11, 13-11, 11-9, 12-10 अंकों से हराया। जूनियर अंडर 17 बालक वर्ग में प्रयागराज के आर्यन कुमार ने गाजियाबाद के अर्णव पंवार को 11-7, 11-5, 12-10 अंकों से और बालिका वर्ग में गाजियाबाद की याशिका तिवारी ने वाराणसी की अनोखी को 10-12, 13-11, 11-3, 9-11, 11-5 अंकों से हराया।

सब जूनियर अंडर 15 बालक वर्ग में कानपुर के आशुतोष गुप्ता ने लखनऊ के लक्ष्य कुमार को 11-9, 11-8, 11-5 अंकों से और बालिका वर्ग में वाराणसी की अनोखी ने कानपुर की अंशिका मिश्रा को 12-10, 11-8, 11-8 अंकों से हराया। कैडेट अंडर 13 बालक वर्ग में लखनऊ के लक्ष्य कुमार ने लखनऊ के शौर्य गोयल को 12-10, 11-5, 4-11, 11-3 अंकों से और बालिका वर्ग में प्रयागराज की अंशिका गुप्ता ने आगरा की अंशिका मिश्रा को 11-8, 5-11, 11-8, 11-7 अंकों से हराया। होप्स अंडर 11 बालक वर्ग में गौतमबुद्धनगर के आर्यवीर बोरा ने कानपुर के दुर्वांक को 7-11, 11-7, 11-7, 10-12, 11-5 अंकों से और बालिका वर्ग में प्रयागराज की अंशिका गुप्ता ने आगरा की इनाया फातिमा को 11-4, 11-6, 11-8 अंकों से हराया। सभी विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार और नकद राशि दी गई। यूपीटीटीए के प्रेसीडेंट संजीव पाठक, पूर्व जनरल सेक्रेटरी अरुण बनर्जी, टूर्नामेंट डायरेक्टर एनके लाहिरी, रैकेट कंट्रोलर अंतरराष्ट्रीय रेफरी अमित सिंह, टूर्नामेंट के डिप्टी रैफरी पीके जैन, जूनियर नेशनल टीम के कोच पराग अग्रवाल, डिस्ट्रिक्ट टेबल टेनिस एसोसिएशन के सेक्रेटरी दीपेंद्र कामथान, एसआरएमएस ट्रस्ट के सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति, एसआरएमएस इंजीनियरिंग कॉलेज के डीन डॉ. प्रभाकर गुप्ता, टूर्नामेंट के कंवीनर डॉ. सोवन मोहंती आदि मौजूद रहे।

चाइनीज मांझे के साथ दो गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

मांझे की चपेट में आने से स्कूटी सवार युवक की गर्दन कटी, जिला अस्पताल में कराया भर्ती

बरेली, अमृत विचार : सुभाषनगर थाना क्षेत्र निवासी एक युवक का शहामतगंज में चाइनीज मांझे से गर्दन कट गई। आसपास मौजूद लोगों ने उसे आनन-फानन में जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। मढ़ीनाथ निवासी अभिषेक मौर्य (18) शनिवार देर रात स्कूटी से नगर निगम के पास स्थित सब्जी मंडी से सब्जी खरीदकर शहामतगंज की तरफ गए थे। जैसे ही वह कुछ दूर पहुंचे कि अचानक मांझे की चपेट में गर्दन आ गई। गर्दन कट कर पूरी तरह से लहूलुहान हो गई।

अमृत विचार : किला थाना पुलिस ने प्रतिबंधित चाइनीज मांझा बेचने वाले दो आरोपियों को ईंट भट्टे के पास से गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों के कब्जे से 180 चरखी चाइनीज मांझा भी बरामद हुआ है। इन दोनों आरोपियों से दूसरे जिलों के लोग मांझा खरीदने आते थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रेती जखीरा निवासी शहनवाज वेग और रिजवान खान के रूप में हुई है।

किला थाना प्रभारी सुरेश चन्द गौतम ने बताया कि दरोगा मनोज कुमार ने मुखबिर की सूचना पर टीम के साथ रजा कॉलोनी रोड पर स्थित ईंट भट्टे के पास दबिश देकर दोनों युवकों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से भारी मात्रा में चाइनीज मांझा बरामद हुआ है। किला पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कोर्ट में पेश किया, जहां से दोनों को जेल भेज दिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि यह मांझा प्रतिबंधित है, फिर भी ऊंचे दाम पर बेचकर मोटा मुनाफा कमाते थे और यह मांझा उन्होंने सराय खां निवासी अनस से खरीदा था। पुलिस अनस को भी नामजद कर उसकी तलाश कर रही है।

रिश्वत लेने वाला बिजली विभाग का बाबू निलंबित

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● एंटी करप्शन की टीम ने 20 हजार रुपये लेते गिरफ्तार किया था

अमृत विचार: बिजली विभाग के कार्यालय सहायक अजीत कुमार को शनिवार को एंटी करप्शन की टीम ने 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया था। पुलिस ने रविवार को उसे कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज होने के बाद उसे अधीक्षण अभियंता ज्ञानेंद्र सिंह ने निलंबित करके उसके खिलाफ विभागीय जांच शुरू करा दी है।

सर्किट हाउस के सामने मुख्य अभियंता कार्यालय परिसर में ग्रामीण क्षेत्र के अधिशासी अभियंता प्रथम कार्यालय में तैनात कार्यालय सहायक को शनिवार को एंटी करप्शन टीम ने 20 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया था। तलाशी के दौरान आरोपी के बैग से 1.76 लाख रुपये और मिले थे। उसने मीरगंज थाना क्षेत्र के गांव गूला निवासी आभाष कुमार सिंह का गलत बिल सही करने के लिए रिश्वत मांगी थी। उसके खिलाफ कोतवाली में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

अस्पताल में एक साथ गूंजीं तीन किलकारियां

कार्यालय संवाददाता, बरेली

जिला अस्पताल में भर्ती तीनों बच्चे। ● अमृत विचार

● गांव सिहोरा निवासी महिला ने तीन बच्चों को दिया जन्म

अमृत विचार : जिला महिला अस्पताल में महिला ने एक साथ तीन बच्चों को जन्म दिया। स्टाफ ने सुरक्षित प्रसव कराया। जच्चा और बच्चे पूरी तरह से स्वस्थ हैं।

फतेहगंज पश्चिमी के गांव सिहोरा निवासी अशरफ की पत्नी मकरुन निशा को शनिवार रात प्रसव पीड़ा हुई। परिजन उन्हें रात में ही जिला महिला अस्पताल लेकर पहुंचे। स्टाफ ने उन्हें तुरंत लेबर वार्ड में भर्ती कर लिया। स्टाफ ने रविवार सुबह सुरक्षित प्रसव कराया। मकरुन निशा ने तीन बच्चों को एक साथ जन्म दिया। प्रसव कराने वाली टीम में डॉ. सीमा सिंह, रेजिडेंट डॉ. तेजस्वनी, नर्सिंग स्टाफ मधु और वाणी शामिल रहीं। सीएमएस डॉ. त्रिभुवन प्रसाद ने बताया कि एक साथ तीन बच्चों की डिलीवरी जटिल होती है, लेकिन स्टाफ ने सूझबूझ से प्रसव कराया। एमसीएच विंग बनने के यह पहला मामला है। तीनों बच्चों को निगरानी के लिए एसएनसीयू में भर्ती किया गया है। तीन बच्चों में दो लड़के एक लड़की है।

जल लेने जा रहे दो कांवड़ियों की सड़क दुर्घटना में जान गई

हादसे में मां-बेटे की मौत, दो घायल

बिजनौर, अमृत विचार : नगीना-धामपुर मार्ग पर रविवार को दो कारों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में रुड़की निवासी चंद्रशेखर भट्ट और उनकी मां माधवी भट्ट की मौत हो गई जबकि प्रीति और बेटी गंभीर घायल हो गए।

अमरोहा,अमृत विचार : तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार दो कांवड़ियों को टक्कर मार दी। पुलिस ने दोनों घायलों को टीएमयू मुरादाबाद में भर्ती कराया जहां उनकी मौत हो गई।

हादसा नेशनल हाईवे पर रजबपुर थाना क्षेत्र में गांव झनकपुरी के पास हुआ। कांवड़ियों के लिए आरक्षित लेन पर ब्रजघाट की तरफ से आ रही कार ने मुरादाबाद की तरफ से बाइक पर सवार होकर जल लेने जा रहे दो कांवड़ियों को टक्कर मार दी। दोनों कांवड़िया हवा में उछल कर दूर जा गिरे। दुर्घटना करने वाली कार का चालक फरार हो गया। घटनास्थल पहुंची पुलिस ने दोनों घायल कांवड़ियों को तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनकी मौत हो गई। देर रात तक दोनों मृतकों की शिनाख्त नहीं हो सकी थी। सीओ पंकज त्यागी ने हादसे में दो कांवड़ियों की मौत की पुष्टि की। बताया जा रहा है कि दोनों मृतक मुरादाबाद के निवासी हैं।

अंतिम संस्कार को तालाब पार कर जाते हैं श्मशान भूमि

दिखावे का विकास

● बिथरी के गांव म्यूड़ी रानी मेवा कुंवर में तालाब पार कर अंतिम संस्कार को जाते हैं ग्रामीण

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: गांवों में चहुंमुखी विकास के सरकारी दावों के बीच बिथरी चैनपुर ब्लॉक के म्यूड़ी रानी मेवा कुंवर गांव में जीवन की अंतिम यात्रा भी सम्मान के साथ पूरी नहीं हो पा रही है।

गांव का श्मशान घाट झाड़ियों के बीच छिप गया है और रास्ते की दशा इतनी खराब है कि ग्रामीण तालाब को पार करके अपनों का अंतिम संस्कार करने जाने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के दिनों में श्मशान भूमि जाने वाला मार्ग कीचड़ से भरकर बंद हो जाता है। उन्होंने कहा कि जल्द ही श्मशान तक पक्का रास्ता या फिर पुल नहीं बना, तो आगामी चुनावों का पूर्ण बहिष्कार करेंगे। यह अब केवल एक सड़क या पुल की मांग नहीं, बल्कि इंसान के सम्मान और संवेदना की लड़ाई है।

गांव के प्रमेंद्र, रमेश कुमार, मुनेंद्र, मोहन सिंह, गजेंद्र सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि वह कई साल से इस मुद्दे को उठाते आ रहे हैं। उन्होंने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से कई बार मिलकर ज्ञापन सौंपे लेकिन हर बार केवल आश्वासन मिले, काम कभी नहीं हुआ। यही नहीं दो दिन पहले गांव में एक अंतिम संस्कार में शामिल होने आए भोजीपुरा विधायक से रपटा पुल की गुजारिश की गई है। इस पर उन्होंने भी गोलमाल जवाब दिया। सीडीओ देवयानी ने बताया कि यह एक गंभीर मामला है।

गांवों में विकास सरकार और हमारी प्राथमिकता में हैं। इसे तत्काल ही डीपीआरओ से कहकर दिखवाया जाएगा। कोशिश रहेगी शीघ्र ही ग्रामीणों की इस जायज मांग का समाधान हो सके। बता दे कि गांव का श्मशान घाट झाड़ियों के बीच छिप गया है और रास्ते की दशा इतनी खराब है कि ग्रामीण तालाब को पार करके अपनों का अंतिम संस्कार करने जाने को मजबूर हैं।

श्मशान घाट के हालात भी बद से बदतर

गांव में शमशान घाट जंगल के रूप में नजर आता है। चारों तरफ झाड़ियां उग आई हैं और गंदगी पसरी है। किसी तरह तालाब पार करके ग्रामीण निकलते हैं।

छह महीने पहले हुआ सर्वे

प्रधान के पति शैलेंद्र बताते हैं कि वह काफी समय से प्रयासरत हैं। गांव के सैकड़ों लोगों के साथ सांसद, विधायक और अफसरों से मिलकर समस्या बता चुके हैं। जब राज्यपाल संतोष गंगवार सांसद थे तो उनके पत्र का संज्ञान लेकर करीब छह महीने पीडब्ल्यूडी ने तालाब पर पुलिया बनाने के लिए सर्वे किया था। इसके बाद कोई लौट नहीं आया। ग्राम निधि में इतना बजट नहीं कि पुलिया बनवाई जा सके और मनरेगा में पुलिया बनवाने का प्रावधान नहीं है। एक बार फिर सीडीओ से मिलेंगे ताकि गांव वालों की एक बड़ी समस्या का निदान हो सके।

बहुभाषीय पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए काउंसिलिंग आज से

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: रुहेलखंड विश्वविद्यालय में बहुभाषीय पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए काउंसिलिंग 4 अगस्त से होगी। विभागाध्यक्ष डॉ. अनीता त्यागी ने बताया कि जिन विद्यार्थियों ने 31 जुलाई तक समर्थ पोर्टल पर पंजीकरण कराया है, वे 4, 5 और 6 अगस्त को मानविकी विभाग में सुबह 10:30 से शाम 4 बजे तक काउंसिलिंग में शामिल हो सकते हैं। विद्यार्थियों को अपने साथ सभी दस्तावेज लाने होंगे।

विश्वविद्यालय में कर्मचारियों का रोका गया वेतन : बरेली, अमृत विचार: रुहेलखंड विश्वविद्यालय के कई कर्मचारियों का वेतन रोक दिया गया है। इसकी वजह से कर्मचारी परेशान हैं। कर्मचारियों ने कुलसचिव को प्रार्थना पत्र देकर वेतन जारी करने की मांग की है। कर्मचारियों का कहना है कि हाजिरी बायोमेट्रिक लगती है। इसके अलावा सीएल और ईएल के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जाता है। इसके बावजूद अलग से हार्डकॉपी छुट्टी के आवेदन की मांग जा रही है। जिन लोगों ने नहीं दी तो उनका वेतन रोक दिया गया है। इस संबंध में मीडिया प्रभारी डॉ. अमित सिंह ने बताया कि पिछले महीने वेतन रोका गया था जिसे जारी कर दिया गया। इस बार की जानकारी नहीं है। जो कर्मचारी अनुपस्थित हुए होंगे, उनका ही वेतन रुका होगा।

कोषागार-बैंक अधिकारियों के खिलाफ जांच के आदेश

पेंशन घोटाला

कार्यालय संवाददाता बरेली

● कोषागार निदेशक ने अपर निदेशक कोषागार एवं पेंशन मुरादाबाद को सौंपी जांच

● बैंक और कोषागार के अधिकारी-कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई को मांगी आख्या

अमृत विचार : रिटायर्ड प्रवक्ता की मृत्यु के बाद जालसाजी कर 16 साल तक पेंशन की धनराशि हड़पने के मामले में बैंक और कोषागार के अधिकारी-कर्मचारियों की संलिप्तता की जांच के आदेश दिए गए हैं। इनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कोषागार निदेशक ने जांच कर आख्या तलब की है। इससे आरोपी अधिकारी-कर्मचारियों के विरुद्ध निलंबन की तलवार लटक गई है।

रिटायर्ड प्रवक्ता सोहन लाल शर्मा की 19 सितंबर 2008 को मृत्यु हो गई थी। उन्हें 49 हजार रुपये प्रति माह पेंशन मिलती थी। लालच में उनके बेटे उमेश बैंक कर्मचारियों और कोषागार के एक वरिष्ठ सहायक से साठगांठ कर 16 साल तक पेंशन का पैसा बैंक से निकालता रहा।

फर्जीवाड़ा तब पकड़ा गया, जब वह दो सितंबर 2024 को मुख्य कोषाधिकारी के कार्यालय में पिता के नाम का जीवन प्रमाणपत्र जमा करने पहुंचा। बाबू ने प्रमाणपत्र पर जन्मतिथि देखी तो शक हुआ। पेंशनधारक सोहनलाल शर्मा की उम्र 105 साल होनी चाहिए थी, लेकिन सामने खड़ा उमेश बमुश्किल 60 का ही था। इसके बाद मामले की जांच शुरू हुई। तब पता चला कि सोहन लाल शर्मा की मृत्यु के बावजूद उनकी पेंशन लगातार जारी है। उनके बेटे उमेश भारद्वाज ने फर्जी अभिलेख तैयार कर बैंक से साठगांठ कर 31 जुलाई 2024 तक करीब 6089064 रुपये पेंशन के रूप में निकाले। जांच के बाद आरोपी से मय ब्याज की 7466149 रुपये की रकम वसूल कर ली गई।

अब कोषागार निदेशक विजय कुमार सिंह ने इस फर्जीवाड़े में शामिल कोषागार के अधिकारियों और बैंक के कर्मचारियों की संलिप्तता को उजागर करने और उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए मुरादाबाद के अपर निदेशक कोषागार एवं पेंशन भृगु नारायण झा को जांच अधिकारी बनाया है। निदेशक ने अपर निदेशक कोषागार को निर्देश दिए हैं कि इस फर्जी आहरण के प्रकरण में कोषागार के कर्मचारियों, अधिकारियों की भूमिका का भी गहन परीक्षण कर बैंक एवं पेंशनर आश्रित एवं कोषागार कर्मचारियों-अधिकारियों के विरुद्ध उत्तरदायित्व निर्धारित कर तत्काल रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। निदेशक कोषागार के जांच के आदेश के बाद संलिप्त अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई तय मानी जा रही है।

आरोपियों के खिलाफ अब तक नहीं हुई एफआईआर : जालसाजी कर सरकारी धन हड़पने के इस प्रकरण में उमेश भारद्वाज के साथ बैंक और कोषागार के कर्मचारी, अधिकारियों के विरुद्ध एफआईआर आज तक दर्ज नहीं कराई गई, जबकि जिला शासकीय अधिवक्ता से राय ली जा चुकी है।

400 संविदा चालकों की भर्ती के लिए रोजगार मेला आज

बरेली, अमृत विचार: परिवहन निगम की ओर से बरेली परिक्षेत्र के लिए संविदा चालकों की भर्ती के लिए सोमवार को सेटेलाइट बस अड्डे के पास स्थित क्षेत्रीय कार्यशाला में रोजगार मेला लगेगा। परिक्षेत्र के बरेली, रुहेलखंड, बदायूं और पीलीभीत डिपो में संविदा पर 400 चालकों की भर्ती होनी है। आरएम दीपक चौधरी ने बताया कि रोडवेज में संविदा चालक पद के के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता आठवीं पास होनी चाहिए। भर्ती के समय आवेदक की उम्र 23 साल छह माह और न्यूनतम लंबाई पांच फुट, तीन इंच होनी चाहिए। अभ्यर्थी का नाम, पिता का नाम, जन्मतिथि जो ड्राइविंग लाइसेंस पर अंकित हो, वही शैक्षिक प्रमाणपत्रों और आधार कार्ड पर अंकित होनी चाहिए।

सीट लॉक की प्रक्रिया निशुल्क किसी के बहकावे में न आएं

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● बरेली कॉलेज में प्रवेशित विद्यार्थियों की सीट लॉक कराने के नाम पर कर रहे गुमराह

अमृत विचार: बरेली कॉलेज में रविवार के दिन भी स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेशित विद्यार्थियों की सीट लॉक की गईं। अब तक करीब 15 सौ विद्यार्थियों की सीटें लॉक की जा चुकी हैं।

इस दौरान कुछ लोग विद्यार्थियों को सीट लॉक करने के नाम पर गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। इस संबंध में प्रवेश समिति का स्पष्ट कहना है कि सीट लॉकिंग की प्रक्रिया निशुल्क है।

किसी के बहकावे में न आएं और न ही किसी को कोई पैसे दें। बरेली कॉलेज में स्नातक प्रथम वर्ष में करीब पांच हजार विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है।

इन सभी का शासन के निर्देश के अनुसार समर्थ पोर्टल के माध्यम से रुहेलखंड विश्वविद्यालय में सीट लॉक होनी है। इसके लिए 7 अगस्त अंतिम तिथि है। कॉलेज की ओर से विद्यार्थियों को सीट लॉक करने के लॉगिन आईडी पर मेल और मेसेज से रिक्वेस्ट भेजी जा रही है। रिक्वेस्ट एक्सेप्ट करने के बाद विद्यार्थी को निर्धारित तिथि में कॉलेज में चिह्नित स्थल पर सीट लॉक करने के लिए बुलाया जा रहा है।

प्रिंस रोड पर लगी आग

मुरादाबाद, अमृत विचार : हाफिज बनने की पुलिया प्रिंस रोड पर एक घर में रविवार देर रात भीषण आग लग गई। धुआं आसपास के घरों में भर गया, जिससे मोहल्ले में अफरा-तफरी और भगदड़ मच गई। घबराए लोग घरों से बाहर निकल आए और तुरंत थाना मुगलपुरा पुलिस को सूचना दी।

थाना प्रभारी निरीक्षक शैलेंद्र कुमार टीम सहित मौके पर पहुंचे और बिना समय गंवाए सीढ़ी लगाकर बचाव कार्य शुरू कराया। पुलिस की मुस्तैदी से मकान में फंसी महिलाओं और बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

कार्यालय ग्राम पंचायत मुहब्बे अलीपुर चिचेटा विकास खंड इस्लामनगर बदायूं

दिनांक : 02.08.2025

नीलामी सूचना

सर्वधारण को सूचित किया जाता है की गौशाला मुहब्बे अलीपुर चिचेटा विकास खंड इस्लामनगर जिला बदायूं में गोबर खाद की नीलामी दिनांक 06.08.2025 को दोपहर 02:30 बजे पंचायत घर पर की जाएगी।

सचिव प्रधान

मनुष्य ने ईश्वर को जो सबसे महान नाम दिया है वह सत्य है।

ड्रोन ड्रामा पर जरूरी एक्शन

उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के बड़े हिस्से में पिछले कई हफ्तों से ड्रोन को लेकर फर्जी अफवाहों के चलते दहशत का बाजार गर्म रहा। लोगों के बीच अजीब सा डर फैला था। व्हाट्सएप ग्रुपों पर ड्रोन और अलर्ट की पोस्ट के साथ हथियारबंद लुटेरों की गतिविधियों तक के वीडियो बिना जांचे-परखे शेयर किए जा रहे थे। यहां तक कि मारपीट की हिसंक घटनाएं सामने आ रही थीं, उसे देखते हुए ड्रोन उड़ाने या उसके दुरुपयोग को लेकर कड़े दिशा-निर्देशों की जरूरत महसूस की जा रही थी। ऐसे में योगी सरकार द्वारा बिना अनुमति ड्रोन उड़ाने पर पूरी तरह रोक लगाने के साथ नियम तोड़ने वालों पर गैंगेस्टर और राष्ट्रीय सुरक्षा कानून में कार्रवाई करने का आदेश दिया जाना कानून-व्यवस्था की दृष्टि से अपरिहार्य हो गया था। दुनिया भर में ड्रोन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल निगरानी, सुरक्षा, डिलीवरी और आपात सेवाओं में किया जाता है। लेकिन पिछले कुछ समय से पश्चिमी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और रुहेलखंड के इलाके में इस तकनीक का एक अलग ही चिंताजनक चेहरा देखने में सामने आ रहा था, जो अफवाह और भय का कारण बना हुआ था। ऐसा माहौल बन गया था कि ग्रामीण क्षेत्रों में रात में आसमान पर चमकदार लाल-हरी रोशनी कौंधते ही हल्ला मचने लगता था। लोग पूरी रात जागकर लाठी-डंडा लेकर पहरेदारी कर रहे थे। उनका आरोप था कि पहले ड्रोन उड़ता है, फिर संदिग्ध लोगों की गतिविधियां दिखाई देती हैं। ड्रोन का इस्तेमाल चोरी की रेकी के लिए किए जाने की उनकी आशंका लगातार गहराती जा रही थी। पुलिस के हरकत में आने पर लोगों का यही कयास सामने आता था कि ड्रोन उड़ाकर पहले ध्यान भटकाया जाता है, और जैसे ही वह लोग ड्रोन की ओर भागते हैं, गांव में सन्नाटा हो जाता है, जिसका फायदा चोर-बदमाश उठा सकते हैं। इस अफवाह में बेवजह तमाम सामान्य लोग निशाना भी बन रहे थे। अफरा-तफरी के आलम में कई स्थानों पर देर रात घर लौट रहे लोगों के साथ पहरा देने वाले असामाजिक तत्वों द्वारा ड्रोन उड़ाने के शक में अभद्रता व मारपीट की घटनाएं प्रकाश में आ रही थीं। गांवों से लेकर शहरों तक एक-दो स्थानों पर पुलिस ने एलईडी लाइट लगे कबूतर पकड़कर दहशत फैलाने की साजिश का खुलासा भी किया था।

इन परिस्थितियों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से यह आदेश दिया जाना कि अफवाह फैलाने या डर पैदा करने की किसी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, लोगों में सुरक्षा का भरोसा पैदा करने के लिए जरूरी हो गया था। ड्रोन के इस्तेमाल को लेकर नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कई नियम तय कर रखे हैं। इन नियमों की रोशनी में ही योगी सरकार ने प्रमुख सचिव गृह व पुलिस महानिदेशक को हर जिले में ड्रोन गतिविधियों की समीक्षा कर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जाहिर है कि तकनीक का गलत इस्तेमाल करने वालों के साथ सख्ती होनी ही चाहिए और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ की इजाजत किसी को नहीं मिलनी चाहिए।

प्रसंगवश

रैगिंग का लाइलाज मर्ज

डॉ. ओ.पी. त्रिपाठी
चिकित्सक

रैगिंग एक ऐसा शब्द है जो हर साल कॉलेज शुरू होते ही सुनाई देने लगता है। दुनियाभर में हर साल लाखों स्टूडेंट्स को इसका सामना करना पड़ता है और यह भयावह रूप ले चुका। अब कॉलेजों में रैगिंग को रोकने के लिए कई कठोर कदम उठाए गए हैं। हालांकि रैगिंग के खिलाफ कठोर कानून बनने पर अब इस धीरे-धीरे लगाम लग रही है लेकिन पूरी तरह नहीं। रैगिंग को दुनिया में अलग-अलग नामों से पहचाना जाता है। इसको हेजिंग, फेगिंग, बुलिंग, प्लेजिंग और हॉर्स प्लेइंग के नामों से जाना जाता है। यहां हम आपको बता रहे है कि यह सामाजिक बुराई ने कब से जानलेवा रूप धारण किया और कैसे भारत तक पहुंच गई। माना जाता है कि 7 से 8वीं शताब्दी में ग्रीस के खेल समुदायों में नए खिलाड़ियों में स्पोर्ट्स स्प्रिट जगाने के उद्देश्य से रैगिंग की शुरुआत हुई। इसमें जूनियर खिलाड़ियों को चिढ़ाया और अपमानित किया जाता था। यह कार्य समय के साथ-साथ बढ़ता गया और रैगिंग में बदलता गया। इसके बाद सेना में भी इसको अपनाया गया। खेल और सेना के बाद रैगिंग से शिक्षण संस्थान भी नहीं बचे और छात्रों इसको अपनाकर भयावह रूप दे दिया। किसी भी तरह का शारीरिक या मानसिक उत्पीड़न, मानवीय गरिमा को भंग करने वाला कोई काम, लिख-बोलकर किसी का अपमान करना या चिढ़ाना, डराना या धमकी देना, घर में बंद करना आदि कार्य को रैगिंग माना जाता है। सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन, हर कॉलेज में एंटी रैगिंग कमेटी, विश्वविद्यालय स्तर पर निगरानी और यूजीसी की हेल्पलाइन.. इन सबके बावजूद रैगिंग की घटनाओं पर रोक नहीं लग पा रही है। यूजीसी हेल्पलाइन पर पिछले एक दशक में रैगिंग की 8,000 से अधिक शिकायतें दर्ज की गई हैं, और रैगिंग से जुड़ी मौतों का आंकड़ा भी भयावह है। 2012 से 2022 के बीच रैगिंग की शिकायतों में 208 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। 2022 में कुल 1,103 शिकायतें आईं और अक्टूबर 2023 तक 756 शिकायतें दर्ज की गईं। इन घटनाओं से यह साफ हो रहा है कि रैगिंग के कारण छात्रों की मानसिक और शारीरिक स्थिति पर गहरा असर पड़ता है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि नियामक संस्था की सख्ती और शिक्षण संस्थाओं की सक्रियता के बावजूद रैगिंग का रोग काबू में नहीं आ रहा है। जब-तब कुछ छात्रों के आत्महत्या करने और कई मामलों में दोषी छात्रों के निलंबन व पुलिस कार्रवाई के मामले भी अक्सर उजागर होते हैं, मगर मर्ज है कि लाइलाज होता जा रहा है। सीनियर छात्र नए छात्रों को परेशान करने के लिए नए-नए तौर-तरीके तलाश लेते हैं। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पहले यूजीसी ने देश के 89 उच्च शिक्षा संस्थानों को कारण बताओ नोटिस जारी करके सख्त हिदायत दी है कि रैगिंग पर नियंत्रण करने वाले नियमों को सख्ती से क्यों लागू नहीं किया गया।

देशभर के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में वर्ष 2020 से 2024 के दौरान रैगिंग के कारण से 51 छात्रों की मौत हो गई। सोसाइटी अगेंस्ट वायलेंस इन एजुकेशन नामक संस्था द्वारा प्रकाशित 'स्टेट ऑफ रैगिंग इन इंडिया 2022-24' रिपोर्ट में इस तथ्य को उजागर किया गया है। कि मेडिकल कॉलेजों को भी रैगिंग की शिकायतों के लिए हॉटस्पॉट के रूप में पहचाना गया है, और कहा गया है, 'मेडिकल कॉलेज चिंता का एक विशेष क्षेत्र हैं क्योंकि 2022-24 के दौरान कुल शिकायतों का 38.6 प्रतिशत मेडिकल कॉलेज से ही संबंधित है, जबकि गंभीर शिकायतों का 35.4 प्रतिशत और रैगिंग से संबंधित मौतों का 45.1 प्रतिशत हिस्सा है। कुल छात्रों का केवल 1.1 प्रतिशत ही रैगिंग से संबंधित है। आंकड़ों से यह भी पता चला है कि इस अवधि के दौरान रैगिंग के कारण 51 छात्रों की जान चली गई, जो कोटा में दर्ज 57 छात्रों की आत्महत्याओं से लगभग बराबर है।' एक रिपोर्ट में कहा गया है, 'ऐसा नहीं है कि पूरे भारत में तीन वर्षों में केवल 3,156 रैगिंग की शिकायतें दर्ज की गईं। ये केवल राष्ट्रीय एंटी-रैगिंग हेल्पलाइन पर दर्ज की गई शिकायतें हैं। बड़ी संख्या में शिकायतें सीधे कॉलेजों में दर्ज की जाती हैं, और अगर मामला गंभीर है तो सीधे पुलिस में भी दर्ज की जाती हैं।' रैगिंग के देश में कई बड़े अभियान छेड़े जा चुके हैं मगर ये रुकने का नाम नहीं ले रही है। निस्संदेह, शिक्षण संस्थानों में रैगिंग की घटनाओं को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। दरअसल, शिक्षण संस्थानों को अपने परिसर में छात्रों के लिए परामर्श केंद्र बनाए जाने चाहिए, वहीं नए छात्रों की भी काउंसलिंग की जानी चाहिए, ताकि वे नई परिस्थितियों से साम्य स्थापित कर सकें।

भारत में मांसाहारी दुग्ध उत्पाद और चारा बेचना चाहता है अमेरिका

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ पत्रकार

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ऊल-जलूल टैरिफ संबंधी घोषणाएं करके भारत पर बेवजह दबाव बनाने में लगे हैं। उन्होंने 1 अगस्त से भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एकतरफा निर्णय ले लिया है। यही नहीं ट्रंप ने रूस से सैन्य उपकरण और कच्चा तेल खरीदने की वजह से अतिरिक्त जुर्माना लगाने की बात भी कही है। यह टैरिफ देशी भारतीय दुग्ध एवं कृषि उत्पाद हड़पने की दृष्टि से भी लगाया गया है। जिससे भारत दबाव में आकर इन उत्पादों के लिए भारतीय बाजार खोल दे। लेकिन भारत भली-भांति जानता है कि अमेरिका के सस्ते अनाज,पशु चारा और मांसाहारी चीज (पनीर) के लिए भारतीय बाजार खोल दिया जाता है तो किसान तो तबाह होगा ही शाकाहारी संस्कृति को भी पलीता लगेगा।

साथ ही भारत सरकार जिन प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पैक्स) को बढ़ावा देकर कृषि और दूध उत्पादों को वैश्विक बाजार में लाने की पृश्ठभूमि तैयार कर रही है, वह विचार भी चकनाचूर हो जाएगा। इसलिए सरकार ने साफ कह दिया है कि इन क्षेत्रों में बाहरी हस्तक्षेप स्वीकार नहीं है। वैसे भी अब यह सच्चाई सामने आ रही है कि एकतरफा वैश्वीकरण से दुनिया का भला होने वाला नहीं है। अतएव स्वदेशी उत्पादों के जरिए ही आत्मनिर्भर बने रहने की पहल जारी रखनी होगी। भारत इस दिशा में मजबूती से बढ़ भी रहा है। इसलिए ट्रंप जैसे वाचाल और सनकी शासक की परवाह करने की जरूरत नहीं है।

> भारत में गाय को माता यूं ही नहीं कहा जाता है। वे भारतीय ऋषि ही थे, जिन्होंने सबसे पहले जाना था कि गाय के दूध में ऐसे पोषक तत्व हैं, जो शरीर और दिमाग दोनों को ही स्वस्थ रखते हैं।

भारत में गाय को माता यूं ही नहीं कहा जाता है। वे भारतीय ऋषि ही थे, जिन्होंने सबसे पहले जाना था कि गाय के दूध में ऐसे पोषक तत्व हैं, जो शरीर और दिमाग दोनों को ही स्वस्थ रखते हैं। यह दूध ही है, जिससे दही, मठा, मक्खन और घी जैसे सह-उत्पाद निकलते हैं। ये उत्पाद मिठाई की दुकानों से लेकर डेयरी उद्योग के जरिए करोड़ों लोगों के रोजगार का मजबूत मध्यम बने हुए हैं। लंबे समय तक गाय से पैदा बैल पर ही भारतीय कृषि निर्भर रही है। इसी कृषि की जीडीपी में 24 प्रतिशत की भागीदारी है। भारतीय दुग्ध उत्पादन से लेकर दूध पीने में दुनिया में पहले स्थान पर हैं। इसी दूध पर अमेरिकी बाजार के कब्जे के लिए अमेरिका अपने यहां उत्पादित मांसाहारी दुग्ध उत्पाद और पशु चारा बेचना चाहता है। अन्य यूरोपीय देशों की निगाह भी इस दूध के व्यापार पर भी टिकी हैं। इस बाबत अमेरिका और भारत के बीच 500 बिलियन डॉलर के व्यापार समझौते पर बातचीत चल रही है। इसी समझौते की सूची में अमेरिकन मांसाहारी दूध के उत्पाद शामिल हैं। भारत सरकार ने इस बाबत दो टूक कह दिया है कि अमेरिकी दुग्ध उत्पादों और पशु चारे को भारतीय बाजार का हिस्सा नहीं बनाया जा सकता है। यह हमारे दुग्ध उत्पादक किसानों की आजीविका और उनकी संस्कृति की सुरक्षा से जुड़ा बड़ा प्रश्न है, जो स्वीकार योग्य नहीं है।

दरअसल अमेरिका मांस युक्त चीज (पनीर) और पनीर भारत में बेचने का इच्छुक है। इस चीज को बनाने की प्रक्रिया में बछड़े की आंत से बने एक पदार्थ का इस्तेमाल होता है। अत्यंत घिनौना कृत्य करके इसे चीज में मिलाया जाता है। शाकाहारी लोग इस प्रक्रिया को देख भी नहीं सकते हैं। इसलिए भारत के शाकाहारियों के लिए यह पनीर वर्जित है। गौ-सेवक व गऊ को मां मानने वाला भारतीय समाज इसे स्वीकार नहीं करता। अमेरिका में गायों को मांसयुक्त चारा खिलाया जाता है, जिससे वे ज्यादा दूध दें। हमारे यहां गाय-भैंसें भले ही कूड़े-कचरे में मुंह मारती फिरती हों, लेकिन दुधारू पशुओं को मांस खिलाने की बात कोई सपने में भी नहीं सोच सकता? लिहाजा अमेरिका को चीज बेचने की इजाजत नहीं मिल पा रही है।

देश में दूध उत्पादन में 96 हजार सहकारी संस्थाएं जुड़ी हैं। 14 राज्यों की अपनी दुग्ध सहकारी संस्थाएं हैं। देश में कुल कृषि खाद्य उत्पादों व दूध से जुड़ी प्रसंस्करण सुविधाएं महज दो फीसदी हैं, किंतु वह दूध ही है, जिसका सबसे ज्यादा प्रसंस्करण करके दही, मठा, घी, मक्खन, मावा, पनीर आदि बनाए जाते हैं। इस कारोबार की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इससे आठ करोड़ से भी ज्यादा लोगों की आजीविका जुड़ी है। करीब 1.5 करोड़ परिवार सहकारी दुग्ध उत्पादकता से जुड़े हैं, जबकि 6.5 करोड़ ग्रामीण परिवार आज भी सहकारिता के दायरे से वंचित हैं।

दूध उत्पादन में ग्रामीण महिलाओं की अहम भूमिका रहती है। रोजाना दो लाख से भी अधिक गांवों से दूध एकत्रित करके डेयरियों में पहुंचाया जाता है। बड़े पैमाने पर ग्रामीण सीधे शहरी एवं कस्बाई ग्राहकों तक भी दूध बेचने का काम करते हैं। इसी दूध के बाजार को अमेरिका हड़पना चाहता है। जबकि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कुछ माह पहले ही दस हजार नई कृषि सहकारी समितियों को हरी झंडी दिखाई है। अगले पांच साल में इनकी संख्या दो लाख तक पहुंचाने की है। इन्हीं सहकारी संस्थाओं के जरिए कृषि और दुग्ध उत्पादों को भारत से लेकर एशिया और यूरोप तक बाजार में पहुंचाने की है। ऐसे में यदि अमेरिकी दुग्ध उत्पादों के लिए भारतीय बाजार खोल दिए जाते हैं तो इन समितियों की मुश्किलें तो बढ़ेंगी ही, दुग्ध उत्पादक आठ करोड़ दूधियों की आजीविका पर भी संकट के बादल गहरा जाएंगे।

आमने सामने

तेजस्वी यादव द्वारा मतदाता सूची में अपना नाम न होने के आरोप पर भाजपा सांसद भीम सिंह ने कहा, "समाजवादी पार्टी और राजद, जो दो दल कांग्रेस का विरोध करने के लिए बने थे, उनके नेता अब कांग्रेस की गोद में खेल रहे हैं। तेजस्वी यादव को माफी मांगनी चाहिए। उनका नाम पहले से ही मतदाता सूची में था। वह इसे ठीक से जांच भी नहीं सकते।"

तेजस्वी यादव ने कहा, "मैंने कल जो सवाल उठाए थे, चुनाव आयोग ने प्रक्रिया क्यों छिपाई? चुनाव आयोग ने मृतक मतदाताओं या पलायन करने वालों का पता कैसे लगाया या कैसे तय किया? प्रक्रिया क्या थी? क्या उन्होंने उन मतदाताओं को नोटिस दिया जिनके नाम हटाए जा रहे थे? जब 'कुत्ता बाबू' और एक 'मोनालिसा' का आवासीय प्रमाण पत्र बनाया जा सकता है, तो हम देखते हैं कि प्रक्रिया कितनी गंभीरता से की गई थी"

समुद्री शक्ति का नया प्रहरी है आईएनएस हिमगिरि

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

भारत की समुद्री शक्ति लगातार नई ऊंचाईयों को छू रही है। 31 जुलाई को जब भारतीय नौसेना को स्वदेशी रूप से निर्मित शक्तिशाली मल्टी-रोल स्टील्थ गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट 'आईएनएस हिमगिरि' सौंपा गया तो भारत की समुद्री ताकत को और निर्णायक बढ़त मिली। नौसेना में 'हिमगिरि' युद्धपोत के शामिल होने से न केवल भारत की ब्लू-वॉटर नौसेना बनने की दिशा में प्रगति और तेज हुई है बल्कि चीन तथा पाकिस्तान की संयुक्त समुद्री रणनीतियों के समक्ष भी एक मजबूत जवाब तैयार हुआ है। आज भारत केवल एक सैन्य शक्ति नहीं बल्कि समुद्री शक्ति बनने की दिशा में भी आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है, जहां सुरक्षा के साथ-साथ घरेलू औद्योगिक और तकनीकी क्षमता का विस्तार हो रहा है। 'आईएनएस हिमगिरि' प्रोजेक्ट-17ए के तहत विकसित किए जा रहे सात अत्याधुनिक युद्धपोतों में से तीसरा है, जिसे कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) ने तैयार किया है। प्रोजेक्ट-17ए भारत की नौसैनिक शक्ति को आत्मनिर्भर और अत्याधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण पहल है, जिसकी कुल अनुमानित लागत 45,000 करोड़ रुपये है और इसके अंतर्गत कुल सात स्टील्थ फ्रिगेट्स का निर्माण किया जाना है, जिसमें चार मझगांव डॉक लिमिटेड (एमडीएल), मुंबई में और तीन जीआरएसई, कोलकाता में बनाए जा रहे हैं। इनमें से आईएनएस नीलगिरी और आईएनएस उदयगिरि को पहले ही नौसेना को सौंपा जा चुका है, शेष चार युद्धपोतों को 2026 के अंत तक सौंप दिया जाएगा।

> आईएनएस हिमगिरि एडवांस गाइडेड मिसाइलों से लैस है, जिसमें ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल और बराक-8 लॉन्ग रेंज सर्फेस टू एयर मिसाइल प्रणाली शामिल है।

जहां तक 'हिमगिरि' की बात है, यह आईएनएस हिमगिरि जीआरएसई द्वारा तैयार किया गया 801वां पोत है, जो इस सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी का अब तक का सबसे बड़ा और तकनीकी रूप से सबसे परिष्कृत पोत भी है। 149 मीटर लंबा और 6670 टन वजनी यह युद्धपोत न केवल भारत की तकनीकी क्षमता का प्रतीक है बल्कि आत्मनिर्भर भारत अभियान का भी जीवंत उदाहरण है। इसमें 75 प्रतिशत से अधिक उपकरण भारत में ही निर्मित किए गए हैं और इसका डिजाइन नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो द्वारा पूरी तरह स्वदेशी रूप से विकसित किया गया है। यह न केवल सतह से सतह और सतह से हवा में मार करने की क्षमता रखता है बल्कि इसकी गहराई में हमला करने की क्षमताएं भी इसे समुद्री युद्ध के हर पहलू के लिए तैयार बनाती हैं। इसे सबसे नवीनतम हथियार प्रणालियों, अत्याधुनिक सेंसर और उन्नत प्लेटफॉर्म मैनेजमेंट सिस्टम से लैस किया गया है। इसका डिजाइन ऐसा रखा गया है, जिससे इसकी रडार दृश्यता अत्यंत कम हो और यह आसानी से दुश्मन की नजरों से बचा रह सके।

आईएनएस हिमगिरि एडवांस गाइडेड मिसाइलों से लैस है, जिसमें ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल और बराक-8 लॉन्ग रेंज सर्फेस टू एयर मिसाइल प्रणाली शामिल है। साथ ही यह वरुणास्त्र टॉरपीडो और एंटी-सबमरीन रॉकेट लॉन्चर से भी सुसज्जित है, जिससे यह सतह, वायु और पनडुब्बी हमलों का जवाब देने में पूरी तरह सक्षम है। इसके अलावा अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम, टारगेट एक्विजिशन रडार, आधुनिक सोनार सिस्टम, कॉम्बैट मैनेजमेंट सिस्टम और एईएसए रडार तकनीक इसे एक अत्याधुनिक प्लेटफॉर्म बनाते हैं। यह युद्धपोत पूर्णतः स्वचालित युद्ध प्रबंधन प्रणाली से लैस है। इस युद्धपोत की मारक क्षमता का सबसे प्रमुख स्तंभ है ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, जिसकी नवीनतम संस्करण की रेंज 450 किलोमीटर तक बढ़ा दी गई है। वायु रक्षा के लिए तैनात की गई इस्राइली मूल की बराक-8 मिसाइल प्रणाली 70 किलोमीटर की दूरी से दुश्मन के विमानों, ड्रोन, हेलीकॉप्टरों और क्रूज मिसाइलों को निशाना बना सकती है। थ्री-डायमेंशनल युद्ध क्षमता से लैस यह फ्रिगेट जमीनी लक्ष्यों पर हमले, वायु रक्षा और पनडुब्बी रोधी अभियानों को अंजाम देने में सक्षम है। साथ ही, इसमें अत्याधुनिक हेलीकॉप्टर हैंगर और डेक भी है जहां से मल्टी-रोल नौसेना हेलीकॉप्टर संचालित किए जा सकते हैं। 'हिमगिरि' में कम क्रू के साथ संचालन के लिए ऑटोमेशन पर विशेष ध्यान दिया गया है। यह युद्धपोत डीजल इंजन और गैस टर्बाइन के संयोजन से संचालित होता है, जिससे यह लगभग 30 नॉट्स (करीब 55 किमी/घंटा) की रफ्तार प्राप्त कर सकता है। इसमें 225 नौसैनिकों और अधिकारियों के लिए आरामदायक आवास की व्यवस्था है और यह दो नौसैनिक हेलीकॉप्टरों को ले जाने और संचालित करने में सक्षम है। भारतीय नौसेना के अनुसार, 'हिमगिरि' भारत की नौसैनिक इंजीनियरिंग में आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। भारत की समुद्री रणनीति में 'हिमगिरि' की भूमिका केवल सामरिक नहीं, भू-राजनीतिक भी है। चीन द्वारा हिंद महासागर क्षेत्र में लगातार अपनी उपस्थिति बढ़ाने, श्रीलंका, पाकिस्तान, म्यांमार और अफ्रीकी तटवर्ती देशों में पोर्ट्स और बेस स्थापित करने की रणनीति का भारत के पास एकमात्र संतुलित उत्तर है, अपनी नौसेना को इतना सक्षम बनाना कि वह किसी भी प्रकार की घेराबंदी या आक्रामक रणनीति का जवाब दे सके। भारत अब केवल हिंद महासागर क्षेत्र में ही नहीं, अफ्रीका से लेकर दक्षिण चीन सागर और पश्चिमी प्रशांत तक अपनी नौसेनिक उपस्थिति मजबूत कर रहा है। फ्रांस, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान जैसे देशों के साथ साझा नौसैनिक अभ्यास, संयुक्त निगरानी अभियान, समुद्री सहयोग और क्वाड जैसी रणनीतिक साझेदारियों ने भारत की स्थिति को एक जिम्मेदार और शक्तिशाली समुद्री शक्ति के रूप में स्थापित किया है। कुल मिलाकर, 'हिमगिरि' का भारतीय नौसेना में शामिल होना केवल एक सैन्य उपलब्धि नहीं, राष्ट्रीय आत्मबल, तकनीकी श्रेष्ठता और आत्मनिर्भरता की मिसाल है।

सामयिकी

आवश्यक है शिक्षा व्यवस्था में बदलाव

राजकुमार जैन राजन
राजस्थान

शिक्षा जीवन का अनिवार्य अंग है। वर्तमान में पूरे विश्व में शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने के प्रयास हो रहे हैं। भारत सरकार भी शिक्षा संबंधी अभियान को पूरी तत्परता से चलाने का प्रयास कर रही है। देखा जाए तो शिक्षा व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन बहुत आवश्यक लगने लगा है। मनुष्य जीवन का सबसे सुंदर स्वर्णिम समय विद्यार्थी जीवन का ही होता है। विद्यार्थी जीवन ही सारे जीवन की नींव माना जाता है परंतु जिस प्रकार हम आधुनिकता की चकाचौंध में उन्नति की और बढ़ रहे हैं, हमारी शिक्षा व्यवस्था में भी नित नए परिवर्तन आते जा रहे हैं। आज विद्यालय व कॉलेज कैम्पस में प्राचीनकाल वाला वातावरण कहीं दिखाई नहीं देता। वर्तमान शिक्षा प्रणाली और आरक्षण व्यवस्था बच्चों में भेदभाव उत्पन्न कर रही है। यह भेद-भाव जाति, धर्म और अमीरी-गरीबी का है। इस कारण आज के बच्चे असहिष्णु होते जा रहे हैं। शिक्षा केवल धन कमाने और नौकरी प्राप्त करने का साधन ही बन कर रह गई है। अनुशासनप्रियता, नियमितता, समय पर कामकरना, उदारता, दूसरों की सहायता करना, सच्ची मित्रता, पुरुषार्थ, नीतिज्ञता, राष्ट्र प्रेम, विनोदप्रियता आदि गुण वर्तमान पीढ़ी से तिरोहित होते जा रहे हैं। वे अपनी सभ्यता एवं संस्कृति को भूलते जा रहे है। बदलते राजनीतिक दबावों ने भी हमारी उज्ज्वल सांस्कृतिक परम्पराओं और इतिहास को नष्ट कर अपने लाभ के हिसाब से पुनःर्रचित करते हुए हीरो को ज़ीरो और ज़ीरो को हीरो बनाकर प्रस्तुत किया। भारतीयों को गुलाम बनाने वाली मैकाले की शिक्षा व्यवस्था को ही हम आगे बढ़ाते रहे और अपनी महान संस्कृति को हम स्वयं शिक्षा के नाम पर नष्ट करने में व्यस्त रहे। सच्चाई यह है कि हमारा अध्यात्म, हमारी संस्कृति, हमारी परंपराएं आज के विज्ञान से अत्यधिक उच्च और सम्पन्न हैं। निहित स्वार्थों की खातिर हम अपने ही पांवों पर कुल्हाड़ी चलाने का ही काम करते रहे। वर्तमान शिक्षा पद्धति में जो ज्ञान परोसा जाता है, वह तो केवल बौद्धिक धरातल तक सीमित है, वह तो केवल जीविकोपार्जन तक सीमित रखता है। हम मैकाले के षड्यंत्र के मोहपाश में ऐसे बंधे रहे कि अपनी शिक्षा प्रणाली का ही दम घोंटते रहे। इस शिक्षा प्रणाली ने नौकर तो बनाये, पर इंसान नहीं। अब हमारी सरकार इस दिशा में चिंतनशील हुई है। मैकाले के षड्यंत्र को मिलकर विफल करने का समय आ गया है।

शिक्षक, अभिभवक और विद्यार्थी- ये तीन शिक्षा के महत्वपूर्ण घटक माने गए हैं। पाठ्य सामग्री, विद्यालय का वातावरण, परिवार का माहौल शिक्षा के सहायक अंग माने जा सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण और मूल तत्व है -विद्यार्थी। उसके संस्कार और चरित्र उत्तम है तो वह सफल शिक्षार्थी माना जाता है। पर, कुछ अपवादों को छोड़ दें तो वर्तमान परिदृश्य निराश करने वाला दिखाई पड़ता है। वर्तमान शिक्षा पद्धति में हिंसा, अपराध, आक्रामकता, बौद्धिक विकास का मायाजाल, भ्रष्टाचार और अनुशासनहीनता बढ़ती जा रही है। उच्च शिक्षा के केंद्र राजनीतिक पार्टियों की प्रयोगशाला बनते जा रहे हैं। इन सबसे बचने के लिए नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों के साथ ही बुनियादी शिक्षा को भी बढ़ावा दिया जाए। नैतिक और आध्यात्मिक शिक्षा कैसे दी जाए, इसका प्रारूप कैसा हो? इस तरफ़ विद्वतजनों, नीति निर्धारकों को प्रबल इच्छा शक्ति के साथ आगे बढ़ना चाहिए। आश्चर्य महाप्रज्ञ जी का चिंतन था कि, 'शिक्षा वही अच्छी है जो आदमी के अधूरेपन को दूर कर उसे एक अच्छा इंसान बनाने के साथ-साथ अच्छा डॉक्टर, अच्छा वकील, अच्छा इंजीनियर, अच्छा वैज्ञानिक, अच्छा राजनीतिज्ञ, अच्छा प्रोफेशनल्स बनाएं, जो प्रामाणिकता और ईमानदारी की भावना से चित्त को भावित करती रहे। आदमी कर्तव्य के प्रति निष्ठावान बनें। व्यक्ति पढ़ने के साथ-साथ अपने जीवन को भी गढ़े, वही शिक्षा जीवन के लिए आवश्यक है। जीवन मूल्यों एव नैतिकता की शिक्षा द्वारा राष्ट्रीयता तथा मानव सेवा का पाठ पढ़कर अच्छे नागरिक तैयार हों, यही शिक्षा का उद्देश्य होना चाहिए।'

सोशल फोरम

अदालतों के धर्मसंकट

अमरजीत सिंह
लखनऊ

अदालतों के फैसले किसी को खुश करते हैं तो किसी को नाराज़। फैसला पक्ष में आये तो "सत्य की जीत" और अगर खिलाफ हो तो "सत्य प्रताड़ित हो सकता है लेकिन पराजित नहीं" बहुत लोग इसे दूध का दूध पानी का पानी होना भी कहते हैं। अदालतों के फैसलों पर सिर्फ कानून के विशेषज्ञ ही इस पर निष्पक्ष राय रख सकते हैं। आज के दौर में कोई भी निष्पक्ष नहीं हो सकता यह भी एक सत्य है। अभी हाल ही में दो मामलों में अलग-अलग अदालतों ने दो फैसले दिये।

पहला मामला था मुंबई में लोकल ट्रेनों में सीरियल बम ब्लास्ट। बॉम्बे हाईकोर्ट ने लंबे समय से चल रहे केस के 12 आरोपियों को बरी कर दिया। फ़ैसले में कोर्ट ने जांच एजेन्सियों की कार्य प्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए और पूरी रिपोर्ट को एक तरह से गैर-कानूनी बताया। लेकिन मजे की बात है जांच पड़ताल में शामिल किसी भी अधिकारी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। बम ब्लास्ट में मारे गए और ज़ख्मी लोगों के परिजनों को कोई न्याय नहीं मिला और ना ही बरी किए गए आरोपित लोगों को निर्दोष होने पर भी जेल में रखे जाने का मुआवज़ा। एक तरह से सोचें कि न्याय किसी को नहीं मिला। लेकिन गलत-सलत जांच पड़ताल करने वालों पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। मतलब खाया पिया कुछ नहीं, गिलास तोड़ा बारह आना।

दूसरा मामला है मालेगांव बम ब्लास्ट। आरोपी बरी हो गए। अदालत अपने फैसले में स्वंय स्वीकार करती है कि "गहन संदेह के बावजूद, सबूतों के अभाव में" आरोपित लोगों को बरी कर दिया जाता है। मालेगांव बम ब्लास्ट में भी बहुत लोग मारे गए लेकिन न्याय उनको भी नहीं मिला। भारतीय जनता पार्टी की सरकार कोर्ट के फैसले को विपक्ष के मुंह पर तमाचा बता रही है। अगर कोर्ट के फैसले किसी के मुंह पर तमाचा हैं तो मुंबई लोकल ट्रेन सीरियल बम ब्लास्ट के मामले में आया फैसला किसके मुंह पर तमाचा है।

मालेगांव बम ब्लास्ट मामले में अदालत ने आरोपियों पर गहन संदेह तो व्यक्त करते हुए सबूतों के अभाव को भी शामिल किया है। सुबूत कहां गए? गवाहों की स्टेटमेंट जो अदालत में जमा थी अचानक फाइल से गायब हो गई या कर दी गई। यह जांच पड़ताल का विषय है लेकिन अदालतों ने उन गवाहों के लिखित बयानों की फोटोकॉपी को क्यों नहीं स्वीकार किया इसका जवाब तो अदालत ही दे सकती है। कोर्ट के रिकॉर्ड से कागज गायब हो जाएंगे और फोटोकॉपी को अदालत स्वीकार नहीं करगी तो सबूतों का अभाव तो होगा ही। यह अच्छा तर्क है कि संदेह तो गहन है, लेकिन सबूत नहीं हैं। इसलिए सब निर्दोष हैं।

-फेसबुक वॉल से

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- bly.editor@amritvichar.com, info@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

कार में एडीएस ने कम कर दिया सड़क पर जोखिम

60%
तक दुर्घटना की संभावना को कम कर सकता है

- प्रमुख कार निर्माता कंपनियों का दावा है कि एडीएस दुर्घटनाओं के जोखिम को 60 फीसदी तक कम कर सकता है। इसमें समाहित लेन डिपार्चर वार्निंग (एलडीडब्ल्यू) और लेन कीप असिस्ट (एलकेए) जैसे फीचर्स ड्राइवर को अपनी लेन में रहने में मदद करते हैं और कार को लेन से भटकने पर अलर्ट करते हैं। इसी तरह ब्लाइंड स्पॉट डिटेक्शन (बीएसडी) ब्लाइंड स्पॉट में मौजूद वाहनों का पता लगाकर ड्राइवर को सूचित करता है, जिससे लेन बदलते समय दुर्घटना का खतरा कम होता है।

लापरवाही का संकेत मिलते ही करता है अलर्ट

- एडीएस का एडैप्टिव क्रूज कंट्रोल (एसीसी) सामने वाले वाहन से सुरक्षित दूरी बनाए रखते हुए कार की गति को स्वचालित रूप से समायोजित करता है, इससे लंबी यात्राओं में ड्राइवर को थकान कम होती है, जबकि ड्राइवर अटेंशन वार्निंग सिस्टम ड्राइवर के व्यवहार को मॉनिटर करके थकान या लापरवाही के संकेत मिलने पर अलर्ट करता रहता है।

तंग जगह पर आसानी से हो जाती कार की पार्किंग

- ऑटोमैटिक पार्किंग फीचर तंग जगह में पार्किंग को आसान बनाता है। इसमें लगा ट्रैफिक साइन रिकग्निशन सड़क संकेतों को पहचानता है और ड्राइवर को गति सीमा जैसी महत्वपूर्ण जानकारी से अवगत कराता रहता है। हाई बीम असिस्ट सुविधा ट्रैफिक के आधार पर हाई और लो-बीम हेडलाइट्स के बीच स्वचालित रूप से स्विच करती रहती है।

कुछ समय पहले तक महंगी कारों की शान और सुरक्षा बढ़ाने वाला फीचर एडीएस (एडवांस ड्राइवर असिस्टेंट सिस्टम) जब से किफायती कारों अमेज जैसे वैरियंट में मिल रहा है, लोगों में इसे लेकर ललक बढ़ती जा रही है। डीलर नई कार खरीदते समय जहां एडीएस का विशेष उल्लेख करते हैं, वहीं जानकार ग्राहक किस वैरिएंट में एडीएस उपलब्ध है, पूछना नहीं चूकते। दरअसल, एडीएस एक ऐसी आधुनिक तकनीक है, जो वाहनों में सुरक्षा और सुविधा बढ़ाने के लिए बनाई गई है। यह सिस्टम विभिन्न सेंसर, कैमरों, और रडार का उपयोग करके ड्राइवर को सहायता प्रदान करता है और दुर्घटनाएं रोकने में मदद करने के साथ ड्राइविंग को आरामदेह बनाता है। एडीएस को इसी खूबी के कारण भारत की भीड़भाड़ वाली, लेन अनुशासन की कमी और अप्रत्याशित ट्रैफिक पैटर्न वाली सड़कों पर कारों में महत्वपूर्ण उपयोगी सेफ्टी फीचर माना जा रहा है।

दुर्घटना से बचने में करता है मदद

- एडीएस फीचर कार के आसपास का माहौल पता करके मानवीय त्रुटियां कम करते हुए दुर्घटनाओं को रोकता है। यह ड्राइवर को डिस्प्ले पर साउंड, वाइब्रेशन और सिग्नल के माध्यम से संकेत देकर दुर्घटना से बचने में मदद करता है। ट्रैफिक जाम में यह ब्रेक और एक्सीलेटर पेडल को लगातार समायोजित करने की आवश्यकता कम करके थकान और तनाव कम करने के साथ संभावित खतरों से बचाता है। इसके फॉरवर्ड कोलिजन वार्निंग (एफसीडब्ल्यू) और ऑटोमैटिक इमरजेंसी ब्रेकिंग (एईबी) जैसे सिस्टम संभावित टक्करों का पता लगा सकते हैं और ड्राइवर को चेतावनी दे सकते हैं या अपने आप ब्रेक लगा सकते हैं।

94%
गंभीर कार हादसे मानवीय भूल के कारण होते

- एनएचएआई के एक अध्ययन के अनुसार 94 फीसदी गंभीर कार दुर्घटनाएं मानवीय भूल के कारण होती हैं। इसे देखते हुए ही एडीएस को वाहनों में स्वचालित पहचान, नेविगेशन और बचाव सुविधाओं को एकीकृत करके विकसित किया गया है।

जाम में कार खुद आगे बढ़ती ब्रेक लगता और रुक जाती

- एडीएस के अंतर्गत ट्रैफिक जाम असिस्टेंस (टीजीए) एक उन्नत ड्राइवर सहायता प्रणाली है जो एडाप्टिव क्रूज कंट्रोल चालू होने पर आसपास के वाहनों की गति को लगातार मापती रहती है।

ट्रैफिक जाम असिस्टेंस चालू होने पर कार स्वचालित रूप से आगे वाले वाहन का अनुसरण करती है। यह अपने आप गति बढ़ाती और ब्रेक लगाती है, और जरूरत पर रुक जाती है। इसकी बुद्धिमान तकनीक लगातार आपके सामने वाले वाहन से निर्धारित दूरी बनाए रखती है और लेन के बीच में रहने के लिए स्वचालित रूप से स्टीयर भी करती है।

बुजुर्गों व नए कार चालकों के लिए विशेष उपयोगी तकनीक

एडीएस अलग-अलग सेंसर और कैमरों का इस्तेमाल करके सड़क पर ट्रैफिक घनत्व की परवाह किए बिना बहुत आरामदायक, चिंतामुक्त और सुरक्षित ड्राइविंग उपलब्ध कराता है। यह आपकी कार के आसपास के वातावरण को मॉनीटर करके ड्राइवर को चेतावनी देती है और दुर्घटना रोकने के लिए ऑटोमैटिक कार्रवाई करती है। एडीएस की यह खूबियां बुजुर्गों और उन नए ड्राइवरों के लिए विशेष रूप से उपयोगी हैं, जिन्हें विजिबिलिटी की थोड़ी दिक्कत है या जिनका रिएक्शन टाइम कम है।

- एडीएस बहुत फायदेमंद है, लेकिन भारत में इसे लेकर कुछ चुनौतियां भी हैं, जैसे एडीएस को ठीक से काम करने के लिए स्पष्ट सड़क चिह्नों और अच्छी तरह से बनाई गई सड़कों की आवश्यकता होती है। ऐसे में भारत में सड़कों की खराब स्थिति और चिह्नों में भिन्नता इसकी प्रभावशीलता को कम कर सकती है। तमाम ड्राइवरों को एडीएस सुविधाओं का उपयोग करने का तरीका नहीं पता होता है, जिससे वे पूरी तरह से लाभ नहीं उठा पाते हैं। एडीएस सिस्टम में शामिल सेंसर और कैमरे नाजुक होते हैं और क्षतिग्रस्त होने पर उनकी मरम्मत महंगी हो सकती है।

लेखक
शरद अग्निहोत्री
महाप्रबंधक
कुलदीप मोटर्स कानपुर

दुनिया के वाहन बाजार में भारत का डंका

भारत पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य हासिल कर सके, इसके लिए ऑटोमोबाइल सेक्टर अहम भूमिका निभा रहा है। वित्त वर्ष 2024-25 में जापान को पीछे छोड़कर भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा वाहन बाजार बन चुका है। इस दौरान देश में करीब सवा तीन करोड़ वाहनों का निर्माण किया गया। इनमें सभी प्रकार के यात्री वाहन, वाणिज्यिक वाहन, तिपहिया और दोपहिया वाहन शामिल रहे। ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में अब भारत से आगे सिर्फ अमेरिका और चीन हैं।भारत की आटोमोबाइल इंडस्ट्री लगभग तीन करोड़ लोगों को रोजगार देती है।

सरकार की कमाई में भी इस इंडस्ट्री का अहम योगदान है। जीएसटी से होने वाली कुल आय का 15% हिस्सा ऑटो इंडस्ट्री से ही आता है। इसके अलावा, ऑटो इंडस्ट्री का कुल मार्केट साइज 20 से 22 लाख करोड़ रुपये का है, जो इसे भारत के सबसे बड़े उद्योगों में से एक बनाता है।

बीते वर्ष भारत से लगभग 57 लाख वाहन विदेशों में निर्यात किए गए, खासकर जापान, मैक्सिको और अफ्रीका के बाजार में। यह क्षेत्र भारत के कुल जीडीपी में करीब 7.1 प्रतिशत और विनिर्माण जीडीपी में 49 प्रतिशत का योगदान देता है, तथा देश के कुल निर्यात का लगभग 8 प्रतिशत हिस्सा बनाता है। भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग के 2030 तक 60 लाख यात्री वाहनों की बिक्री का अनुमान है, जिससे भारत वैश्विक ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बन जाएगा।

वियतनाम की कार कंपनी विनफास्ट ने शुरू की बुकिंग

विदेशी इलेक्ट्रिक वाहन कंपनियां अब भारत के बाजार का रुख कर रही हैं। वियतनाम की कार कंपनी विनफास्ट ने अपने वीएफ6 और 7 मॉडल की बुकिंग शुरू कर दी है। कंपनी ने देश के 27 शहरों में शोरूम खोलने के लिए डीलर्स के साथ समझौते किए हैं। एलन मस्क की टेस्ला पहले ही भारत में आ चुकी है।टेस्ला ने भारत में फैक्टरी नहीं खोलने की निर्णय लिया है, इस कारण उसे आयातित मॉडल वाई पर शुल्क चुकाना पड़ रहा है, इससे भारत में कार की कीमत अमेरिका से करीब 77 फीसदी अधिक है। उधर, विनफास्ट अपनी कार की बुकिंग 21,000 रुपये में कर रही है। उसने अभी कार की कीमत का खुलासा नहीं किया है। कंपनी का दावा है कि वह अगले पांच साल में तमिलनाडु के तुतुक्कुडि संयंत्र में दो अरब डॉलर निवेश करेगी।इसी तरह शीर्ष ईवी निर्माता कंपनी बीवाईडी ने भारत में विनिर्माण में एक अरब डॉलर का निवेश करने का निश्चय किया था लेकिन खबरों के मुताबिक सरकार ने अभी इसकी इजाजत नहीं दी है।

सुबह की सैर, आसपास प्रकृति की खोज जंगली रास्तों तथा आउटडोर रोमांचक लोगों के लिए आकर्षक विकल्प

सेहत और पर्यावरण का पहिया बनी ई-साइकिल

देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती संख्या के बीच इलेक्ट्रिक साइकिलें भी महत्वपूर्ण तरीके से अपनी जगह बना रही है। परंपरागत रूप से आवागमन के सर्वाधिक पुराने, विश्वसनीय, सुविधाजनक, सेहतमंद और पर्यावरण अनुकूल साधन के रूप में साइकिल की पहचान इसके इलेक्ट्रिक अवतार में भी बरकरार है। देश में इलेक्ट्रिक साइकिल बाजार तेजी से वृद्धि कर रहा है। जहां इस वर्ष बिक्री का आंकड़ा 50 लाख तो अगले साल 2026 में 60 लाख यूनिट इलेक्ट्रिक साइकिलों की बिक्री का अनुमान लगाया जा रहा है।

इलेक्ट्रिक साइकिल में बिजली का मोटर लगा होता है, जिसका उपयोग शक्ति प्रदान करने के लिए किया जाता है। ई-साइकिल में रिचार्जेबल बैटरी का इस्तेमाल होता है। आम तौर पर यह 25 से 33 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चलाई जा सकती है। हालांकि कई उच्च शक्ति वाली ई साइकिलें 45 किमी प्रति घंटा या इससे भी ज्यादा गति से चल सकती हैं। ई-साइकिल के शौकीन युवाओं का कहना है कि यह न केवल यात्रा के लिए व्यावहारिक हैं, बल्कि सुबह की सैर और अपने आसपास प्रकृति की खोज करने का बेहतरीन तरीका हैं। साइकिल मार्केट में इनोवेशन की धूम दिखाई देती है। इससे न सिर्फ स्टाइल बदल रहा है, बल्कि कीमतें घटाने और सहूलियत बढ़ाने के साथ स्पोर्टी लुक पर भी जोर है। देश में इलेक्ट्रिक साइकिलें बनाने वाली प्रमुख कंपनियों में हीरो, बजाज, ओकिनावा, अथर एनर्जी, सिंपल एनर्जी, एम्प्री इलेक्ट्रिक, टीवीएस आईक्यूब, रिवोल्ट मोटर्स आदि शामिल हैं। सभी कंपनियों के पास इलेक्ट्रिक साइकिलों की विस्तृत श्रृंखला है।

काम की बात

बारिश में फिसलने और गिरने से ऐसे बच सकते

जो लोग बाइक और स्कूटर चलाते हैं, उनके लिए बारिश का महीना काफी चुनौतीपूर्ण होता है। फिसलन और कम विजिबिलिटी के साथ रोड एक्सिडेंट का खतरा हो सकता है। ऐसे में अपने दोपहिया वाहनों की टायरों की कंडीशन जांचें और सही एयर प्रेशर रखें। कम प्रेशर वाले टायर भी फिसल सकते हैं और ज्यादा प्रेशर वाले टायर सड़क पर कम संपर्क बनाते हैं। ब्रेक का सही इस्तेमाल करना और तेज बारिश में हेडलाइट्स चालू रखना भी जरूरी है। मॉनसून सीजन में टायरों की कंडीशन जांचना भी जरूरी है। टायरों में अच्छी ग्रिप, यानी ट्रेड डेप्थ सही होनी चाहिए। ट्रेड डेप्थ टायरों पर बनी गहरी नालियों को कहते हैं।

हर नए दोपहिया वाहन में होगा एबीएस

भारत में बिकने वाले हर नए दोपहिया वाहन में एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम (एबीएस) होना ज़रूरी होगा, चाहे इंजन का आकार कुछ भी हो। इसके अलावा, डीलरशिप को प्रत्येक वाहन के साथ दो बीआईएस -प्रमाणित हेलमेट भी देने होंगे। एक बाइक चलाने वाले के लिए और दूसरा पीछे बैठने वाले के लिए। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने इस नए नियम को लागू करने के लिए केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 में महत्वपूर्ण बदलाव प्रस्तावित किए हैं।

फन और लग्जरी की धूम मचाने आ रही नई कारें

मॉनसून ऑफर की बौछार के साथ साल का बचा आधा हिस्सा कार खरीदारों के लिए ऐसे धमाकेदार और रोमांचक विकल्पों से भरा रहने वाला है, जिसमें हर बजट और पसंद के हिसाब से कुछ न कुछ नया होगा। प्रमुख कार कंपनियां और भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार भी हर वर्ग के नए ग्राहकों को लुभाने की तैयारी में है। साल के अंत तक कई नई कारें, जिनमें इलेक्ट्रिक वाहन, फेसलिफ्ट मॉडल और नए वेरिएंट शामिल हैं, भारतीय सड़कों पर उतरने वाली हैं। ये गाड़ियां न सिर्फ ग्राहकों की जरूरत को नया आयाम देंगी, बल्कि भारतीय ऑटो उद्योग के भविष्य को भी नया आकार देंगी। इस तरह कहा जा सकता है कि चाहे आप फन टू ड्राइव हैचबेक की तलाश में हों या प्रैक्टिकल एमपीवी अथवा स्पेशल एडिशन चाहते हों, सबके लिए कुछ न कुछ उपलब्ध होगा।

सबसे बड़ी खबर इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट से है। टाटा मोटर्स अपनी बहुप्रतीक्षित टाटा हैरियर ईवी और टाटा सियेरा ईवी लॉन्च करने जा रही है। ये दोनों कारें इलेक्ट्रिक एसयूवी बाजार में तहलका मचा सकती हैं। उधर किया भी अपनी किया कैरेंस ईवी और किया सारेस (एक कॉम्पैक्ट एसयूवी ईवी) के साथ इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देगी। महिंद्रा भी अपनी एक्सयूवी. ई8 और एक्सयूवी 3 एक्स 0 ईवी के साथ इस रेस में शामिल है। मारूति सुजुकी की पहली ऑल-इलेक्ट्रिक एसयूवी, मारूति सुजुकी ई-विटारा भी साल के अंत तक लॉन्च होने की उम्मीद है। यह कार भारतीय ईवी बाजार में एक बड़ा खिलाड़ी साबित होगी।

लग्जरी और परफॉरमेंस की नई उड़ान

प्रीमियम सेगमेंट में मर्सिडीज एएमजी जीटी कॉप और ऑडी क्यू6ई-ट्रान जैसी लग्जरी कारें भारतीय सड़कों पर अपनी छाप छोड़ने को तैयार हैं। स्कोडा अपनी आक्टेविया आरएस के साथ सेडान प्रेमियों को खुश करेगी।

एसयूवी का जलवा रहेगा जारी

एसयूवी सेगमेंट में नए मॉडल्स और अपडेटेड वेरिएंट की भरमार है। महेंद्रा न्यू बेलेरो और एमजी ग्लोस्टार फेसलिफ्ट बाजार में अपनी मजबूत उपस्थिति बनाए हैं। टाटा पंच फेसलिफ्ट और टाटा सफारी ईवी पाइपलाइन में हैं, जो अपने आधुनिक डिजाइन और फीचर्स के साथ ग्राहकों को आकर्षित करेंगी। टाटा अल्ट्रोज फेस लिफ्ट से जहां पर्दा उठ चुका है, वहीं हुंडई की पॉपुलर क्रेटा के इलेक्ट्रिक वर्जन की प्रतीक्षा इसी साल पूरी होने की उम्मीद है।

ये नए लॉन्च भी बनेंगे बाजार का हिस्सा

- रेनॉल्ट ट्राइबर फेस लिफ्ट और रेनॉल्ट न्यू किड नए अवतार में आने को तैयार हैं, तो रेनो डस्टर भी नए लुक में लॉन्च होने वाली है। स्कोडा कुशाक फेसलिफ्ट भी बेहतर फीचर्स के साथ दस्तक देगी। विनफास्ट जैसी नई कंपनियां भी विनफास्ट वीएफ 6 और 7 जैसे मॉडलों के साथ भारतीय बाजार में प्रवेश कर रही हैं, जो प्रतिस्पर्धा को और बढ़ाएंगी।
- **41 लाख यूनिट पार हुआ बिक्री आंकड़ा :** भारतीय ऑटो उद्योग 2025 में मजबूत बिक्री वृद्धि का अनुमान लगा रहा है। बीते वित्त वर्ष 2025 में कारों की बिक्री का आंकड़ा 41.53 लाख यूनिट से अधिक रहा है। इसमें मारुति सुजुकी, महेंद्रा, किया और टोयोटा जैसी कंपनियों ने अच्छी वृद्धि दर्ज की है। इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट में टाटा और महेंद्रा जैसे दबदबा जारी रहने की उम्मीद है।

लेखक
परेश त्रिवेदी
आटो एक्सपर्ट

सहकारी समितियों ने शुरू की भारत टैक्सी सेवा

नई दिल्ली। भारत का सहकारी क्षेत्र साल के अंत तक भारत टैक्सी सेवा शुरू करके ओला और उबर जैसी कंपनियों को चुनौती देने को तैयार है। इसको 300 करोड़ की अधिकृत पूंजी प्राप्त है और चार राज्यों में 200 चालकों को जोड़ा जा चुका है। 6 जून को पंजीकृत बहु-राज्य सहकारी टैक्सी कोऑपरेटिव, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम, भारतीय कृषक उर्वरक सहकारी व गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ सहित आठ सहकारी समितियों के संघ का प्रतिनिधित्व करता है।

अमृत विचार

बरेली, सोमवार, 4 अगस्त 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

पीसी ज्वेलर ने 335 करोड़ का कर्ज किया कम

नई दिल्ली। पीसी ज्वेलर लिमिटेड का शुद्ध कर्ज पिछले चार महीनों में 19 प्रतिशत या 335 करोड़ रुपये घटकर 1,445 करोड़ रुपये रह गया है। पीसी ज्वेलर के प्रबंध निदेशक बलराम गर्ग ने बताया कि बिक्री बढ़ने से कर्ज कम करने में मदद मिली और चालू वित्त वर्ष के अंत तक कंपनी कर्ज मुक्त होगी। दिल्ली स्थित पीसी ज्वेलर के देश के प्रमुख शहरों में 52 शोरूम हैं, जिनमें से 49 कंपनी के स्वामित्व वाले हैं। गर्ग ने बताया, हमने अप्रैल-जुलाई के दौरान 335 करोड़ के बैंक ऋण चुकाए हैं। पीसी ज्वेलर आंतरिक स्रोतों और निवेशकों से जुटाए धन से अपना कर्ज कम कर रही है।

बीएसएनएल, नुमालीगढ़ रिफाइनरी में समझौता

नई दिल्ली। सरकारी दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल ने रिफाइनरी क्षेत्र में 5जी निजी नेटवर्क की तैनाती के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। रविवार को आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। गुवाहाटी में वित्त मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित 'सीपीएसई के लिए उद्योग 4.0 कार्यशाला' के दौरान दोनों कंपनियों के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता ज्ञापन के तहत, बीएसएनएल और एनआरएल रिफाइनरी क्षेत्र में भारत का पहला 5जी सीएनपीएन (कैप्टिव नॉन-पब्लिक नेटवर्क) स्थापित करने के लिए सहयोग करेंगे, जिससे सुरक्षित, अति-विश्वसनीय और तत्काल औद्योगिक संपर्क का एक नया युग शुरू होगा।

निप्पॉन इंडिया एमएफ ने लेह में रखा कदम

लेह। निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड ने वित्तीय समावेशन को मजबूत करने के लिए लेह में शाखा खोली है और सीमावर्ती क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति बढ़ाने की योजना बना रही है। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संदीप सिक्का ने यह जानकारी दी। इसके साथ ही, जापान की निप्पॉन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी द्वारा प्रवर्तित निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट (एनएएम इंडिया) इतने ऊंचाई वाले क्षेत्र में प्रत्यक्ष उपस्थिति दर्ज करने वाली देश की एकमात्र संपत्ति प्रबंधन कंपनी (एएमसी) बन गई है। यह एनएएम इंडिया की 167वीं शाखा है। सिक्का ने कहा कि लद्दाख में आर्थिक गतिविधियों में तेजी दिखी है। इसका वित्तीय परिदृश्य अविकसित है और निवेश उत्पादों तक पहुंच सीमित है।

बाजार में बदलाव का दिखेगा असर

ब्याज दर पर निर्णय, तिमाही नतीजे और शुल्क संबंधी खबरें करेंगी शेयर बाजार को प्रभावित

नई दिल्ली, एजेंसी

इस सप्ताह शेयर बाजार ब्याज दर पर आरबीआई के फैसले, कई प्रमुख कंपनियों के तिमाही नतीजों और शुल्क संबंधी खबरों पर नजर रखेगा। इसके अलावा, विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियां और वैश्विक इक्विटी बाजारों के रुझान भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित करेंगे।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (अनुसंधान) अजीत मिश्रा ने कहा कि घरेलू स्तर पर, सभी की निगाहें भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति की बैठक पर होंगी, जहां मुद्रास्फीति, नकदी और वृद्धि को लेकर केंद्रीय बैंक की टिप्पणियों पर गहरी नजर रहेगी। आय के मोर्चे पर भारती एयरटेल, डीएलएफ, बजाज ऑटो, हीरो मोटोकॉर्प, टाटा मोटर्स, भारतीय स्टेट बैंक और भारतीय जीवन बीमा निगम जैसी प्रमुख कंपनियों के नतीजे आने वाले हैं।

मिश्रा ने कहा कि अन्य महत्वपूर्ण कारकों में एचएसबीसी सेवा और समग्र पीएमआई की घोषणा, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और व्यापार वार्ता पर अमेरिकी रुख शामिल हैं। ये सभी निकट भविष्य में बाजार की चाल को प्रभावित कर सकते हैं। व्यापार संबंधी चिंताओं और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली ने पिछले सप्ताह बाजारों में निराशा को और बढ़ा दिया। स्वास्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक प्रवेश गौर ने कहा कि वैश्विक और घरेलू कारकों से बढ़ी अस्थिरता के बीच छह अगस्त को होने वाली आरबीआई की नीतिगत बैठक एक महत्वपूर्ण घटना होगी। उन्होंने कहा कि इस बीच अदाणी पोर्ट्स, भारती एयरटेल, बजाज ऑटो, हीरो मोटोकॉर्प, ट्रेंट, टाइटन, भारतीय स्टेट बैंक और टाटा मोटर्स सहित कई प्रमुख कंपनियों के नतीजे आने वाले हैं, जिससे शेयर-विशिष्ट गतिविधियों में तेजी आ सकती है।

● विदेशी निवेशकों की गतिविधियां और वैश्विक इक्विटी बाजारों के रुझान पर भी निवेशकों की होगी नजर

शीर्ष सात कंपनियों की पूंजी 1.35 लाख करोड़ घटी

नई दिल्ली। देश की 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में सात का संयुक्त बाजार मूल्यांकन पिछले हफ्ते 1.35 लाख करोड़ रुपये घट गया। इसमें टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को सबसे ज्यादा झटका लगा। पिछले हफ्ते, बीएसई सेंसेक्स 863 .18 अंक या 1 .05 प्रतिशत टूट गया। इस दौरान टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और बजाज फाइनेंस के बाजार मूल्यांकन में संयुक्त रूप से 1,35,349 .93 करोड़ रुपये की गिरावट आई। दूसरी ओर रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर का संयुक्त मूल्यांकन बढ़ा। इन तीनों कंपनियों ने कुल मिलाकर 39,989 .72 करोड़ रुपये जोड़े। टीसीएस का मूल्यांकन 47,487 .4 करोड़ रुपये घटकर 10,86,547 .86 करोड़ रुपये रह गया। भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 29,936 .06 करोड़ रुपये घटकर 10,74,903 .87 करोड़ रुपये रह गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का मूल्यांकन 32,013 .18 करोड़ रुपये बढ़कर 5,99,462 .97 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही। उसके बाद एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एलआईसी और बजाज फाइनेंस का स्थान रहा।

अमेरिकी शुल्क और रूस से व्यापार पर जुर्माने ने किया अल्पावधि में बाजार की धारणा को प्रभावित

पिछले सप्ताह, बीएसई सेंसेक्स 863 .18 अंक या 1 .05 प्रतिशत और एनएसई निफ्टी 271 .65 अंक या 1 .09 प्रतिशत गिरा। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने और रूस के साथ ऊर्जा एवं रक्षा के व्यापार के कारण जुर्माना लगाने का फैसला अप्रत्याशित था। इसने अल्पावधि में बाजार की धारणा को प्रभावित किया है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के शोध प्रमुख (संपत्ति प्रबंधन) सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि अमेरिकी शुल्क लागू होने, अब तक मिले-जुले नतीजों और एफआईआई की बढ़ती निकासी के बीच भारतीय शेयर बाजारों के मजबूत बने रहने की उम्मीद है।

आरबीआई रेपो रेट को रख सकता है यथावत

मुंबई, एजेंसी

● केंद्रीय बैंक पहले ही अल्पकालिक उधार दर (रेपो रेट) में लगातार तीन बार कर चुका है कटौती

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) बुधवार को अपनी आगामी द्विमासिक मौद्रिक नीति में प्रमुख अल्पकालिक उधारी दर को लगातार तीन कटौतियों के बाद 5.5% पर यथावत रख सकता है। विशेषज्ञों का यह कहना है। हालांकि, अमेरिकी शुल्क की बढ़ती अनिश्चितताओं और मुद्रास्फीति के कम होते रुझानों के मद्देनज़र निकट भविष्य में आर्थिक वृद्धि के लिए प्रतिकूल परिस्थितियां हैं।

वहीं, कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि केंद्रीय बैंक दरों में एक और कटौती कर सकता है क्योंकि वृद्धि के दृष्टिकोण के लिए चुनौतियां संभावित मुद्रास्फीति जोखिमों से ज्यादा हैं। केंद्रीय बैंक पहले ही अल्पकालिक उधार दर (रेपो) में लगातार तीन बार कटौती कर चुका है, जो कुल मिलाकर एक प्रतिशत हो गई है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा, छह सदस्यीय दर-निर्धारण समिति मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अध्यक्षता करते हुए, बुधवार (6 अगस्त) को अगली द्विमासिक नीति दर की घोषणा करेंगे। एमपीसी की तीन दिवसीय बैठक सोमवार से शुरू होगी।

बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा कि ऋण नीति जून में कम मुद्रास्फीति और 25% अमेरिकी शुल्क के हालिया घटनाक्रमों पर आधारित नहीं होगी। नीति पहले ही जून में 26% शुल्क को समाहित कर चुकी होगी, जिसेअप्रैल में टाल दिया गया था। सबनवीस ने कहा कि ऋण नीति जून में कम मुद्रास्फीति और 25% अमेरिकी शुल्क के हालिया घटनाक्रमों पर आधारित नहीं होगी। जून में, नीति पहले ही 26% शुल्क को बफर कर चुकी होगी, जो अप्रैल में स्थगित दर थी। इसलिए, शुल्क अपने आप में वृद्धि के बारे में दृष्टिकोण को नहीं बदल सकता है।

भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में आकर्षक स्थल

नई दिल्ली, एजेंसी

● प्रसिद्ध अर्थशास्त्री भानुमूर्ति बोले- ट्रंप का भारतीय अर्थव्यवस्था को 'मृत' बताना 'बिल्कुल गलत'

भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक आकर्षक स्थल है और पिछले तीन साल से सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का भारत की अर्थव्यवस्था को 'मृत' बताना 'बिल्कुल गलत' है। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री और मद्रास स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स के निदेशक एन आर भानुमूर्ति ने रविवार को यह कहा।

उन्होंने बताया कि दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के उलट, भारतीय अर्थव्यवस्था काफी हद तक घरेलू कारकों पर आधारित है। विशाल घरेलू बाजार और बढ़ते डिजिटल बाजार के साथ, अनिश्चित वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों से वृद्धि के मोर्चे पर जोखिम सीमित है। उल्लेखनीय है कि भारत पर 25% शुल्क और रूस के साथ व्यापार करने को लेकर 'जुर्माना' लगाने की घोषणा के बाद ट्रंप ने पिछले सप्ताह सोशल मीडिया मंच पर लिखा, मुझे परवाह नहीं है कि भारत, रूस के साथ क्या करता है। मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे अपनी 'मृत अर्थव्यवस्थाओं' को एक साथ कैसे नीचे ले जा सकते हैं। भानुमूर्ति ने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति का बयान बिल्कुल गलत है। अगर वैश्विक अर्थव्यवस्था को देखें, तो भारत निश्चित रूप से संकटग्रस्त वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक 'आकर्षक स्थल' है।

आर्थिक मानदंड अनुसार भारत कमजोर स्थिति में नहीं

तीन वर्षों से भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है, जिसकी मुद्रास्फीति दर 3% से भी कम है। अन्य मानदंड जैसे चालू खाता घाटा (कैड), सार्वजनिक ऋण, विदेशी मुद्रा भंडार, सभी मजबूत अर्थव्यवस्था का संकेत दे रहे हैं। अत्यधिक गरीबी समाप्त होने के साथ, हम जल्द चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। आप जिस भी मानदंड पर नजर डालें, भारत कमजोर स्थिति में नहीं नजर आता है। जून में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर छह साल के निचले स्तर 2 .10% रही। यह भारतीय रिजर्व बैंक के संतोषजनक स्तर (4%) से कम है। वहीं चालू खाते का घाटा बीते वित्त वर्ष 2024-25 में जीडीपी का 0 .6 प्रतिशत रहा। इसी प्रकार, 25 जुलाई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2 .70 अरब डॉलर बढ़कर 698 .19 अरब डॉलर पहुंच गया।

रूसी तेल पर अमेरिकी जुर्माने से 9-11 अरब डॉलर तक बढ़ सकता है भारत का आयात बिल

नई दिल्ली, एजेंसी

● अमेरिका ने अधिसूचना जारी की, लेकिन जुर्माने की राशि अब तक नहीं की घोषित

अगर भारतीय निर्यात पर अतिरिक्त शुल्क या जुर्माना लगाने की अमेरिकी धमकियों से बचने के लिए भारत, रूस से कच्चे तेल का आयात बंद करता है, तो देश का वार्षिक तेल आयात बिल 9-11 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ सकता है। विश्लेषकों ने यह अनुमान जताया।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता और आयातक है। फरवरी 2022 में रूस के यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद पश्चिमी देशों ने मास्को पर प्रतिबंध लगाए थे। इसके बाद भारत ने रूस से सस्ता तेल खरीदकर महत्वपूर्ण लाभ हासिल किया। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के भारतीय वस्तुओं पर 25% शुल्क और रूस से तेल एवं हथियार खरीदने पर जुर्माना लगाने की घोषणा के बाद अब हालात बदल गए हैं। अमेरिका ने 25% शुल्क की अधिसूचना जारी कर दी है, लेकिन जुर्माने की राशि अब तक घोषित नहीं की है।

राष्ट्रीय

तेजस्वी ने दो ईपीआईसी रखकर किया अपराध

भाजपा बोली- राजद नेता ने जिस ईपीआईसी का हवाला दिया, वह आधिकारिक पहचान पत्र से अलग

नई दिल्ली, एजेंसी

● संबित पात्रा बोले- राहुल गांधी व तेजस्वी यादव ने निर्वाचन आयोग पर लगाए झूठे आरोप

भाजपा ने रविवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने दो मतदाता पहचान पत्र रखकर अपराध किया है। संवाददाता सम्मेलन में यादव ने जिस मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) का हवाला दिया, वह उनके आधिकारिक मतदाता पहचान पत्र से अलग है। भाजपा ने विपक्षी दल पर ऐसे वक्त हमला किया जब एक दिन पहले आयोग ने यादव के इस दावे का खंडन किया था कि बिहार में मसौदा मतदाता सूची से उनका नाम गायब है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने पूछा, कांग्रेस व राजद पूरी तरह बेनकाब हो गए हैं... क्या आपने (यादव) शपथ लेकर झूठ बोला था? क्या आपने निर्वाचन आयोग के सामने गलत तथ्य पेश किए थे? राजद नेता ने 2020 के चुनावी हलफनामे में जो मतदाता पहचान पत्र पेश किया था, वह शनिवार को उनके द्वारा बताए गए उस पहचान पत्र से अलग था, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कवायद के बाद तैयार मतदाता सूची से उनका नाम गायब है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और उनके सहयोगी यादव पर निर्वाचन आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने और अनादर करने तथा भारत की प्रतिष्ठा को धूमिल करने के लिए झूठ का सहारा लेने का आरोप लगाया।

भाजपा प्रवक्ता ने पूछा कि अगर यादव जैसे पार्टी नेता के पास दो मतदाता पहचान पत्र हैं तो उनके कार्यकर्ता क्या करेंगे। उन्होंने दावा किया कि इससे पता चलता है कि राजद सदस्यों ने अपनी पार्टी का समर्थन बढ़ाने के लिए दो जगहों पर वोट डाला। राहुल गांधी पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग की कथित मिलीभगत से भाजपा द्वारा चुनाव में धांधली को उजागर करने के लिए 'एटम बम' जैसा सबूत होने का उनका दावा पाकिस्तान द्वारा भारत को परमाणु धमकी देने की तरह ही एक फुस्स पटाखा है। भाजपा नेता ने दावा किया कि गांधी और यादव की हताशा संवैधानिक संस्थाओं या देश को बचाने की नहीं, बल्कि अपने परिवारों को बचाने की है।

जांच के लिए तेजस्वी ईपीआईसी कार्ड सौंपें : निर्वाचन आयोग

पटना। निर्वाचन आयोग ने रविवार को राजद नेता तेजस्वी यादव से उस मतदाता पहचान पत्र को जांच के लिए सौंपने को कहा, जिसके बारे में उन्होंने दावा किया था कि वह उनके पास है, जबकि वह आधिकारिक रूप से जारी नहीं किया गया था। बिहार विस में विपक्ष के नेता ने शनिवार को इलेक्ट्रॉनिक वोटर पहचान पत्र (ईपीआईसी) नंबर के साथ ऑनलाइन सर्च का प्रदर्शन किया था। यादव को संबोधित पत्र में पटना सदर के अनुविभागीय मजिस्ट्रेट सह दीघा विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी ने कहा, जांच से पता चलता कि दो अगस्त को आपने जिस ईपीआईसी का ज़िक्र किया था, वह आधिकारिक तौर पर जारी नहीं था। इसलिए जांच के लिए ईपीआईसी कार्ड की मूल प्रति हमें सौंप दें।

सूची में नाम शामिल या हटाने की किसी भी पार्टी ने नहीं की मांग

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने रविवार को कहा कि बिहार में किसी भी राजनीतिक दल ने एक अगस्त को प्रकाशित मसौदा मतदाता सूची में नाम शामिल करने या हटाने के लिए अब तक उससे संपर्क नहीं किया है। निर्वाचन आयोग ने कहा कि एक अगस्त को अपराह्न तीन बजे से तीन अगस्त (रविवार) को अपराह्न तीन बजे तक दावे और आपत्तियों के तहत कोई मांग प्राप्त नहीं हुई है। हालांकि व्यक्तिगत रूप से, मतदाताओं से मतदाता सूची में नाम शामिल करने या अपात्र लोगों के नाम हटाने के लिए 941 दावे और आपत्तियां प्राप्त हुई हैं। राजनीतिक दलों और मतदाताओं के पास मतदाता सूची में नाम शामिल करने या हटाने की मांग करने के लिए एक सितंबर तक एक महीने का समय है।

ग्रेनाइट खदान हादसे में छह प्रवासी मजदूरों की मौत

बल्लीकुरवा (आंध्र प्रदेश)। आंध्र प्रदेश के बापटला जिले में रविवार को ग्रेनाइट की खदान में बड़ा हादसा हुआ, जिसमें भारी चट्टान गिरने से छह प्रवासी मजदूरों की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह हादसा सुबह साढ़े 10 बजे उस समय हुआ जब खदान में 10 से 15 मजदूर कार्य कर रहे थे। पुलिस अधिकारी ने बताया, सभी पीड़ित ओडिशा के हैं। संदेह है कि पानी रिसाव से चट्टान खिसकी और हादसा हुआ। घटनास्थल पर कोई विस्फोट या भूकंपीय गतिविधि नहीं हुई थी। फॉरेंसिक टीम जांच में जुटी है। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने घटना पर शोक जताते हुए कहा कि मैंने अधिकारियों से बात कर घायलों को चिकित्सा सुविधा देने और हादसे के कारणों की जांच के निर्देश दिए हैं। वाईएसआरसीपी प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने भी दुख व्यक्त किया। रेड्डी ने सरकार से घायलों और मृतकों के परिजनों को त्वरित सहायता प्रदान करने की अपील की।

आग के हवाले की गई किशोरी की मौत पर हंगामा

पुलिस की जांच पर विपक्ष ने उठाए सवाल

भुवनेश्वर, एजेंसी

पुलिस ने कहा- घटना में कोई अन्य नहीं शामिल

किशोरी की मौत के कुछ घंटे बाद, पुलिस ने एक्स पर कहा, पुलिस ने पूरी ईमानदारी से जांच की है। जांच अंतिम चरण में है। जांच में यह स्पष्ट है कि इसमें कोई अन्य व्यक्ति शामिल नहीं है। इसलिए, हम सभी से अनुरोध करते हैं कि इस दुखद घड़ी में इस मामले पर कोई भी असंवेदनशील टिप्पणी न करें।

पुरी जिले में बदमाशों द्वारा कथित तौर पर आग के हवाले की गई 15 वर्षीय किशोरी की दिल्ली स्थित एम्स में मौत के एक दिन बाद रविवार को विपक्षी बीजद और कांग्रेस ने ओडिशा की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए पुलिस की 'भूमिका' पर सवाल उठाए, जिसने दावा किया है कि किशोरी को आग लगाने में कोई भी शामिल नहीं था।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि दिल्ली एम्स में लड़की का पोस्टमार्टम किया गया और शव रात आठ बजे राज्य लाए जाने की संभावना है। मृतका के पिता ने बिना कोई जानकारी दिए कहा कि उनकी बेटी मानसिक दबाव में थी और उसने आत्महत्या कर ली। शुरुआत में आरोप था कि 19 जुलाई को पुरी जिले में भार्गवी नदी के किनारे लड़की का अपहरण कर उसे आग लगा दी गई थी। 70 प्रतिशत जली हुई लड़की को एयरलिफ्ट करके दिल्ली एम्स ले जाया गया, जहां उसकी दो सर्जरी हुईं। शनिवार को किशोरी की मौत हो गई।

बीजद और कांग्रेस की महिला नेताओं ने ओडिशा पुलिस के बयान को खारिज कर दिया। ओडिशा विस में विपक्ष की मुख्य सचेतक और बीजद नेता प्रमिला मलिक ने कहा, इसमें संदेह नहीं कि अपराधियों को बचाने की कोशिश की जा रही है।

संसद में गतिरोध के बीच सरकार विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने पर कर रही विचार

नई दिल्ली, एजेंसी

● लोकसभा में महत्वपूर्ण खेल विधेयक को पारित कराने पर सरकार दे सकती है जोर

संसद में जारी गतिरोध के बीच सरकार सोमवार को लोकसभा में महत्वपूर्ण खेल विधेयक को पारित कराने पर जोर दे सकती है, क्योंकि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर चर्चा की विपक्ष की एकजुट मांग को सत्तारूढ़ गठबंधन से सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिल पाई है।

निचले सदन ने राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक को विचार एवं पारित करने के लिए सूचीबद्ध किया है, जिसमें खेल निकायों के कामकाज में अधिक पारदर्शिता की परिकल्पना की गई है। राज्यसभा ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन को 13 अगस्त से छह महीने के लिए बढ़ाने संबंधी गृह मंत्री अमित शाह के प्रस्ताव को सोमवार को पारित करने के लिए सूचीबद्ध किया है। पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर दोनों सदनों में दो दिवसीय चर्चा को छोड़कर, 21 जुलाई को मानसून सत्र शुरू होने के बाद से संसदीय कार्यवाही लगभग ठप रही है, क्योंकि बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मुद्दा विपक्षी दल लगातार उठा रहे हैं।

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' इस मुद्दे पर एकजुट है और आरोप लगाया है कि निर्वाचन आयोग की इस कवायद का उद्देश्य उसके एजेंडे के प्रति सहानुभूति रखने वाले मतदाताओं को हटाना और भाजपा की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की संभावनाओं को बढ़ावा देना है।

निर्वाचन आयोग ने कहा है कि वह राष्ट्रीय स्तर पर यह प्रक्रिया लागू करेगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केवल पात्र मतदाताओं को ही वोट डालने की अनुमति दी जाए। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने निर्वाचन आयोग पर वोट चोरी का आरोप लगाते हुए आयोग की तीखी आलोचना की है।

सीमा शुल्क अधिकारी 10 लाख रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने मुंबई के सहार हवाई अड्डे पर तैनात सीमा शुल्क अधीक्षक को एजेंट से 10.20 लाख रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। सीबीआई प्रवक्ता ने बताया कि कृष्ण कुमार के खिलाफ सीमा शुल्क एजेंट से आयातित माल को जारी करने के लिए 10 रुपये प्रति किलो की दर से रिश्वत मांगने का मामला दर्ज किया है। आरोप है कि जब एजेंट ने विरोध किया तो कुमार ने उसे धमकी दी और जानबूझकर माल रोक दिया। सीबीआई ने 25 जुलाई से एक अगस्त के बीच स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में आरोपों का सत्यापन किया।

नीट-पीजी की परीक्षा 301 शहरों में, ढाई लाख अभ्यर्थी शामिल

● एक ही पाली में 1,052 परीक्षा केंद्रों पर देश की सबसे बड़ी कंप्यूटर-आधारित परीक्षा हुई

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में रविवार को ढाई लाख से अधिक अभ्यर्थी राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातकोत्तर (नीट-पीजी) में शामिल हुए। यह परीक्षा विभिन्न स्नातकोत्तर चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान परीक्षा बोर्ड (एनबीईएमएस) द्वारा आयोजित की जाती है।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि परीक्षा एक ही पाली में 301 शहरों के 1,052 परीक्षा केंद्रों पर हुई। अभ्यर्थियों की संख्या के लिहाज से यह भारत की सबसे बड़ी कंप्यूटर-आधारित परीक्षा है जो एक ही पाली में हुई है। एनबीईएमएस ने अनुचित साधनों के प्रयोग की किसी भी संभावना को समाप्त करने के लिए कई मेडिकल कॉलेजों और मान्यता प्राप्त अस्पतालों के 2,200 से अधिक संकाय सदस्यों को नियुक्त किया था।

कोलकाता स्थित परीक्षा केंद्र की ओर जाते राष्ट्रीय पात्रता प्रवेश परीक्षा (नीट पीजी) के अभ्यर्थी।

एनबीईएमएस ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों और पुलिस महानिदेशकों को पत्र लिखकर सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त कानून-व्यवस्था, साइबर सुरक्षा और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। इस संबंध में जिला प्रशासन और पुलिस से भी सहायता मांगी गई। परीक्षा केंद्रों पर किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी को रोकने के लिए एनबीईएमएस ने गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) से सहायता ली।

वर्ल्ड ब्रीफ

कन्नूर : दो रुपये वाले डॉक्टर गोपाल का निधन

कन्नूर। केरल के कन्नूर में पांच दशक से मात्र दो रुपये में हजारों गरीब मरीजों का इलाज करने वाले चिकित्सक एके रायरू गोपाल का रविवार को निधन हो गया। डॉ. गोपाल 80 वर्ष के थे और उनके परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक बेटी है। वह अपने निवास 'लक्ष्मी' में ही बने क्लिनिक में प्रतिदिन तड़के चार बजे से शाम चार बजे तक मरीजों का इलाज करते थे। उनके क्लिनिक में रोजाना सैकड़ों मरीज आते थे। डॉ. गोपाल उन मरीजों को दवाइयां भी देते थे, जिनके पास इसे खरीदने के पैसे नहीं होते थे। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने डॉ. गोपाल के निधन पर शोक व्यक्त किया।

सांबा में मिले तीन गोले सेना ने नष्ट किए

सांबा/जम्मू। जम्मू कश्मीर के सांबा जिले में रविवार को जंग लगे तीन गोले बरामद किए गए, जिन्हें बाद में नष्ट कर दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय लोगों ने पुलिस को पल्थ गांव के पास बसंतर नदी के किनारे पड़े गोलों के बारे में सूचना दी, जिसके बाद बम निरोधक दस्ते को घटनास्थल पर भेजा गया। उन्होंने कहा कि बाद में इन गोलों को नियंत्रित विस्फोट में नष्ट कर दिया गया, जिससे कोई नुकसान नहीं हुआ।

चीन : इमारत में आग लगने से पांच की मौत

नानिंग। दक्षिण चीन के गुआंग्शी झुआंग क्षेत्र के वुझोउ शहर में रविवार सुबह एक आवासीय इमारत में आग लगने से पांच लोगों की मौत हो गई। जिला आपातकालीन प्रबंधन ब्यूरो सूत्रों ने बताया कि शहर के लोंगक्सू ज़िले में एक पांच मंजिला इमारत के भूतल पर सुबह लगभग 8:30 बजे आग लग गई। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई है। घटना की जानकारी मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का काम शुरू कर दिया। फिलहाल आग बुझा दी गई है और इसके कारणों की जांच की जा रही है।

चिली: खदान में फंसे 5 लोग, एक का शव मिला

बोगोटा। चिली में तांबे की एक खदान का एक हिस्सा ढहने के बाद उसमें फंसे पांच खनिकों में से एक का शव बचाव दल ने बरामद कर लिया है। खदान के निदेशक ने बताया कि बचाव दल उन पांच खनिकों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं जो बृहस्पतिवार शाम मध्य चिली की 'एल टेनिएंटे' खदान में फंस गए थे। दरअसल इस इलाके में 4.2 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए थे और उसके बाद खदान के चारों ओर की चट्टानें ढह गईं और इसी क्रम में खदान का एक हिस्सा भी ढह गया था। यह खदान चिली में तांबे की सबसे बड़ी खदानों में से एक है।

बांग्लादेश: शेख हसीना के खिलाफ शुरू हुआ मुकदमा

ढाका, एजेंसी

- छात्र आंदोलन के हिंसक दमन के आरोप में अधिकतम सजा की मांग

बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने रविवार को 2024 के छात्र आंदोलन के 'हिंसक दमन' से संबंधित मानवता के खिलाफ अपराधों पर अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अनुपस्थिति में मुकदमा शुरू किया।

अंतरिम सरकार द्वारा नियुक्त मुख्य अभियोजक ताजुल इस्लाम ने अपनी शुरुआती दलीलों में हसीना को सभी अपराधों का केंद्र बताया तथा अधिकतम सजा का अनुरोध किया। अभियोजन पक्ष ने हसीना के दो शीर्ष सहयोगी पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल और पूर्व पुलिस महानिरीक्षक चौधरी अब्दुल्ला अल मामून को भी मामले में सहआरोपी बनाया है। हसीना और कमाल पर उनकी अनुपस्थिति में मुकदमा चल रहा है, जबकि मामून हिरासत में हैं और उन्होंने सरकारी गवाह बनने पर सहमति जताई है।

अभियोजन पक्ष ने कहा कि वह आने वाले दिनों में विरोध प्रदर्शनों के दौरान घायल हुए व्यक्तियों और हिंसा के प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज कराएगा। हसीना पिछले साल पांच अगस्त को बढ़ती अशांति के बीच बांग्लादेश से भारत चली गई थीं। पूर्व गृह मंत्री कमाल ने भी बाद में पड़ोसी देश में शरण ली थी।

कहीं उल्टा न पड़ जाए पासा

अमेरिका का टैरिफ वार

अमेरिका के टैरिफ वार से पूरी दुनिया में हलचल है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कई देशों पर भारी आयात शुल्क लगाकर उनकी अर्थव्यवस्था को मुश्किल में डाल दिया है। वजह यह है कि अमेरिका दुनिया में सबसे ज्यादा आयात करता है। वैसे तो अमेरिका दो सौ से ज्यादा देशों से आयात करता है लेकिन दुनिया के सात-आठ देश प्रमुख निर्यातक हैं जहां से अमेरिका का आयात 50 प्रतिशत से ज्यादा होता है। अमेरिका की ओर से शुरू किया गया टैरिफ वार उसकी आर्थिक ताकत और अमेरिकी डॉलर के प्रभुत्व पर आधारित है लेकिन कई अमेरिकी अर्थशास्त्री राष्ट्रपति ट्रंप की इस पहल से सहमत नहीं हैं। उनकी ओर से दावे किए जा रहे हैं कि कि भारी आयात शुल्क लगाने या आयात रोकने जैसे फैसले अमेरिका में महंगाई, आपूर्ति संकट और बेरोजगारी जैसी नई समस्याएं पैदा कर सकते हैं।

3.4 ट्रिलियन डॉलर का है वार्षिक आयात

- वर्ष 2024 में अमेरिका में वस्तुओं का कुल आयात 3.4 ट्रिलियन डॉलर का था। सेवाओं का आयात जोड़ने से यह और ज्यादा हो जाता है।
- अमेरिका लगभग दुनिया के 200 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों से आयात करता है लेकिन इसका एक बड़ा हिस्सा गिने-चुने देशों से होता है।

दुनिया का सबसे बड़ा बाजार

- अमेरिका की आबादी 33 करोड़ ही है लेकिन उसकी क्रयशक्ति और जीवनस्तर इतना ऊंचा है कि दुनिया की अधिकांश कंपनियां अमेरिकी बाजार में अपने उत्पाद खपाना चाहती हैं।
- अमेरिकी डॉलर का अंतरराष्ट्रीय व्यापार की मुख्य मुद्रा होना अमेरिका को मजबूती प्रदान करता है, इससे उसे अंतरराष्ट्रीय लेन-देन में प्राथमिकता और प्रभाव मिलता है।
- नाटो, जी-7 जैसी कई अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं का नेतृत्व अमेरिका को राजनीतिक ताकत और सैन्य प्रभुत्व देता है। इसका प्रभाव उसकी वैश्विक व्यापारिक नीति पर भी होता है।

करीब 50 प्रतिशत आयात 7 देशों से

- अमेरिका ने वर्ष 2024 में चीन 430 बिलियन डॉलर का आयात किया जो उसके कुल आयात का 12.5% था।
- मैक्सिको से उसका आयात 410 और कनाडा से 390 बिलियन डॉलर का था जो क्रमशः 12 और 11.5% था।
- जापान से अमेरिका का पिछले साल में आयात 160, जर्मनी से 140 बिलियन डॉलर का था जो 4.7 और 4.0% था।
- दक्षिण कोरिया से अमेरिका ने 110 और वियतनाम से सौ बिलियन डॉलर का आयात किया जो करीब 3-3% था।

अमेरिका में बढ़ सकती है महंगाई, कम हो सकते हैं रोजगार के अवसर

- अमेरिका इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़े और औद्योगिक पार्ट्स जैसे सस्ते उत्पाद चीन, वियतनाम और भारत जैसे देशों से आयात करता है। भारी टैरिफ से अमेरिकी बाजार में महंगाई तेजी से बढ़ेगी।
- अमेरिका की फोर्ड, एपल और बोइंग जैसी कंपनियां विदेश से कंपोनेंट मंगाती है। आयात बंद होने से इन कंपनियों की सप्लाई चेन टूट सकती है और उत्पादन कम या पूरी तरह बंद हो सकता है।
- दूसरे देशों के जवाबी शुल्क लगाने से अमेरिकी कृषि, टेक और मशीनरी का निर्यात गिर सकता है। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के दौरान ही चीन के साथ ट्रेड वार में ऐसा हुआ था।
- अगर आयात महंगा हुआ या बंद हुआ तो अमेरिकी कंपनियों की लागत बढ़ेगी। इससे अमेरिका में रोजगार में गिरावट के साथ जीडीपी में भी मंदी आना संभव है।

खतरनाक खेल: कश्मीर में कमाई के लिए आतंकियों का महिमामंडन

सोशल मीडिया पर शुरू हुआ नया चलन, सुरक्षा एजेंसियों ने शुरू की निगरानी

श्रीनगर, एजेंसी

सुरक्षा एजेंसियों ने कश्मीर घाटी में कुछ युवाओं के बीच अलगाववादियों और आतंकवादियों का महिमामंडन करने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करने के एक नए चलन का खुलासा किया है। इसके पीछे का कारण वैचारिक प्रतिबद्धता नहीं बल्कि फॉलोअर बढ़ाने और विज्ञापनदाताओं से धन कमाने की एक सोची-समझी रणनीति है। श्रीनगर पुलिस कट्टरपंथ का मुकाबला करने के लिए सोशल मीडिया साइट पर नजर रखने का हरसंभव प्रयास कर रही है।

श्रीनगर पुलिस को इस प्रवृत्ति का पता तब चला जब उसने ऐसे अकाउंट से जुड़े. कुछ युवाओं को हिरासत में लिया। युवकों ने पूछताछ के दौरान स्वीकार किया कि प्रतिबंधित हिजबुल मुजाहिदीन के मारे गए आतंकवादी बुरहान वानी की तस्वीर जैसी भड़काऊ तस्वीरों का इस्तेमाल फॉलोवर का एक बड़ा आधार हासिल करने के लिए एक सोची-समझी रणनीति थी। युवकों ने बताया कि इससे वे बाद में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर विज्ञापनदाताओं से विज्ञापन हासिल करके उससे पैसे कमाने में सक्षम हो सके। अधिकारियों ने बताया कि बड़ी संख्या में फॉलोअर, विशेषकर सीमापार और विदेशों से, हासिल करने के बाद, अकाउंट संचालक इन तस्वीरों को पहाड़ों या चिनार के पेड़ों जैसी तस्वीरों से बदल देते थे।

अधिकारियों ने कहा कि यह उभरती प्रवृत्ति चिंताजनक हो सकती है, क्योंकि यह इस क्षेत्र में राजनीतिक विरोध, उग्र तत्वों और नाम व पैसा कमाने के इच्छुक लोगों के बीच के अंतर को पहचाने में मुश्किल पैदा कर सकती है। पुलिस जहां अपनी निगरानी बढ़ाने तथा निजी लाभ के लिए संवेदनशील

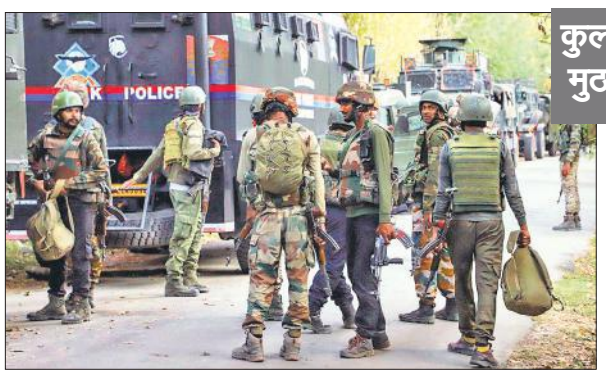

कुलगाम में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच रविवार को भी मुठभेड़ जारी रही।

कमाई करना मकसद, वैचारिक प्रतिबद्धता नहीं

अधिकारियों का मानना है कि कश्मीर घाटी में भड़काऊ तस्वीरों का इस्तेमाल करने वाले सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर के पीछे का मकसद आर्थिक है। इसके पीछे कोई वैचारिक प्रतिबद्धता नहीं है। डिजिटल दुनिया में जहां कंटेंट से कमाई नया लक्ष्य बन गया है, वहीं लाइक-शेयर और कमाई की होड़ ने चीजों को एक अस्पष्ट दायरे में पहुंचा दिया है। अधिकारियों का कहना है कि हाल ही में पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए सात बच्चों को उनके माता-पिता के सामने परामर्श प्रदान करके रिहा कर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि इनमें से ज्यादातर इन्फ्लूएंसर सोशल मीडिया मंच पर ब्रांड साझेदारी पर निर्भर हैं, जहां वे उत्पादों का प्रचार करते हैं। तीन सोशल मंच पर काम करने वाले दो प्रमुख इन्फ्लूएंसर के अनुसार ब्लू-टिक सत्यापन प्रणाली के बावजूद पैसा साझा करने का मॉडल अस्पष्ट बना हुआ है।

कुलगाम में आतंकवादियों से मुठभेड़ तीसरे दिन भी जारी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में आतंकवाद रोधी अभियान रविवार को तीसरे दिन भी जारी है। एक अधिकारी ने बताया, रविवार सुबह से रुक-रुककर गोलीबारी हो रही है और मुठभेड़ तीसरे दिन भी जारी है। उन्होंने कहा कि सुरक्षाबल आतंकवादियों का पता लगाने के लिए ड्रोन समेत सभी साधनों का इस्तेमाल कर रहे हैं। दक्षिण कश्मीर जिले के अखल में वन क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने शुक्रवार को घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया था, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई थी। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार शाम दोनों ओर से शुरुआती गोलीबारी के बाद रात में अभियान रोक दिया गया था तथा आतंकवादियों पर घेरा कसते हुए अतिरिक्त सुरक्षाबल इलाके में भेजे गए। उन्होंने कहा कि शनिवार सुबह फिर से गोलीबारी शुरू हुई, जिसमें दो आतंकवादी मारे गए।

सुरक्षा स्थितियों का फायदा उठाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए कृतसंकल्पित है, वहीं परिवारों को यह समझाने का भी प्रयास किया जा रहा है कि इससे उनके बच्चों के भविष्य पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

कलाकारों के कारनामे

जयपुर में रविवार को कांवड़ यात्रा के दौरान कई कलाकार हैरतअंगेज प्रदर्शन करते हुए गुजरे। सड़कों पर उन्हें देखने के लिए भीड़ लग गई। श्रावण मास में कांवड़ यात्रा के दौरान ऐसे करतब दिखाने वाले कलाकार लोगों को खूब लुभा रहे हैं। एजेंसी

प्रज्वल रेवन्ना अब अग्रहारा जेल का कैदी नंबर 15,528, रोते हुए गुजारी पहली रात

बेंगलुरु, एजेंसी

- कैदियों वाली वर्दी पहनाई गई जेल कर्मियों को देता रहा निर्दोष होने की सफाई

बलात्कार के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाए जाने के एक दिन बाद जनता दल (सेक्युलर) के नेता प्रज्वल रेवन्ना को बेंगलुरु के परप्पना अग्रहारा केंद्रीय कारागार में कैदी नंबर 15,528 दिया गया।

पूर्व प्रधानमंत्री और जद (एस) के प्रमुख एचडी देवेगौड़ा के पोते रेवन्ना ने शनिवार को अदालत के फैसले के बाद जेल में पहली रात बिताई। वह रो रहा था और काफी व्यथित दिखाई दे रहा था। जेल के चिकित्सकों ने शनिवार देर रात उसकी स्थिर हालत सुनिश्चित करने के लिए उसके स्वास्थ्य का आकलन किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, चिकित्सीय जांच के दौरान भी वह रो पड़ा और उसने कर्मचारियों के सामने अपनी पीड़ा व्यक्त की। उसने कर्मचारियों को बताया कि उसने अपनी सजा को चुनौती देने के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। पूर्व सांसद फिलहाल उच्च सुरक्षा वाली कोठरी में बंद है और उसे कैदियों वाली वर्दी पहनाई गई है।

मुस्लिम प्रधानाध्यापक हटवाने को स्कूल के पानी में मिला दिया जहर

बेंगलुरु, एजेंसी

- श्रीराम सेना तालुका अध्यक्ष समेत तीन को किया गया गिरफ्तार

कर्नाटक के बेलगावी जिले के हुलिकट्टी गांव में स्कूल से मुस्लिम प्रधानाध्यापक का स्थानांतरण कराने के लिए कथित रूप से स्कूल के पानी में जहर मिला दिया गया जिससे स्कूल के कई बच्चों की हालत बिगड़ गई। इस मामले में श्रीराम सेना के तालुका अध्यक्ष समेत तीन को गिरफ्तार किया गया है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। सिद्धरमैया ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में इसे धार्मिक घृणा और कट्टरवाद से प्रेरित एक जघन्य कृत्य करार दिया।

सिद्धरमैया ने एक बयान में कहा, बेलगावी जिले के सवादत्ती तालुका के हुलिकट्टी गांव के सरकारी स्कूल के प्रधानाध्यापक मुस्लिम समुदाय से हैं। उनका तबादला करवाने के इरादे से श्रीराम सेना के तालुका अध्यक्ष सागर पाटिल और दो अन्य लोगों को स्कूली बच्चों के पीने के पानी में जहर मिलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह घटना लगभग 15 दिन पहले हुई थी, जिसमें कई बच्चे बीमार पड़ गए थे, हालांकि किसी की जान जाने की सूचना नहीं है।

यूक्रेनी ड्रोन हमले से रूस के तेल डिपो में भीषण आग

मॉस्को, एजेंसी

रूस के काला सागर स्थित रिसॉर्ट सोची के निकट एक तेल डिपो पर यूक्रेन के ड्रोन हमले से भीषण आग लग गई। इसके बाद सोची हवाईअड्डे पर उड़ानों का संचालन अस्थाई रूप से रोक दिया गया है।

क्रास्नोडार क्षेत्र के गवर्नर वेनियामिन कोंड्राटयेव ने 'टेलीग्राम' पर बताया कि एक ड्रोन का मलबा गिरने से ईंधन टैंक में भीषण आग लग गयी, जिसे बुझाने के लिए 120 से अधिक दमकलकर्मी जुट गए। सोशल मीडिया पर सामने आए इस घटना के वीडियो में तेल डिपो के ऊपर से धुएं के विशाल गुबार उठते दिखाई दिए। वोरोनिश क्षेत्र के अधिकारियों ने बताया कि एक अन्य यूक्रेनी ड्रोन हमले में चार लोग घायल हो गए। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने रविवार रात तक रूस और काला सागर के ऊपर से 93 यूक्रेनी ड्रोनों को मार गिराया। इस बीच, दक्षिणी यूक्रेन में माइकोलाइव शहर के एक आवासीय क्षेत्र पर रूस ने मिसाइल से हमला हुआ, जिसमें सात लोग घायल हो गए।

रूस के सोची में तेल डिपो से उठते धुएं के गुबार।

- आग बुझाने के लिए लगाए गए 120 से ज्यादा दमकलकर्मी, उड़ानों को किया गया स्थगित

गाजा में भुखमरी और नरसंहार के खिलाफ केप टाउन में प्रदर्शन

केप टाउन। दक्षिण आफ्रीका की राजधानी केप टाउन में महिलाओं ने मदर्स-4 गाजा के बैनर तले गाजा में भुखमरी तथा नरसंहार के खिलाफ मौन विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान महिलाए मुंह पर टेप लगाकर खड़ी थीं और उनके हाथों में तख्तियां थीं जिन पर 'नरसंहार रोको' लिखा था। कुछ महिलाओं के हाथों में उन दुर्बल बच्चों-वयस्कों की तस्वीरें थीं जो मानवीय सहायता पर इजराइली नाकेबंदी के कारण भूख से मर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि प्रदर्शन का उद्देश्य गाजा में चल रहे मानवीय संकट की ओर ध्यान आकर्षित करना और फलस्तीनी माताओं और बच्चों के साथ एकजुटता जताना था। मदर्स-4 गाजा की सदस्य आइरीन नाइट ने कहा कि वे फलस्तीन में माताओं-बच्चों के साथ एकजुटता दिखाना चाहती हैं।

अमेरिका: भारतीय मूल के चार बुजुर्गों की कार दुर्घटना में मौत

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- मंदिर में दर्शन करके होटल की ओर लौटते वक्त हुई दुर्घटना

अमेरिका के वेस्ट वर्जीनिया में एक कार दुर्घटना में भारतीय मूल के चार बुजुर्ग व्यक्तियों की मौत हो गई। उनका वाहन दो अगस्त को रात लगभग 9:30 बजे वेस्ट वर्जीनिया के मार्शल काउंटी में एक सड़क के किनारे पास मिला।

मार्शल काउंटी शेरिफ माइक डौघर्टी ने कहा कि किशोर दीवान, आशा दीवान, शैलेश दीवान और गीता दीवान एक वाहन दुर्घटना के बाद मृत पाए गए। चारों बफेलो, न्यूयॉर्क से लापता बताए गए थे।

न्यूयॉर्क प्रांत की गवर्नर कैथी होचुल के कार्यालय में एशियाई अमेरिकी और प्रशांत द्वीप समूह मामलों के निदेशक सिबू नायर ने शनिवार को फेसबुक पर 'व्यक्ति लापता, कृपया मदद करें' अलर्ट पोस्ट किया था। नायर ने कहा, हमारे समुदाय के प्रिय सदस्य लापता हो गए थे। उन्हें आखिरी बार मंगलवार को पिट्सबर्ग के मंदिर में दर्शन करने के बाद माउंड्सविले स्थित पैलेस होटल जाते हुए देखा गया था।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 4 अगस्त, सोमवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-शुक्ल पक्ष, दशमी 11.41 तक तत्पश्चात एकादशी।

आज का पंचांग

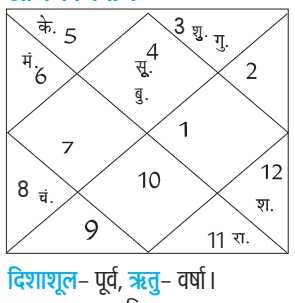

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- वर्षा।
चन्द्रबल-वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुम्भ।
ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-अनुराधा 09.12 तत्पश्चात ज्येष्ठा।

मेष — आज आवश्यक वस्तुओं की कमी के कारण आप क्रोधित हो सकते हैं। नये प्रेम संबंधों को लेकर सावधान रहें। पाचन शक्ति कमजोर होने के कारण दस्त और उल्टी जैसी समस्या हो सकती है। आज दवाइयों पर धन खर्च हो सकता है।

वृष — आज परिवार में सभी लोग आपसे अत्यन्त प्रसन्न रहेंगे। व्यवसाय में अपने लक्ष्यों को समय से पूर्व ही निपटा लेंगे। आपको उच्च पद सौंपा जा सकता है। ससुराल पक्ष से शुभ सूचना मिल सकती है। नव विवाहित जोड़े पर्यटन के लिए जा सकते हैं।

मिथुन — आज अपने लक्ष्य के प्रति आप एकाग्र रहेंगे। व्यापार में अचानक धन लाभ हो सकता है। आपके मस्तिष्क में कुछ बेहतरीन रचनात्मक आइडियाज़ आयेंगे। इनका प्रयोग आप नये स्टार्टअप के लिए भी कर सकते हैं।

कर्क — आज का पूरा दिन आत्मविश्वास से भरपूर रहेगा। आप लोगों के बीच लोकप्रिय रहेंगे। प्रेमी जोड़े आज विवाह के लिए परिजनों को मनाने में सफल रहेंगे। विवादित मामलों पर समझौता हो सकता है। मीडिया से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा है।

सिंह — आज अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित रखें। घर के बुजुर्ग आपसे प्रसन्न रहेंगे। प्रेमी जन के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं। गले में इन्फेक्शन की समस्या हो सकती है। कार्यक्षेत्र में काम अधिक न होने के बाद भी आपको ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी।

कन्या — आज कार्यक्षेत्र में आपका दिन बहुत अच्छा रहेगा। दृढ़ निश्चय के दम पर आप कोई बड़ा काम कर सकते हैं। परिजनों की अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे। आपके सामाजिक दायरे में वृद्धि होगी। बहुमूल्य वस्तुओं की खरीदारी का विचार बनायेंगे।

तुला — आज अनावश्यक मुद्दों पर आप घिर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में अधिकारी आपसे प्रसन्न रहेंगे। आर्थिक लेन-देन से जुड़े मामलों में देरी हो सकती है। कर्ज संबंधित मामले उलझने की आशंका है। कब्ज के रोगियों को आज परेशानी होगी।

वृश्चिक — आज आपके काम की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। दांपत्य जीवन अत्यन्त सुखद रहेगा। खेल जगत से जुड़े लोगों को बड़े अवसर मिल सकते हैं। कारोबार में आपका प्रदर्शन शानदार रहेगा। आप परिजनों के साथ बेहतरीन समय बितायेंगे।

धनु — आज विदेशी स्रोतों से धन लाभ मिलने के योग बन रहे हैं। समस्याओं को लेकर आप लापरवाह हो सकते हैं। अति उत्साह के कारण आपके काम बिगड़ने की आशंका है। पुराने रोग दोबारा उभर सकते हैं। शाम के समय आप दिखावे में धन खर्च करेंगे।

मकर — आज आप अपने घर में किसी उत्सव का आयोजन कर सकते हैं। पैतृक कारोबार में आपको बड़ा लाभ मिल सकता है। आपके द्वारा बनायी हुई योजना सफल होगी। विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिये बेहतरीन अवसर प्राप्त होने की संभावना है।

कुंभ — आज कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार में पार्टनरशिप करने के मौके मिलेंगे। जीवनसाथी के प्रति आपके मन में सम्मान का भाव बढ़ेगा। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। नये कार्य की योजना बनाने के लिए दिन शुभ है।

मीन — आज आप दूसरों की सहायता करने के कारण लोकप्रिय रहेंगे। साधु प्रवृत्ति के लोगों के साथ आपका संपर्क मजबूत होगा। आपकी सेहत अच्छी बनी रहेगी। पिता के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। दांपत्य जीवन का असन्तोष भी आप संवाद के बल पर दूर कर सकते हैं।

सुडोकू-59

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		1			4		7	
				3				5
2					9			
6	5			7			8	
			1		8			
	1			6			9	2
			7					8
9				4		3		
	8		3			1		

सुडोकू - 58 का हल

6	1	9	2	5	4	7	3	8
7	2	4	3	8	6	1	9	5
3	5	8	1	9	7	6	2	4
1	6	7	5	3	9	4	8	2
2	4	3	6	7	8	9	5	1
8	9	5	4	2	1	3	6	7
4	3	6	8	1	2	5	7	9
9	8	1	7	6	5	2	4	3
5	7	2	9	4	3	8	1	6

केएल राहुल ने आईपीएल के बाद इंग्लैंड दौरे की तैयारी शुरू करने में कोई समय बर्बाद नहीं किया। उसने बहुत कड़ी मेहनत की है। बहुत कम लोग जानते हैं कि अपने बच्चे के जन्म के बाद वह आईपीएल में खेला।
–अभिषेक नायर

स्टेडियम

बरेली, सोमवार, 4 अगस्त 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

टोरंटो में नेशनल बैंक ओपन के दौरान जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को सेरुंडोलो के खिलाफ रिटर्न करते हुए। एजेंसी

विक्टोरिया ने गॉफ को हराकर किया उलटफेर

मांट्रियल : कनाडा की युवा खिलाड़ी विक्टोरिया एमबोको ने शीर्ष वरीय कोको गॉफ को हराकर उलटफेर करते हुए शनिवार को यहां नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। दुनिया की 85वें नंबर की खिलाड़ी और 18 वर्षीय एमबोको ने एक घंटा और 22 मिनट में गॉफ को 6-1 6-4 से हराया। फ्रेंच ओपन जीतने के बाद से गॉफ की पांच मैच में यह तीसरी हार है। फ्रेंच ओपन का खिताब जीतने के बाद उन्हें बर्लिन और विंबलडन में पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा।

गत चैंपियन पोपिरिन क्वार्टर फाइनल में

टोरंटो : ऑस्ट्रेलिया के गत चैंपियन एलेक्सी पोपिरिन ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए तीन सेट तक चले मुकाबले में जीत दर्ज करके नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अमेरिकी ओपन की तैयारी के सिलसिले में महत्वपूर्ण इस प्रतियोगिता में 18वीं वरीयता प्राप्त पोपिरिन ने डेनमार्क के पांचवीं वरीयता प्राप्त होल्गर रूण को 4-6, 6-2, 6-3 से हराया। अमेरिका के एलेक्स मिशेलसन भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। उन्होंने हमवतन लर्नर टिएन को 6-3, 6-3 से हराया। मिशेलसन का अगला मुकाबला रूस के 11वीं वरीयता प्राप्त कारेन खाचानोव से होगा, जिन्होंने नॉर्वे के आठवीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड को 6-4, 7-5 से हराया।

शिवम, मौसम मुक्केबाजी चैंपियनशिप में जीते

बैंकॉक : भारत के शिवम और मौसम सुहाग ने रविवार को यहां अंडर-19 एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपने-अपने वजन वर्ग में विपरीत अंदाज में जीत दर्ज की। पुरुष 55 किग्रा वर्ग में शिवम ने तीनों राउंड में दबदबा बनाते हुए तुर्कमेनिस्तान के बेजिरगेन अनायेव को सर्वसम्मत फैसले से हराया। इसके बाद मौसम ने 65 किग्रा वर्ग में कड़े मुकाबले में कजाखस्तान के नूरकाबिलुली मुखित को 3-2 से हराया। अंडर-19 वर्ग में हालांकि शुभम को 60 किग्रा वर्ग में कजाखस्तान के तोर्तुबेक आदिलेत के खिलाफ 0-5 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

सप्तक संयुक्त 54वें स्थान पर खिसके

रॉक्सबर्ग (स्कॉटलैंड) : भारतीय गोल्फर सप्तक तलवार स्कॉटिश चैलेंज के तीसरे दौर में एक ओवर 72 का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त रूप से 54वें स्थान पर पर खिसक गए। तलवार ने शुरुआती दौर में पांच अंडर 66 का शानदार कार्ड खेला था लेकिन दूसरे और तीसरे दौर में एक समान 72 के कार्ड के बाद उनका कुल स्कोर तीन अंडर का हो गया। स्कॉटलैंड के डेनियन यंग सात अंडर 64 का शानदार कार्ड खेलने के बाद चार शॉट की बढ़त के साथ तालिका में शीर्ष पर है।

शोआन गांगुली 28वें स्थान पर रहे

सिंगापुर : राष्ट्रीय चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करने वाले शोआन गांगुली रविवार को यहां विश्व तैराकी चैंपियनशिप में पुरुषों की 400 मीटर व्यक्तिगत मेडले में 28वें स्थान पर रहे जिससे भारत का इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में निराशाजनक अभियान भी समाप्त हो गया। इस 20 वर्षीय खिलाड़ी ने राष्ट्रीय तैराकी प्रतियोगिता में नया रिकॉर्ड बनाया था, लेकिन वह अपने इस प्रदर्शन को यहां नहीं दोहरा पाए और चार मिनट 30.40 सेकंड का समय लेकर आठ खिलाड़ियों के फाइनल में जगह बनाने में असफल रहे। यह प्रयास उनके सर्वश्रेष्ठ भारतीय समय 4:24.64 से काफी पीछे था, जो उन्होंने जून में राष्ट्रीय चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान बनाया था।

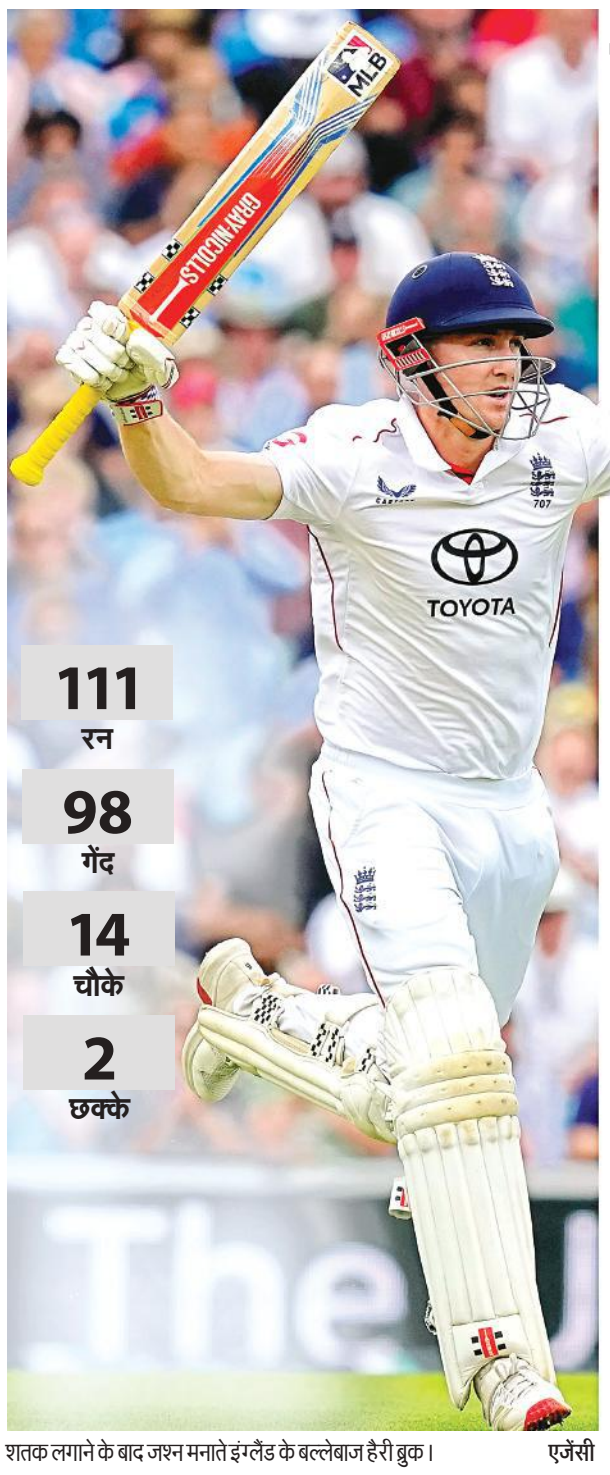

शतक लगाने के बाद जश्न मनाते इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रुक। एजेंसी

ब्रुक-रूट ने इंग्लैंड को जीत के करीब पहुंचाया

खराब रोशनी और बारिश के कारण मैच रुका, सीरीज में 2-1 से आगे इंग्लैंड को 35 रनों की दरकार

लंदन, एजेंसी

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की सीरीज के रोमांचक हुए आखिरी टेस्ट मैच के चौथे दिन रविवार को खराब रोशनी के कारण खेल में रुकावट आयी है। खिलाड़ियों के मैदान से बाहर निकलने के कुछ ही देर बाद तेज बारिश होने लगी और मैदानकर्मियों को पिच को कवर से ढकना पड़ा। इस समय जैमी स्मिथ दो रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे जबकि जैमी ओवरटन ने खाता नहीं खोला था। जीत के लिए ओवल मैदान पर रिकॉर्ड 374 रन का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने छह विकेट पर 339 रन बना लिये है।

टीम को जीत के लिए और 35 रन चाहिए जबकि भारत को चार विकेट की जरूरत है। इंग्लैंड श्रृंखला में 2-1 से आगे है और भारत को बराबरी करने के लिए चार विकेट की जरूरत है। चोट के कारण पहली पारी में बल्लेबाजी नहीं करने वाले क्रिस वोक्स हालांकि ड्रेसिंग रूम में हाथ में स्लिंग लागये टेस्ट टीम की जर्सी में दिखे जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह जरूरत पड़ने पर बल्लेबाजी के लिए आ सकते हैं। मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने चाय के विश्राम के बाद शानदार गेंदबाजी करते हुए भारत की उम्मीदें जगा दी है। इंग्लैंड चाय के विश्राम तक चार विकेट पर 317 रन बनाकर काफी मजबूत स्थिति में था लेकिन कृष्णा ने जेकब बेथल और जो रूट को आउट कर रोमांच बढ़ा दिया। रूट ने 105 रन बनाये। उन्हें दिन के शुरुआती दो सत्र में हैरी ब्रुक का शानदार साथ मिला। ब्रुक ने 98 गेंद में 111 रन की आक्रामक पारी खेलने के अलावा रूट के साथ 195 रन की साझेदारी कर मैच पर इंग्लैंड का दबदबा कायम किया।

इससे पहले चायकाल तक ब्रुक ने प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर मोहम्मद सिराज से 19 रन पर मिले जीवनदान का फायदा उठाते हुए 98 गेंद की पारी में 14 चौके और दो छक्के लगा कर सीरीज का अपना दूसर शतक पूरा किया। उन्होंने रूट के साथ चौथे विकेट के लिए 211 गेंद में 195 रन की साझेदारी कर मैच को भारत की पकड़ से लगभग दूर कर दिया है। इस साझेदारी को आकाशदीप ने ब्रुक को सिराज के हाथों कैच कराकर तोड़ा। दिन के दूसरे सत्र में भारत के तीनो तेज गेंदबाजों पर थकान का असर दिखा जो गेंद की चमक खोने के बाद पिच से ज्यादा मदद लेने में नाकाम रहे। वाशिंगटन सुंदर और रविंद्र जडेजा की स्पिन गेंदबाजी भी असरहीन दिखी। भारत को नयी गेंद के लिए अभी 14 ओवर इंतजार करना होगा और अगर इंग्लैंड के बल्लेबाज इतने ओवरों तक क्रीज पर डटे रहे तो मैच का परिणाम लगभग तय हो गया होगा। भारतीय तेज गेंदबाजों ने रूट और ब्रुक के खिलाफ शॉट गेंद डालने की रणनीति अपनाई लेकिन गेंद पुरानी होने के कारण बल्लेबाजों को उससे सामंजस्य बिठाने में कोई परेशानी नहीं हुई।

इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट पारी के दौरान शॉट लगाते हुए। एजेंसी

ओवल में लक्ष्य का पीछा करने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के नाम दर्ज है

- इस मैच से पहले ओवल में चौथी पारी में सबसे सफलतापूर्वक सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा करने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के नाम ही है, जिसने वर्ष 1902 में 263 रन का लक्ष्य हासिल किया था।

संक्षिप्त स्कोर कार्ड

भारत पहली पारी : 224 रन
इंग्लैंड पहली पारी : 247 रन
भारत दूसरी पारी : 396 रन

दिन की पहली सफलता कृष्णा ने दिलाई

- लंदन : मुख्य टीम को हालांकि दिन की पहली सफलता कृष्णा ने बेन डकेट (54) को आउट कर दिलाई। डकेट बाहर निकलती गेंद को ड्राइव करने की कोशिश की लेकिन गेंद बल्ले का बाहरी किनारा लेते हुए दूसरे स्लीप में खड़े लोकेश राहुल के हाथों में चली गयी। इसके तुरंत बाद सिराज को भी शानदार गेंदबाजी का फल मिला। उन्होंने मैच में पोप (27) को दूसरी बार पगबाधा कर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। पोप ने इस ओवर से पहले ही कृष्णा के खिलाफ तीन चौके लगाकर लय हासिल की थी। रूट ने सिराज के खिलाफ दो शानदार कवर ड्राइव लगा कर दबाव कम किया। आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे ब्रुक को इस दौरान जीवनदान भी मिला जब प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर कैच पकड़ने के बाद मोहम्मद सिराज का पैर बाउंड्री लाइन से टकरा गया और यह छह रन में बदल गया। ब्रुक ने इससे पहले आकाशदीप के खिलाफ अपनी पारी का पहला छक्का जड़ा था। जीवनदान मिलने के बाद उन्होंने कृष्णा के खिलाफ दो बेहतरीन चौके जड़े।

ब्राजील महिला टीम फिर चैंपियन

कोपा अमेरिका फेमिनिना खिताब जीतने के बाद ट्रॉफी के साथ जश्न मनाती ब्राजील की महिला फुटबॉल टीम। एजेंसी

क्विटो (इक्वाडोर), एजेंसी

- नौवीं बार जीता कोपा अमेरिका फेमिनिना का खिताब

छह बार विश्व की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रही मार्टा के शानदार प्रदर्शन की मदद से ब्राजील की महिला फुटबॉल टीम ने तीन बार पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए कोलंबिया को पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से हराकर नौवां कोपा अमेरिका फेमिनिना खिताब जीता।

दुनिया की सर्वश्रेष्ठ महिला फुटबॉलर 39 वर्षीय मार्टा ने 82वें मिनट में मैदान पर कदम रखा और इंजरी टाइम के छठे मिनट में गोल करके ब्राजील को 3-3 से बराबरी पर ला दिया। इसके बाद उन्होंने अतिरिक्त समय में भी गोल किया जिससे ब्राजील ने पहली बार मैच में बढ़त बनाई।

लेसी सैंटोस ने 115वें मिनट में गोल करके कोलंबिया को 4-4 की बराबरी पर ला दिया और मैच पेनल्टी शूटआउट में चला गया। गोलकीपर लोरेना दा सिल्वा ने शूटआउट में दो पेनल्टी बचाकर ब्राजील को महाद्वीपीय चैंपियनशिप में लगातार पांचवां खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। ब्राज़ील ने पिछले पांच फाइनल में चौथी बार कोलंबिया को हराया। छह विश्व कप और छह ओलंपिक खेल चुकी मार्टा ने ब्राजील की तरफ से 206 मैचों में 122 गोल किए हैं।

ब्राजील की तरफ से 45वें मिनट में एंजेलिना अलोंसो और 80वें मिनट में अमांडा गुटिएरेस ने भी गोल किए। कोलंबिया के लिए लिंडा कैसेडो ने 25वें मिनट में, मायरा रामिरेज़ ने 88वें मिनट में और सैंटोस ने गोल किए। ब्राज़ील की डिफेंडर टार्सियाने ने 69वें मिनट में आत्मघाती गोल भी किया।

राहुल ने आईपीएल के बाद हर मिनट तैयारी में बिताया : नायर

मुंबई : भारत के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर ने रविवार को कहा कि लोकेश राहुल ने अपने आखिरी आईपीएल मैच के बाद हर मिनट इंग्लैंड दौरे की तैयारी में बिताया है और टीम के लिए सभी क्रम पर खेलने से मिलने वाली प्रशंसा के वह हकदार हैं।

राहुल पांच टेस्ट मैच की सीरीज में भारत के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उन्होंने दो शतक और दो अर्धशतक की मदद से 53.20 की औसत से 532 रन बनाए और यशस्वी जायसवाल के साथ एक मज़बूत सलामी जोड़ी बनाई। कुछ समय पहले तक भारत के सहायक कोच के रूप में काम करने वाले नायर ने कहा कि वह राहुल द्वारा किए गए बदलावों का खुलासा नहीं कर सकते लेकिन वह वांछित परिणाम देखकर खुश हैं। महिला प्रीमियर लीग टीम यूपी वारियर्स के मुख्य कोच नायर ने कहा मैं लोकेश राहुल में देखे गए बदलावों के बारे में बात नहीं कर सकता क्योंकि इससे उसका प्रभाव काफी कम हो जाएगा।

पीसीबी ने डब्ल्यूसीएल में भागीदारी पर प्रतिबंध लगाया

लाहौर, एजेंसी

- आयोजकों पर पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने का लगाया आरोप
- पहलगाम हमले के कारण भारत ने खेलने से कर दिया था मना

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) के आयोजकों पर पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए रविवार को भविष्य में इस टूर्नामेंट में अपने खिलाड़ियों की भागीदारी पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की घोषणा की।

भारतीय टीम ने पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय खेल संबंधों को लेकर देश के रुख का हवाला देते हुए इस पड़ोसी देश के खिलाफ डब्ल्यूसीएल के ग्रुप चरण के मुकाबले और सेमीफाइनल दोनों में खेलने से इन्कार कर दिया था जिसके बाद पीसीबी ने यह फैसला किया। पीसीबी ने मोहसिन नकवी की अध्यक्षता में बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की वर्चुअल बैठक के बाद एक बयान में कहा, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) घोषणा करता है कि वह भविष्य में वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) में भाग लेने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा रहा है।

पीसीबी ने डब्ल्यूसीएल द्वारा भारत को अंक देने के निर्णय पर भी कड़ी आपत्ति जताई तथा कहा कि यह पाखंड और पक्षपातपूर्ण है। भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप चरण में मुकाबला होना था, लेकिन भारतीय टीम ने आतंकवादी हमले और उसके बाद भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद राष्ट्रीय भावनाओं का हवाला देते हुए पाकिस्तानी टीम के खिलाफ खेलने से इनकार कर दिया। भारतीय टीम में शिखर धवन, युवराज सिंह, इरफान पठान, सुरेश रैना और हरभजन सिंह जैसे खिलाड़ी शामिल थे। भारत के सेमीफाइनल में नहीं खेलने के कारण पाकिस्तान सीधे फाइनल में पहुंच गया।

नामधारी एफसी डूरंड कप के ग्रुप ए में शीर्ष पर पहुंचा

कोलकाता : नामधारी एफसी ने 134वें डूरंड कप फुटबॉल में रविवार को यहां भारतीय वायु सेना को 4-2 से हराकर टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। नामधारी एफसी अब छह अंकों के साथ ग्रुप ए में शीर्ष पर पहुंच गया। टीम ने बुधवार को ईस्ट बंगाल के खिलाफ होने वाले अहम मुकाबले से पहले खुद को मजबूत स्थिति में पहुंचा लिया है।

सैमुअल के भारतीय वायुसेना को मैच के सातवें मिनट में गोल कर बढ़त दिला दी। क्लेडसन दा सिल्वा (पेनल्टी, 37वां मिनट), अमनदीप सिंह (45वां) और दूसरे हाफ में धर्मप्रीत सिंह (60वां) और स्थानापन्न सेलेनथांग लोत्जेम (74वां मिनट) के गोलों के साथ जवाबी कार्रवाई करते हुए पूरे तीन अंक हासिल कर लिए। संकित ने मैच के 78वें मिनट में वायुसेना के लिए दूसरा गोल किया लेकिन यह टीम को वापसी कराने के लिए काफी नहीं था।

वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को रोमांचक मुकाबले में हराया

पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान का विकेट लेने के बाद वेस्टइंडीज के शेरफेन रदरफोर्ड (दाएं से दूसरे) को बधाई देते जेसन होल्डर (बाएं से तीसरे)। एजेंसी

लॉडरहिल (अमेरिका), एजेंसी

जैसन होल्डर ने चार विकेट लिए और फिर मैच की अंतिम गेंद पर चौका जड़ा जिससे वेस्टइंडीज ने दूसरे टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पाकिस्तान को दो विकेट से हराकर तीन मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर की।

अनुभवी ऑलराउंडर होल्डर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 19 रन देकर चार विकेट लिए और पहले बल्लेबाजी करने के लिए उतरे पाकिस्तान को नौ विकेट पर 133 रन पर रोकने में अहम भूमिका निभाई। पाकिस्तान के केवल तीन बल्लेबाज हसन नवाज (40), कप्तान सलमान आगा (38) और फखर जमा (20) ही दोहरे अंक में पहुंच पाए। वेस्टइंडीज की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और एक समय स्कोर पांच विकेट पर 70 रन था। वेस्टइंडीज को जीत के लिए अंतिम गेंद पर तीन रन की जरूरत थी। होल्डर ने शाहीन अफरीदी की गेंद को चौका मार दिया।

सुमित और भूमिका रग्बी चैंपियनशिप में नेतृत्व करेंगे

नई दिल्ली : बंगाल के सुमित कुमार रॉय और राजस्थान की भूमिका शुक्ला नौ और 10 अगस्त को बिहार के राजगीर में होने वाली एशिया रग्बी एमिरेट्स अंडर-20 सेवंस चैंपियनशिप 2025 में भारतीय टीमों का नेतृत्व करेंगे। टीमों का चयन तीन जुलाई को कोलकाता के भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र में शुरू हुए राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के बाद किया गया। पुरुष वर्ग में भारत, चीन, यूएई, हांगकांग, कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, श्रीलंका और मलेशिया की टीमें हिस्सा लेंगी। महिला वर्ग में मलेशिया की जगह नेपाल रहेगा। भारतीय रग्बी फुटबॉल संघ के अध्यक्ष राहुल बोस ने कहा एशिया रग्बी अंडर-20 सेवंस चैंपियनशिप एक ऐसा टूर्नामेंट है जहां एक खिलाड़ी का अंतर्राष्ट्रीय भविष्य आकार लेना शुरू करता है। हम इस दोनों टीमों को घरेलू धरती पर एक साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए देखने के लिए उत्सुक हैं।

साक्षात्कार ग्राहम गूच ने कहा-भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया को लगातार देखने से बोरियत होगी

सिर्फ बिग थ्री को टेस्ट खेलते नहीं देख सकते

लंदन, एजेंसी

महान बल्लेबाज ग्राहम गूच का मानना है कि भारत और इंग्लैंड के बीच चल रही पांच मैच की कड़ी श्रृंखला दबाव झेल रहे टेस्ट प्रारूप के लिए बिल्कुल सही प्रेरणा है, लेकिन उन्हें डर है कि सिर्फ बिग थ्री (भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया) देशों के एक-दूसरे के साथ अधिक खेलने का मौजूदा चलन अंततः बोरियत और ठहराव का कारण बनेगा।

अधिकतर टेस्ट क्रिकेट भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जा रहा है जो पांच मैच की श्रृंखला में एक-दूसरे के साथ खेलते हैं। वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड जैसे आर्थिक रूप से कमजोर देश केवल दो या तीन मैच की श्रृंखला में ही हिस्सा लेते हैं। यहां पांचवें और अंतिम टेस्ट के इतर पीटीआई से बात करते हुए इंग्लैंड के पूर्व कप्तान गूच ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट को बिग थ्री देशों से आगे बढ़कर फलने-फूलने की जरूरत है। गूच ने पीटीआई से कहा मुझे लगता है कि आईसीसी को टेस्ट क्रिकेट पर ध्यान देने की जरूरत है और यह देखने की जरूरत है कि वे आर्थिक रूप से कमजोर देशों की कैसे मदद कर सकते हैं। मैं छोटे देशों की बात नहीं करूंगा, बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर देशों की बात करूंगा। टेस्ट क्रिकेट में 8900 रन के साथ इंग्लैंड के तीसरे सबसे सफल बल्लेबाज 72 वर्षीय गूच ने कहा क्योंकि आपको टेस्ट क्रिकेट को बचाए रखना है। आप सिर्फ तीन टीम के बीच नहीं खेल सकते। अगर न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका जैसी दूसरी टीम कम टेस्ट क्रिकेट खेलेंगी तो किसी के पास खेलने के लिए कोई नहीं होगा। इसलिए उन्हें खेल का पूरा समर्थन करना होगा।

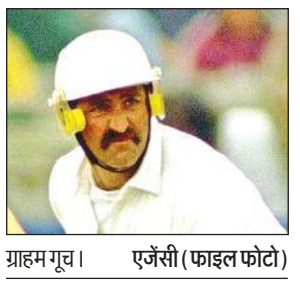

ग्राहम गूच। एजेंसी (फाइल फोटो)

लगभग 45 हजार प्रथम श्रेणी रन बनाने वाले गूच ने कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद टीम की अनुभवहीनता के बावजूद उन्हें हमेशा उम्मीद थी कि भारत मेजबान टीम को कड़ी टक्कर देगा। गूच ने कहा देखिए एक दरवाजा बंद होता है तो दूसरा खुल जाता है। आप यह उम्मीद नहीं कर सकते कि महान खिलाड़ी या कोई भी खिलाड़ी हमेशा खेलता रहे। एक समय ऐसा आता है जब वे तय कर लेते हैं कि अब बहुत हो गया या अब संन्यास ले लेंगे या कुछ और। उन्होंने कहा जिन दो खिलाड़ियों का आपने जिक्र किया है, उन्होंने भारत और हमारे शानदार खेल के लिए बेहतरीन योगदान दिया है। अब समय आ गया है कि दूसरे लोग आगे आएं।

भारत और इंग्लैंड सीरीज से खुश हैं गूच

- भारत और इंग्लैंड ने पांच मैच की श्रृंखला में एक-दूसरे को बेहद कड़ी टक्कर दी है और ऐसे में गूच यहां खेले गए क्रिकेट और इन नजदीकी मैचों में पैदा हुए तनाव से बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा यह एक शानदार श्रृंखला रही है और टेस्ट क्रिकेट के लिए बेहद अच्छी है। क्योंकि हम जानते हैं कि फ्रेंचाइजी क्रिकेट दुनिया भर में छाया हुआ है और टेस्ट क्रिकेट दबाव में है। गूच ने कहा तो इस तरह की श्रृंखला में काफी रोमांच, काफी अच्छा क्रिकेट, ढेर सारे रन, शानदार गेंदबाजी, और तनाव, कभी-कभी खेल में थोड़ी-बहुत चुभन भी होती है जिससे असल में मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने कहा, दोनों टीमों ने काफी जज्बा दिखाया है। मुझे लगता है कि यह शानदार रहा है।